ISSN 2349-6614

सितम्बर 2024

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

करजाली हाउसः सगसजी की जन्मोत्सव पर श्रृंगारित छवि

पेरिस ओलम्पिकः नीरज ने जीता रजत और मनु के हाथ आई दोहरी खुशी

SANGAM™ UNIVERSITY
where Aspiration meets Opportunity
ACCREDITED WITH NAAC

SANGAM UNIVERSITY
BHILWARA

Promoted by
Sangam Group Bhilwara

ADMISSION OPEN

100% Placement Assistance* | 4500+ Proud Alumni | 18LPA Highest Package* | 250+ Expert Faculty | 5500+ Students Enrolled

WiFi Campus

Computer Labs

Hostel

Laboratories

Modern Classrooms

Gymnasium

Choose from
100+ INDUSTRY ORIENTED PROGRAM!

Farms

Sports

Library

Cafeteria

Seminar Hall

Box Cricket

ENGINEERING
B.Tech | M.Tech | Polytechnic Diploma | BCA | MCA | PGDCA

MANAGEMENT
B.Com (Hons.) | BBA MBA | MBA Executive

NURSING
B.Sc. Nursing GNM Nursing

LEGAL STUDIES
BA-LL.B. | LL.B. | LL.M.

AGRICULTURE
B.Sc. (Agri.) Hons. B.Sc. (Agri.) ABM

PHYSIOTHERAPHY
BPT- Bachelor of Physiotheraphy

LIBRARY
D.Lib | B.Lib | M.Lib

ARTS & HUMANITIES
BA | MA | MSW

PHARMACY
B.Pharm D.Pharm

FIRE & SAFETY
Diploma | PG Diploma | Bachelor Degree

APPLIED SCIENCE
B.Sc. (Hons.) | M.Sc.

VOCATIONAL
B.Voc.-Graphics | Interior | Digital Marketing

FACILITIES @SANGAM

ट्रेनिंग व प्लेसमेन्ट मे सहयोग | प्रेक्टिकल आधारित शिक्षा | आधुनिक प्रयोगशालाएँ | होस्टल व मैस सुविधा | भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ से आने जाने के लिए बस सुविधा | कैंपस सलेक्शन | वेल क्वालिफाइड फेकल्टी | छात्रवृत्ति योजना

Campus - Nh-79, Bhilwara Chittor By-Pass, Bhilwara, (Rajasthan) 311001

Campus Office	Chittor Office	Gangapur Office	Pratapgarh Office	Asind Office
7891050000	7976363857	8619909014	9784833744	9001097343

सितम्बर-2024 वर्ष 22 अंक 05

प्रत्यूष

मूल्य 30 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

अंदर के पृष्ठों पर...

प्रसंगवश

जम्मू क्यों हैं आतंक का नया कश्मीर?
पेज 08

विवाद

हिन्दू-मुस्लिम के बाद जैन समाज का भी दावा
पेज 10

सेहत

हृदय रोग और नई तकनीक
पेज 14

संगठन

भाजपा में अध्यक्ष के नए चेहरे की तलाश
पेज 18

बागवानी

मन की गांठों को खोलने का आध्यात्मिक प्रयोग पर्युषण
पेज 30

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता

बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

NARAYAN SEVA SANSTHAN
SINCE 1985
Nar Seva Narayan Seva
पू. कैलाश जी 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन, नारायण सेवा संस्थान
'सेवक' प्रशान्त भैया
अध्यक्ष, नारायण सेवा संस्थान
सेवा बनें स्वभाव
अब तक हुए सेवा कार्य
ऑपरेशन 4,40,971
फिजियोथेरेपी 5,00,230
कैलीपर 3,82,404
कौशल प्रशिक्षण 6500
व्हील चेयर 283,839
ट्राई साईकिल 2,70,313
बैसाखी 3,12,408
कृत्रिम अंग 43,877
आवासीय विद्यालय 495
अन्न वितरण (कि.ग्रा.) 30043
प्रतिदिन रोगी भोजन 5,000
स्वेटर व युनिफॉर्म वितरण 4,05,591
सामूहिक विवाह (जोड़े) 2,357
नारायण चिल्ड्रन एकेडमी 1704 बच्चे
मूक बधिर प्रज्ञा चक्षु अनाथ आश्रम 3190
नारायण गुरुकुल विद्यालय 150
कृपया आपश्री अपने ईष्ट मित्रों व परिजनों को जोड़कर सेवा के सफर को आगे बढ़ाएं
Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001
Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002
+91 294 662 2222 | +91 7023509999

कट्टरता की चपेट में बांग्लादेश

आखिरकार वही हुआ, जिसका अंदेशा था। लंबे समय से चल रहे हिंसक छात्र आंदोलन और अराजकता के भंवर में हिचकोले खाती पड़ौसी बांगलादेश की हसीना सरकार का तख्तापलट हो गया। वहां से आई तस्वीरें खौफनाक हैं। ऐसी विस्फोटक स्थिति में प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसे-तैसे जान बचाकर भागीं। यह पूरा प्रकरण 21वीं सदी में परिपक्व होते लोकतंत्र पर करारा तमाचा है कि किस प्रकार हुड़दंगियों और बाहरी ताकतों द्वारा लोकतंत्रात्मक ढंग से चलती सरकार को उखाड़ फेंक दिया जाता है। उपद्रवियों की हरकत से स्पष्ट है कि इस तख्तापलट की साजिश पड़ोसी देश में ही रची गई है। नहीं तो क्या कारण है कि बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के सेनानी एवं राष्ट्रपिता शेख मुजीबर्रहमान की प्रतिमा पर हथोड़े चलाए गए और उनके स्मारक को आग के हवाले किया गया। बहरहाल, जो होना था, वह हो गया। अब वहां किसी तरह से लोकतंत्र को बहाल किया जाए।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता और समझदारी की सराहना करनी चाहिए। सरकार ने संसद में कोई बयान देने से पहले सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया और विपक्ष के लगभग सभी महत्वपूर्ण नेताओं ने उसमें भाग लिया।

किसी भी लोकतांत्रिक देश को ऐसी स्थिति बनने ही नहीं देनी चाहिए, जिससे सियासी पार्टियों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जाएं कि फौज दखल देने को मजबूर हो जाए। अगर बांग्लादेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी-अपनी मर्यादाओं का अंदाजा होता, तो यह नौबत नहीं आती। अब यह नौबत आ ही गई है, तो कोशिश होनी चाहिए कि खूनखराबा रोका जाए।

बांग्लादेश में बढ़ता कट्टरपंथ और अल्पसंख्यक हिंदुओं बौद्ध व इसाइयों के खिलाफ हिंसा की वारदात कोई नई नहीं है। अब तक हिंसा की घटनाएं सीमित इलाकों में होती थीं लेकिन पहली बार पूरे बांग्लादेश में हिंसा भड़की है। पिछले एक दशक में जमात-ए-इस्लामी, हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे कट्टर संगठनों का प्रभाव वहां तेजी से बढ़ा है। ये संगठन दबाव की रणनीति के तहत सरकार से कई अहम फैसले बदलवाने में भी सफल रहे हैं। ऐसे में यहां अल्पसंख्यकों के लिए खतरा बढ़ता ही जा रहा है। 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में यहां अल्पसंख्यकों को 3696 बार हमलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान 1698 मामले धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ और हथियारबंद हमलों के मामले सामने आए। इसके अलावा घरों-मकानों में तोड़-फोड़ और आगजनी समेत हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर लगातार हमले किए गए। खासकर 2014 के चुनावों में अवामी लीग की जीत के बाद हिंसक घटनाएं बड़े पैमाने पर हुईं, जिनमें हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया, जो अब तक जारी है।

जिस कट्टरता और अमानवीयता की वजह से 1971 में पाकिस्तान से संघर्ष कर बांग्लादेश अलग देश बना, वही अब कट्टरता की ओर बढ़ गया है। तख्तापलट के पीछे आईएसआई का हाथ बताया जा रहा है। बांग्लादेश के छात्र संगठन को पाकिस्तान और आईएसआई का समर्थन है। छात्र संगठन (छात्र शिविर) बांग्लादेश में प्रतिबंधित कट्टर इस्लामिक संगठन जमात ए इस्लामी से जुड़ा है। इसी जमात ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर बांग्लादेशियों (उस समय पूर्वी पाकिस्तान) का नरसंहार किया था।

पाकिस्तान और आईएसआई बांग्लादेश को अस्थिर करने का कोई मौका भी नहीं छोड़ेंगे, क्योंकि 1971 की लड़ाई को वे अभी भूले नहीं हैं। भारत यही उम्मीद करेगा कि बांग्लोदश में जल्दी से जल्दी शांति और स्थिरता स्थापित हो। वहां आम जनता के अनुकूल समाधान की पूरे विश्व को भी प्रतीक्षा है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव

भारतवंशी कमला का ट्रंप से मुकाबला

प्रिशा शर्मा

अमेरिका में नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भारतवंशी कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार होंगी। उन्होंने अगस्त के प्रथम सप्ताह में राष्ट्रपति पद के अपने नामांकन को सुरक्षित करने के लिए पार्टी में पर्याप्त प्रतिनिधि वोट हासिल किए। इसी के साथ एक बड़ी राजनीतिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति चुनाव का टिकट पाने वाली वे पहली भारतीय-अफ्रीकी महिला बन गई। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी (उपराष्ट्रपति) के तौर पर प्रत्याशी का नाम भी तय कर दिया। बतौर शिक्षक कॅरियर शुरू करने वाले मिनेसोटा के गवर्नर के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे टिम वाल्ज उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में हैरिस की पहली पसंद हैं। वाल्ज डेमोक्रेटिक गवर्नर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं।

वर्चुअल रोल कॉल में डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों से पर्याप्त वोट हासिल करने के बाद हैरिस की उम्मीदवारी की घोषणा की गई। उनका मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति एवं रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से होगा। दो माह बाद 5 नवंबर को अमेरिका में आम चुनाव होने हैं।

उपराष्ट्रपति हैरिस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुझे अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने पर गर्व है।

राष्ट्रपति पद के टिकट तक के शीर्ष पर पहुंचने वाली वह पहली भारत व अफ्रीकी मूल की महिला हैं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष जैमे हैरिसन ने कहा कि उन्हें यह पुष्टि करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि उपराष्ट्रपति हैरिस ने सभी डेलीगेट्स प्रतिनिधियों के बहुमत से अधिक वोट हासिल किए हैं।

2016 में सीनेटर चुनी गई

कमला देवी हैरिस का जन्म कैलिफोर्निया के ओकलैंड में 20 अक्टूबर 1964 को श्यामला गोपालन और डोनाल्ड हैरिस के घर हुआ था। गोपालन 19 वर्ष की आयु में भारत से अमेरिका आ गई थीं। वह स्तन कैंसर वैज्ञानिक थीं, जबकि डोनाल्ड हैरिस स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। डोनाल्ड मूल रूप से जमैका से थे। कमला हैरिस ने 2010 में सरकारी अटार्नी जनरल बनने से पहले एक अभियोजक के रूप में काम किया और 2016 में सीनेटर चुनी गईं। कमला की मां कैंसर पर शोध कर रही थीं और साल 2009 में उनकी मौत हो गई। कमला के पिता डोनाल्ड हैरिस जमैका के रहने वाले थे, जो स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाते थे। कमला हैरिस के माता-पिता तभी अलग हो गए थे, जब कमला और उनकी बहन माया हैरिस बहुत छोटी थीं। कमला हैरिस ऑकलैंड में ही पली-बढ़ी। हावर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक कमला ने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। वे सैन फ्रांसिस्को में जिला अटॉर्नी के रूप में भी काम कर चुकी हैं। वर्ष 2003 में सैन फ्रांसिस्को की जिला वकील बनी थीं। कमला हैरिस दो बार अटॉर्नी जनरल रहीं और फिर 2017 में सांसद बनीं। ऐसा करने वाली वे दूसरी अश्वेत महिला थीं। सीनेटर के तौर पर वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मुखर रही हैं। विदेश नीति पर उन्होंने एक मौके पर ट्रंप का समर्थन भी किया था। अमेरिका के इतिहास में उपराष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाली कमला पहली महिला हैं।

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री | **श्री नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

78वें

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त
के पावन पर्व की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक

शुभकामनाएँ

जन-जन की ख़ुशहाली ही वास्तविक स्वतंत्रता है। देश को आज़ादी दिलाने के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राण न्योछावर किए हैं। आज का दिन उनके बलिदान को याद करने का दिन है। आइये हम सब एकजुट होकर अपने राज्य व देश की प्रगति के लिए कार्य करें। हमारी एकता और सामूहिक प्रयास के माध्यम से ही राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

- **भजनलाल शर्मा,** मुख्यमंत्री

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

जम्मू क्यों है आतंक का नया कश्मीर?

सैयद अता हसनैन,
पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल

जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग में हाल के महीनों में सिलसिलेवार आतंकवादी हमले हुए हैं। जुलाई मध्य में कठुआ के उत्तर में घने जंगली इलाके और डोडा के दक्षिण में सेना के काफिले पर हमले हुए, जिसमें 5 सैनिक मारे गए। सवाल यह है कि अब ऐसे आतंकी हमले क्यों बढ़ रहे हैं? क्या 2019 के बाद पाक प्रायोजित आतंकी समूहों की कमर टूट नहीं गई ?

जम्मू में क्यों बढ़े हैं आतंकी हमले? आतंकवाद पानी की तरह है। यह वहां बहता है जहां प्रतिरोध कम होता है। कई वर्षों तक पाकिस्तान ने कश्मीर पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि यहीं पर उसका ध्यान हमेशा से रहा है। लेकिन जब भारतीय सुरक्षा बलों (एस.एफ.) और खुफिया एजेंसियों ने 2019 के बाद कश्मीर में आतंकी नैटवर्क को प्रभावी ढंग से बेअसर कर दिया, तो पाकिस्तान यहां एक हितधारक के रूप में अपनी प्रासंगिकता खोने लगा।

हाई-प्रोफाइल आतंकवादी गतिविधि की कमी, हिंसा के निम्न स्तर और यहां तक कि सड़क पर प्रदर्शनों की अनुपस्थिति का मतलब जम्मू-कश्मीर पर अपनी पकड़ प्रदर्शित करने की पाक क्षमता में कमी है।

अप्रासंगिक होने के लिए पाकिस्तान ने 35 वर्षों में बहुत अधिक निवेश किया है। यदि यह अब अलगाववाद को प्रायोजित करना जारी रखने का इरादा प्रर्दशित नहीं करता है, तो बाद के वर्षों में किसी भी प्रकार के प्रतिरोध को पुनर्जीवित करना बेहद मुश्किल होगा। भारत के नि:संदेह उत्थान के साथ पाकिस्तान लगभग सभी क्षेत्रों में अपनी विषमता देख सकता है। इसका मतलब यह है कि समय के साथ, भारत का आर्थिक विकास अनिवार्य रूप से जम्मू-कश्मीर को एकीकरण की ओर ले जाएगा।

क्या समय के पीछे कोई विशेष गणना है? बिल्कुल हां। पाकिस्तान के लिए पुलवामा जैसे बड़े पैमाने पर आतंकी हमलों को अंजाम देना लगभग असंभव होता जा रहा है।

हाल ही में कश्मीर के कुलगाम क्षेत्र में 6 आतंकवादियों की मौत यह दर्शती है कि श्री अमरनाथजी यात्रा जैसे बड़े लक्ष्यों को निशाना

बनाने के उनके प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं।

घाटी पर सुरक्षा बलों के प्रभुत्व ने बड़ी आतंकवादी कार्रवाइयों को समय पर बेअसर करना सुनिश्चित किया है। इस प्रकार पाकिस्तान को छोटे कृत्यों को अंजाम देने के लिए छोड़ दिया गया है। बेशक, ये आतंकवादी कार्रवाइयां केंद्र शासित प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों की राह में बाधाएं पैदा करने के लिए भी हैं।

हमले तेज क्यों किए जा रहे हैं? बार-बार की जाने वाली छोटी-छोटी घटनाओं का प्रभाव किसी बड़ी घटना के निकट होता है। किसी काफिले पर एक छोटा सा हमला, जिसमें कुछ लोग मारे गए, उरी या पुलवामा के बराबर नहीं है। हालांकि, किसी दिए गए भौगोलिक क्षेत्र में ऐसी घटनाओं की एक श्रृंखला एक सबूत है कि हिंसा की शुरूआत पर गहन अवस्था का प्रभावी नियंत्रण होता है। यह योजनाकारों को उनकी योजनाओं में ऊंचाई प्रदान करता है और उन्हें प्रोत्साहित करता है। इसके अलावा, इरादा निश्चित रूप से भारत को रक्षात्मक बनाना, सुरक्षा कर्त्तव्यों पर अधिक सैनिकों की तैनाती करना, सभी सुरक्षा बलों को थका देना और पाक की स्थायी प्रासंगिकता को प्रदर्शित करना है।

किस प्रकार कश्मीर की सुरक्षा जम्मू से बेहतर है ? कश्मीर पाकिस्तान का गुरुत्वाकर्षण केंद्र रहा है। आतंकी अभियान 1989 में शुरू हो गया और केवल कुछ वर्षों के लिए जम्मू संभाग के डोडा, ऊधमपुर, राजौरी और पुंछ बहुत सक्रिय हो गए। इस प्रकार, कश्मीर में लगभग स्थायी आतंकवाद-रोधी (सी.टी.) ग्रिड है, जिसे समय-समय पर सुदृढ़ किया जाता है। जम्मू संभाग की ग्रिड को पूर्वी कमान और उत्तरी कमान रिजर्व के गठन से मजबूत किया गया था, जो 2008-9 तक क्षेत्र के अपेक्षाकृत शांत हो जाने पर वापस चला गया। 2020 में नए सिरे से चीनी खतरे को देखते हुए एक हल्के डिवीजन के सैनिकों को रियासी से अलग कर दिया गया और लद्दाख में फिर से तैनात किया गया। यह क्षेत्र आतंकवादियों के लिए अधिक 'सुखद' माना जाता है। यहां घुसपैठ से राष्ट्रीय राजमार्ग जम्मू-पठानकोट तक पहुंच आसान हो जाती है। यह पीर पंजाल इलाकों में तेजी से पिघलने की अनुमति देता है जहां जंगल में छिपने के स्थान प्रचुर मात्रा में हैं।

हम इसके बारे में क्या करते हैं ? : हमने पहले भी ऐसी स्थितियों का सामना किया है। हम क्षेत्र के हर इंच की सुरक्षा के लिए सैनिक तैनात नहीं कर सकते। वह बेकार है। खासकर जम्मू संभाग के दूर- दराज इलाकों में सावधानी बरतनी होगी। नि:संदेह, मुखबिरों को तेज सक्रिय करना होगा। स्थानीय आबादी को साथ लेना होगा। ग्राम रक्षा समितियों को पुनर्जीवित करना होगा। पाकिस्तान और अलगाववादी विधानसभा चुनाव को आगे खिसकाना चाहते हैं। उनके इस मन्सूबे को विफल करने और मनोविकार को बेअसर करने के लिए पूरी दृढ़ता के साथ विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

(साभार 'टी.ओ.आई.')

कशिश क्लिनिक

वैवाहिक जीवन में फिर से आ सकती है खुशियां

वैधराज एम राजपूत
B.A.M.S. रजि. नं. 27528
आयुर्वेदाचार्य यौन रोग चिकित्सक
www.kashishclinic.com
www.kashishclinic.online

दूरियाँ हैं ?तो मिटेंगी

जर्मन लीनियर शॉकवेव थेरेपी व आयुर्वेदिक दवाइयों द्वारा

बिना किसी साईड ईफेक्ट | दर्द | सर्जरी

पुरूषत्व में कमी | अंग की विकृति | यौन समस्याओं का उपचार

स्वप्नदोष, शुक्राणु की कमी, दिमागी दुर्बलता, धातु विकार, शीघ्रपतन

शराबी को बिना बताये शराब छुडाए

19, दूसरी मंजिल, सिटी स्टेशन रोड़, सूरजपोल, उदयपुर (राज.)
0294-2425522, +919460277 035

धार : भोजशाला

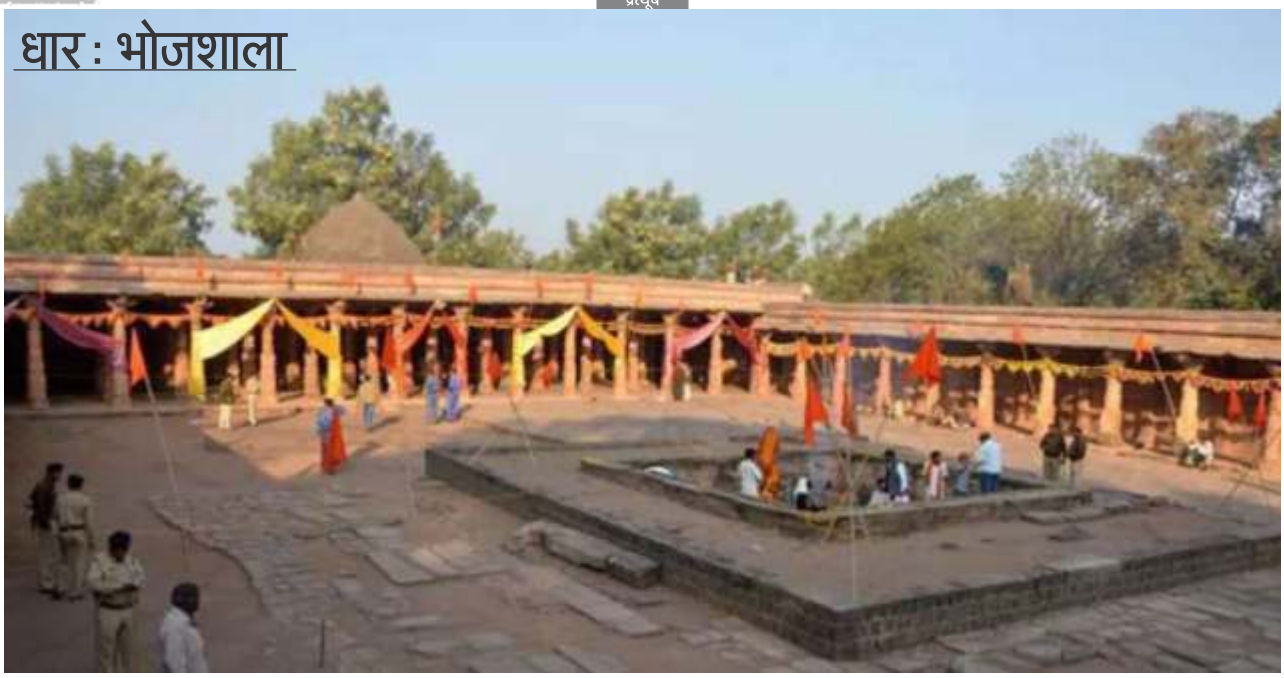

हिंदू-मुस्लिम के बाद जैन समाज का भी दावा

पीयूष शर्मा

भारत में धर्मस्थलों में जुड़े तथ्यों, रहस्यों की भरमार है और उनका यथोचित खुलासा सुखद और स्वागतयोग्य है। धर्मस्थलों से जुड़े तमाम जरूरी पहलूओं पर से परदा उठाना इसलिए भी जरूरी है, ताकि समय-समय पर बेवजह उत्पन्न विवादों का पटाक्षेप हो सके। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश स्थित भोजशाला का विवाद है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिवक्ता हिमांशु जोशी ने भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर की अपनी वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ को 15 जुलाई को सौंप दी। जिस पर हाईकोर्ट ने 22 जुलाई को अगली सुनवाई की। रिपोर्ट 2000 से अधिक पृष्ठों की है।

रिपोर्ट में एएसआई ने बताया कि भोजशाला मंदिर और कमल मौला मस्जिद का निर्माण मंदिरों के प्राचीन अवशेषों से किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया, स्थल पर मौजूदा मस्जिद सदियों बाद बनी। परिसर से मूर्तियां, प्राचीन सिक्के, शिलालेख भी मिले।

एएसआई ने करीब तीन महीने के सर्वेक्षण के बाद हाईकोर्ट को यह रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 94 मूर्तियां, 106 स्तंभ, 82 भित्तिचित्र, 31 प्राचीन सिक्के, 150 शिलालेख मिले। शिलालेखों में गणेश, ब्रह्मा और उनकी पत्नियां, नरसिंह और भैरव की छवियां मौजूद हैं। रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया गया है कि यह देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर हो सकता है, जैसा हिंदू पक्ष दावा करते आ रहे हैं।

आकृतियों से छेड़छाड़

रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा संरचना में अवशेषों के दोबारा इस्तेमाल के लिए उन पर उकेरी गई देवताओं और मनुष्यों की आकृतियों को विकृत कर दिया गया। कई मानव और पशु आकृतियां जिन्हें मस्जिदों में रखने की अनुमति नहीं है उन्हें काटकर निकाल दिया गया या विकृत किया गया। यह परिवर्तन संरचना के विभिन्न भागों पर स्पष्ट है। इनमें विभिन्न स्तंभ, भित्ति स्तंभ, खंभे, लिंटेल (बीम), प्रवेश द्वार शमिल हैं।

प्राचीन संरचना को बदला गया

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैज्ञानिक जांच, सर्वेक्षण और पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त अवशेषों के अध्ययन और विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मौजूदा संरचना पहले के मंदिरों के हिस्सों से बनाई गई थी। ये शिलालेख, मूर्तियां, अन्य अवशेष बताते हैं कि सरंचना को बदला गया।

हिंदू पक्ष का दावा

हिंदू समुदाय भोजशाला को वाग्देवी का मंदिर मानता है। दावा है कि यह परिसर 1034 में बना मंदिर था। 2003 में एक व्यवस्था के तहत प्रशासन ने हिंदूओं को मंगलवार को पूजा और मुसलमानों को शुक्रवार को नमाज अदा करने की अनुमति दी। 2022 में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने याचिका दायर कर पूरे अधिकार हिंदुओं को देने की मांग की।

मुस्लिम समुदाय का दावा

मुस्लिम समुदाय का दावा है कि मौला कमालुद्दीन चिश्ती ने किसी भी पूजा स्थल को ध्वस्त नहीं किया था। वे निजामुद्दीन ओलिया के शिष्य थे। 1291 में वे धार चले गए थे। उन्होंने यहां 40 वर्षों तक धर्मोपदेश दिया। उनका यह भी दावा है कि एएसआई ने 1902 में अपने अभिलेखों में कमाल मौला मस्जिद का उल्लेख किया था।

सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

सुप्रीम कोर्ट ने 15 जुलाई को ही भोजशाला के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के खिलाफ याचिका सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

वैसे पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट में क्या है, इसकी आधिकारिक सूचना अदालती सुनवाई में ही सामने आएगी, पर एक पक्ष का दावा है कि भोजशाला परिसर में बड़े पैमाने पर मूर्तियों के प्रमाण मिले हैं। प्रमाणों को सियासी मंचों पर नहीं, बल्कि अदालत में परखा जाना चाहिए। अदालती आदेश के अनुसार पिछले 21 वर्षों से हिंदू समाज को प्रति मंगलवार भोजशाला में पूजा व मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को नमाज अदा करने की अनुमति है। सभ्य संगठन, सभ्य तौर-तरीकों और लोकतांत्रिक उदारता के साथ भोजशाला विवाद को सुलझाया जाना चाहिए। संबद्ध पक्षों सहित सभी को इसमें सहयोग करना चाहिए। भोजशाला पर हिंदू और मुस्लिम समाज के बाद अब जैन समाज ने भी दावा किया है। जैन समाज ने 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर समाज को तीसरी पार्टी के रूप में शामिल करने की अपील की है। याचिका में कहा गया है सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जैन समाज का पक्ष भी सुने क्योंकि 1875 में खुदाई के दौरान भोजशाला से निकली और ब्रिटिश म्यूजियम में रखी मूर्ति जैन धर्म की देवी अंबिका की है, वाग्देवी (सरस्वती) की नहीं। भोजशाला में एएसआई के वैज्ञानिक सर्वे में भी बहुत सी मूर्तियां निकली हैं, वह भी जैन धर्म से संबंधित हैं।

हाईकोर्ट ने दिया था सर्वे का आदेश

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एएसआई को इसी वर्ष मार्च में भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वे करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद 22 मार्च से परिसर का सर्वेक्षण शुरु हुआ था।

1822 में भी सर्वे हुआ था

1822 में जॉन मैल्कम द्वारा एक सर्वेक्षण किया गया। सर्वे में भोजशाला का उल्लेख नहीं था। मैल्कम ने खंडहर को मस्जिद के रूप में वर्णित किया था। कहा जाता है कि इसके फर्श पर मैल्कम को एक हिंदू शिलालेख मिला था, जो दर्शाता है कि मस्जिद का निर्माण पहले से इस्तेमाल की गई सामग्री से किया गया था।

जैन समाज की याचिका

जैन समाज की याचिका के अनुसार राजा भोज कवियों को पसंद करते थे। वे सर्वधर्म प्रेमी थे। उनके दरबार में धनंजय जैन कवि थे। उनका नाम धनपाल भी था। कवि धनंजय जैन ने एक किताब संस्कृत में लिखी थी। उसके कुछ श्लोक राजा भोज को सुनाए थे। राजा भोज काफी प्रभावित हुए और कवि की प्रशंसा की। कवि ने राजा से कहा कि मैं तो कुछ भी नहीं हूं। मेरे गुरु आचार्य महंत मानतुंग है। मैं उनका शिष्य हूं। उन्हीं से मैंने सीखा है। तब राजा भोज को लगा कि ऐसे गुरु से मिलना चाहिए। उन्होंने सेवक भेज गुरु को बुलावा भेजा। आचार्य पहाड़ पर तपस्या कर रहे थे। उन्होंने जाने से मना कर दिया। इससे राजा भोज नाराज हो गए और उन्होंने आचार्य को बलपूर्वक खींचकर लाने के आदेश दिए। बाद में आचार्य को कारागार में डाल दिया। आचार्य ने भक्तामर स्त्रोत्र की रचना की। बाद में आचार्य से राजा भोज बहुत प्रभावित हुए। राजा भोज ने मालवा प्रांत में जैन धर्म के बहुत सारे मंदिर बनवाए। भोजशाला एक जैन गुरुकुल था। इसमें सभी धर्म के बच्चे पढ़ने आते थे। जैन धर्म की प्राकृत भाषा का संस्कृत में अनुवाद भी भोजशाला में होता था। यहां आदिनाथ भगवान का मंदिर भी था। यहां से नेमिनाथ भगवान की मूर्ति भी निकली है, जो 22वें तीर्थंकर हैं। भोजशाला में जैन धर्म से संबंधित कुछ चिह्न भी निकले हैं। जैसे कछुआ निकला है। हमारे जो 20वें तीर्थंकर है, उनका चिह्न कछुआ था। शंख भी मिला है। 22वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का चिह्न शंख था।

(याचिकाकर्ता: सलेक चन्द्र जैन)

लोकसभा में इस बार दो क्रिकेटर

दोनों वर्ल्ड चैंपियन, दोनों एक पार्टी से जीते

लोकसभा चुनाव 2024 क्रिकेटरों के लिए भाग्यशाली रहा। इसमें दो पूर्व क्रिकेटरों ने बंगाल से जीत दर्ज की। दिलचस्प यह है कि दोनों ही क्रिकेटर अपने-अपने समय में वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा रहे हैं और दोनों ही एक ही पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से चुनकर आए। ये दोनों हैं- कीर्ति आजाद और यूसुफ पठान। कीर्ति आज़ाद 1983 में कपिल देव की अगुआई में विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य हैं। उन्होंने वर्धमान-दुर्गापुर सीट भाजपा के दिग्गजनेता दिलीप घोष को 1,37,981 वोट से हरा कर जीती। गुजरात के यूसुफ पठान ने पांच बार के कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर में 59,351 वोटों से हराया। पठान 2007 और 2011 में विश्वकप जीतने वाली टीम के सदस्य रहे हैं। पहली बार राजनीति के पिच पर उतर कर उन्होंने धमाल कर दी।

राज्यपालों की सेहराबंधी में आरएसएस का दबदबा

महाराष्ट्र भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिभाऊ बागड़े राजस्थान के नए राज्यपाल

गुलाबचंद कटारिया

हरिभाऊ बागड़े

ओमप्रकाश माथुर

संतोष गंगवार

सी.पी. राधाकृष्णन

रमन डेका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 3.0 सरकार में 3 जुलाई को किए गए राज्यपाल और प्रशासक के पहले बदलाव और नियुक्तियों में भाजपा काडर, वरिष्ठता और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) को खासी अहमियत दी गई है। छह नए राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं, जबकि तीन के राज्यों में बदलाव किया गया है। मणिपुर में अपने बयानों से भाजपा और केन्द्र को असहज करने वाली अनुसुइया उइको हटाया गया है। वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश माथुर और संतोष गंगवार को क्रमश: सिक्किम और झारखण्ड का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। पंजाब के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे चुके बनवारीलाल पुरोहित के स्थान पर असम से गुलाबचंद कटारिया को पंजाब भेजा गया है। रमेश बैंस को महाराष्ट्र से हटाकर कोयम्बटूर (तमिलनाडु)से पूर्व सांसद सी.पी. राधाकृष्णन को राज्यपाल बनाया गया है। इस बदलाव में वरिष्ठ नेता और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश माथुर को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि गुलाबचंद कटारिया पंजाब के राज्यपाल के साथ चंडीगढ़ के प्रशासक बनाए गए हैं। ओमप्रकाश माथुर राजस्थान के पाली जिले से हैं। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष रहे माथुर प्रधानमंत्री के विश्वसनीय व निकट हैं। गुजरात में भाजपा के चुनाव प्रभारी भी रहे हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजे उम्मीद के अनुरुप नहीं आने के बाद भाजपा के भीतर अपने काडर की नाराजगी के सुर उठ रहे थे। आरएसएस की तरफ से भी उपेक्षा का मुद्दा उठा था। केन्द्र ने नियुक्तियों में अपने कॉडर और वरिष्ठता को महत्व दिया है, ताकि पार्टी की पकड़ बनी रहे और राजनीतिक दृष्टि से उसे संगठन स्तर पर भी मजबूती मिले। नई नियुक्तियों से यह साफ है, क्योंकि अधिकांश नए राज्यपाल वरिष्ठ नेता हैं और देश के विभिन्न हिस्सों और सामजिक समुदाय से आते हैं। नए राज्यपालों में महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता हरिभाऊ बागड़े को राजस्थान और पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं आठ बार के सांसद रहे संतोष गंगवार को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया है। गंगवार वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार में 2014 से 2021 तक मंत्री भी रहे। असम के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमन डेका छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल बनाए गए हैं। यूपी के मिर्जापुर से ताल्लुक रखने वाले लक्ष्मण आचार्य को सिक्किम से असम भेजा गया है। त्रिपुरा के पूर्व उपमुख्यमंत्री जिष्णुदेव वर्मा राज्य से राज्यपाल बनने वाले पहले राजनेता हैं। उनको तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है। कर्नाटक के पूर्व मंत्री सीएच विजय शंकर मेघालय के राज्यपाल होंगे।

इन्हें दोबारा मौका नहीं

केन्द्र सरकार ने जिन राज्यपालों को हटाया है, उनमें राजस्थान के कलराज मिश्र, छत्तीसगढ़ के विश्व भूषण हरिचंदन, महाराष्ट्र के रमेश बैंस, मणिपुर की अनुसुइया उइके, मेघालय के फागू चौहान शामिल हैं।

– ***रमेश गोस्वामी***

बागड़े का राजनीतिक सफर

महाराष्ट्र के वरिष्ठ भाजपा नेता हरिभाऊ किसनराव बागड़े (79) राजस्थान के 43वें राज्यपाल हैं। इनका जन्म महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के फुलंबरी कस्बे के एक मराठा परिवार में हुआ था। बागड़े अपने राजनीतिक सफर में पिछले 50 साल से सक्रिय हैं। ये लगातार 20 साल तक विधायक रहे। दो बार मंत्री और एक बार महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कुछ साल तक संगठन में काम करने के बाद वर्ष 1985 में औरंगाबाद पूर्व विधानसभा सीट से हरिभाऊ किसनराव बागड़े पहली बार विधायक निर्वाचित हुए थे। वर्ष 2014 में जब महाराष्ट्र में पहली बार भाजपा की सरकार बनी थी। तब बागड़े को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया था। 2014 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कल्याण काले को शिकस्त दी थी।

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

स्वाधीनता दिवस

के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JK TYRE & INDUSTRIES LTD.

SELECTED Superbrand INDIA 2009-10 CONSUMER VALIDATED

हृदय रोग और नई तकनीक

लगातार शोध का परिणाम है कि दिल की बीमारियों के उपचार की नई और आसान तकनीकें आती रही हैं। दिल की बीमारी खतरा तो है, लेकिन नई टेक्नोलॉजी के कारण इससे लड़ने के हथियार भी चिकित्सा क्षेत्र में भरपूर हैं। वर्ल्ड हार्ट डे (29 सितम्बर) पर प्रस्तुत है देश के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय कौल का आलेख।

कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) की समस्या तब होती है, जब हृदय तक रक्त, ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने वाली मुख्य रक्तवाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इसके बावजूद उम्मीद की किरण अभी बाकी है। इसकी पहचान और उपचार के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही लाइफ स्टाइल में बदलाव लाकर इसके गंभीर परिणामों से बचा जा सकता है।

आधुनिक उपचार

ऐसे मरीजों को जिन्हें हार्ट अटैक आने के बाद सर्जरी कराना जरूरी होता है, उनके लिए कोरोनरी एंजियोप्लास्टी या कोरोनरी आर्टरी बायपास ग्राफ्ट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। इस सर्जरी के जरिये हृदय तक रक्तसंचार को बेहतर बनाया जाता है। इसमें पारंपरिक सर्जरी के जरिये हृदय तक रक्तसंचार को बेहतर बनाया जाता है। इसमें पारंपरिक प्रकार की सर्जरी और आधुनिक की-होल सर्जरी का विकल्प है। आधुनिक सर्जरी में कम से कम चीरा लगाने की जरूरत नहीं होती और न ही मरीज को हार्ट-लंग मशीन पर रखा जाता है। पसली के पास 3-5 इंच का चीरा लगाया जाता है और कई बार छोटे-छोटे छेद बनाकर भी सर्जरी की जा सकती है। की होल सर्जरी में 1-2 इंच का चीरा लगाकर प्रक्रिया को पूरा किया जाता है। इस सर्जरी में पारम्परिक बायपास सर्जरी की तरह ही परिणाम मिलते हैं। लेकिन आधुनिक सर्जरी का लाभ यह होता है कि मरीज को अस्पताल से जल्दी छुट्टी मिल जाती है, वे जल्दी स्वस्थ हो जाते हैं, ब्लीडिंग कम होने से इंफेक्शन आदि का खतरा भी कम रहता है।

वर्ल्ड हार्ट डे की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी, ताकि लोगों को दिल की बीमारियों के प्रति सजग किया जा सके। हृदय रोगों से हर वर्ष 1 करोड़ 73 लाख से अधिक लोगों की जान जाती है।

दवाएं हैं कारगर

अब कई ऐसी उन्नत दवाएं उपलब्ध हैं, जो मरीज को हार्ट सर्जरी या कोरोनरी डिजीज से बचाव में काफी कारगर हैं। इसे लिए मरीज को में निर्देश के अनुसार दवाएं लेने की जररूत होती है। इनमें से कई दवाएं ऐसी होती हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित कर सकती हैं, इससे कई बार मरीज को सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती। ये दवाएं कोलेस्ट्रॉल को जमा नहीं होने देती और हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। अपने बीएमआई के बारे में पता करें। इससे सही मात्रा में वजन कम करने में मदद मिलेगी। बीएमआई की सामान्य रेंज 18.5 से 24.9 के बीच मानी जाती है। कमर वाले हिस्से को नापना सबसे जरूरी होता है, क्योंकि यह हृदय रोगों से जुड़े खतरों का संकेत देता है। यदि आपके हिप वाले हिस्से से अधिक चर्बी पेट और कमर के आसपास है, तो आपको हृदय रोगों और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा अधिक है। महिलाओं में 35 इंच से अधिक और पुरुषों में 40 इंच से अधिक कमर का आकार खतरे का संकेत होता है। यदि आप ओवरवेट हैं तो 3 से 5 प्रतिशत तक वजन कम करने से ही ट्राइग्लिसरॉइड, ब्लड ग्लूकोज का स्तर कम हो जाता है और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा भी।

वॉल्व सर्जरी का आधुनिक तरीका

वॉल्व रिप्लेसमेंट की पारंपरिक सर्जरी के स्थान पर अब आधुनिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इसमें क्षतिग्रस्त वॉल्व को हटाने की बजाय उसे रिपेयर किया जाता है। रिप्लेसमेंट वॉल्व को एऑर्टिक या महाधमनी वॉल्व वाले स्थान पर लगाया जाता है। इस सर्जरी को ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) या ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वॉल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) कहा जाता है। यदि वॉल्व को रिप्लेस करने की जरूरत पड़ती है तो केवल 1-2 इंच का ही चीरा लगाया जाता है। हर मरीज को ट्रांसकैथेटर सर्जरी करवाने की आवश्यकता नहीं होती। जिन मरीजों पर

ओपन हार्ट सर्जरी करवाना खतरनाक होता है, उसके लिए भविष्य में ट्रांसकैथेटर सर्जरी के विकल्प को बचाकर रखा जाता है। 70 या 80 वर्ष की उम्र वाले मरीजों को, जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती हैं। उनके लिए यह सर्जरी सबसे उचित मानी जाती है। इस सर्जरी में जनरल एनेस्थेसिया की जरूरत नहीं होती और मरीज को अस्पताल से दूसरे दिन ही छुट्टी दे दी जाती है। इस वजह से मरीज की रिकवरी जल्दी हो जाती है।

मेटाबॉलिक डिसऑर्डर

कोरोनरी आर्टरी डिजीज कुछ और नहीं बल्कि मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है। यदि इसके मरीज को बायपास सर्जरी करवाने की आवश्यकता पड़ती है तो उसके बाद भी सही देखभाल की जरूरत होती है। बायपास के दौरान मरीज की एक या दो ब्लॉक आर्टरीज का उपचार किया जाता है तो सर्जरी के बाद सही रूप में ख्याल न रखने पर अन्य स्वस्थ या कम प्रभावित आर्टरीज के ब्लॉक होने का खतरा भी बढ़ जाता है। आमतौर पर बायपास की गई आर्टरीज 4-5 वर्ष तक के लिए ही स्वस्थ रह पाती है, इसलिए डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं को सही रूप में लेते रहें।

(लेखक बी.एल.के. हार्ट सेंटर नई दिल्ली से संबद्ध रहे हैं)

विश्लेषण

बसपा ने गंवाया आधार वोट बैंक

लोकसभा चुनाव में सटीक रणनीति न होना, अंत समय तक उम्मीदवारों का बदलना और भाजपा की 'बी' टीम होने के आरोपों से बाहर न निकल पाने की वजह से बसपा चुनाव में हारने के साथ अपना दलित वोट बैंक भी गंवा बैठी। बसपा अंत समय तक रणनीति नहीं बना पाई कि उसे सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर आगे बढ़ना है या दलित, पिछड़े और मुस्लिमों को साथ लेकर चलना है। बसपा यह भी नहीं साफ कर पाई कि वह भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ रही है या कांग्रेस-सपा गठबंधन के खिलाफ...। यही वजह रही कि 2019 के चुनाव में 10 सीटें जीतने वाली बसपा 2024 के चुनाव में शून्य पर पहुंच गई और वोट प्रतिशत 19.43 से गिरकर 9.35 हो गया। देश में जहां गठबंधन का दौर चल रहा था, वहीं बसपा का अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ना आत्मघाती कदम के तौर पर देखा जा रहा था। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा के साथ बसपा ने गठबंधन करके 10 सीटें जीती थीं, लेकिन जब वह वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ी तो एक सीट पर सिमट गई और उसका वोट प्रतिशत 12.08 हो गया।

सीटें और मत प्रतिशत

वर्ष	पार्टी	सीटें जीती	मत प्रतिशत
2024	बसपा	00	9.27
2019	बसपा	10	19.43
2014	बसपा	00	19.77

Ravindra K. Chouhan,
Director

M. 9829644684

RVI
TOURS & TRAVELS

RVI TOURS & TRAVELS

We Connect Memories

2/62, RHB Colony, Shivam Colony, Hiran Magri,
Sec. 9, Udaipur - 313001 (Raj.)
E-mail: ravinder211100@gmail.com

प्रत्यूष

'विश्व को एक इकाई मान होना चाहिए शिक्षा का प्रबंध'

फिरदौस खान पठान

के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् के जन्म दिवस (5 सितंबर) को देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे कहते थे कि 'हम भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में रह रहे हैं, जिसे अपने विकास के लिए हर उस सक्षम नागरिक की ज़रूरत है, जो इस देश की सेवा बिना किसी व्यक्तिगत लोभ-लालच से कर सके। मैं यह जानता हूं कि यह कहना बहुत आसान है कि कर्म ही पुरस्कार है, मगर जो परिश्रम करते हैं, उन्हें इतना ज़रूर मिलना चाहिए कि वे जीवित रह सकें। उनका काम सन्तोषप्रद है, तो उन्हें आरामदेह जीवन मिलना ही चाहिए।'

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन भारत के प्रथम उप-राष्ट्रपति (1952-1962) और द्वितीय राष्ट्रपति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद् और महान दर्शनिक थे। उनका जन्म दक्षिण भारत के तिरुतनि (चेन्नई) में हुआ था। राजनीति में आने से पूर्व उन्होंने अपने जीवन के महत्वपूर्ण चालीस वर्ष शिक्षक के रूप में व्यतीत किए थे। उनमें एक आदर्श शिक्षक के सारे गुण मौजूद थे। उन्होंने अपना जन्मदिन अपने व्यक्तिगत नाम से नहीं, बल्कि संपूर्ण शिक्षक बिरादरी को सम्मानित किए जाने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा व्यक्त की थी। उनकी मान्यता थी कि शिक्षा से ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जाना संभव है। इसलिए समस्त विश्व को एक इकाई समझ कर ही शिक्षा का प्रबंधन किया जाना चाहिए। मात्र जानकारियां देना शिक्षा नहीं है। जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होता और शिक्षा को एक मिशन नहीं मानता तब तक अच्छी शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। 1928 में उनकी मुलाकात पंडित जवाहरलाल नेहरू से उस समय हुई, जब वे कांग्रेस पार्टी के वार्षिक अधिवेशन में सम्मिलित होने कलकत्ता आए थे। यद्यपि सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय शैक्षिक सेवा के सदस्य होने के कारण किसी भी राजनीतिक संभाषण में हिस्सेदारी नहीं कर सकते थे, तथापि उन्होंने इस वर्जना की कोई परवाह नहीं की और भाषण दिया।

भारत रत्न

हालांकि उन्हें 1933 में ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा 'सर' की उपाधि प्रदान की गई थी, लेकिन आजादी के बाद उसका औचित्य राधाकृष्णन के लिए समाप्त हो चुका था। जब वे उपराष्ट्रपति बन गए तो स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने 1954 में उन्हें उनकी महान दार्शनिक और शैक्षिक उपलब्धियों के लिए देश का सर्वोच्च अलंकरण भारत रत्न प्रदान किया।

राजनीतिक जीवन

सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन को भारत के स्वतंत्रत होने के बाद संविधान निर्मात्री सभा का सदस्य बनाया गया। वे 1947 से 1949 तक इसके सदस्य रहे। इसी समय वे कई विश्वविद्यालयों के चेयरमैन भी नियुक्त किए गए। जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि राधाकृष्णन के संभाषण और वक्तृत्व प्रतिभा का उपयोग 14-15 अगस्त, 1947 की रात को उस समय किया जाए, जब संविधान सभा का ऐतिहासिक सत्र आयोजित हो। राधाकृष्णन से यह कहा गया कि वे अपना संबोधन रात के ठीक बारह बजे समाप्त करें, क्योंकि उसके बाद ही नेहरू के नेतृत्व में संवैधानिक संसद द्वारा शपथ ली जानी थी। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने ऐसा ही किया और ठीक बारह बजे अपने संबोधन को विराम दिया। आजादी के बाद उनसे आग्रह किया गया कि वह मातृभूमि की सेवा के लिए विशिष्ट राजदूत के रूप में सोवियत संघ के साथ राजनयिक कार्यों की पूर्ति करें। इस प्रकार विजयलक्ष्मी पंडित का उन्हें नया उत्तराधिकारी चुना गया।

सोवियत संघ से आने के बाद डॉक्टर राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति निर्वाचित किए गए। संविधान के अंतर्गत उपराष्ट्रपति का नया पद सृजित किया गया था। उपराष्ट्रपति के रूप में एक गैर-राजनीतिज्ञ व्यक्ति ने सभी राजनीतिज्ञों को प्रभावित किया। संसद के सभी सदस्यों ने उन्हें उनके कार्य व्यवहार के लिए काफी सराहा। उनकी सदाशयता, दृढ़ता और विनोदी स्वभाव को लोग आज भी याद करते हैं।

शैक्षिक सफर

- सन 1931 से 1936 तक आंध्र विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर रहे।
- ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय में 1936 से 1952 तक प्राध्यापक रहे।
- कलकत्ता विश्वविद्यालय के जॉर्ज पंचम कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में 1937 से 1941 तक कार्य किया।
- 1953 से 1962 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के चांसलर रहे।
- 1946 में यूनेस्को में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.

(Retail Revolution)

शुद्धता | विश्वसनीयता | गुणवत्ता

उदयपुर भण्डार को सहकारी क्षेत्र में उत्तरी भारत का सर्वश्रेष्ठ भण्डार का गौरव प्राप्त है

सुपरमार्केट की नियमित स्कीम

1 किलो शक्कर आधी कीमत पर **Rs. 1500** की खरीद पर

या

1 किलो शक्कर मुफ्त **Rs. 2500** की खरीद पर

या

1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त **Rs. 3500** की खरीद पर

या 1 लीटर खाद्य तेल मुफ्त **Rs. 5000** की खरीद पर

समस्त उत्पाद (M.R.P.) से कम दरों पर, 5 प्रतिशत की छूट

समस्त नहाने के साबुन/कपड़े धोने के साबुन/समस्त डिसवॉश बार/बिस्किट पर

www.thokbhandar.com वेबसाइट पर ऑनलाईन शॉपिंग सुविधा उपलब्ध है।

राज्य सरकार द्वारा हिस्सा राशि 500 रू. करने से जिन सदस्यों की हिस्सा राशि 100 रू. जमा है वे 400 रू. और जमा कर हिस्सा राशि पूर्ण करें। (शर्तें लागू)

प्रेमप्रकाश माण्डोत
प्रशासक

राजकुमार खांडिया
महाप्रबंधक

प्रत्यूष

भाजपा में अध्यक्ष के नए चेहरे की तलाश

अमित शर्मा

केन्द्र में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी सरकार के गठन के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश शुरू हो गई है। नई सरकार में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद अध्यक्ष की कुर्सी कौन संभालेगा, इसे लेकर भाजपा में अटकलें जारी हैं। इन नामों में सबसे आगे जिन नेताओं का नाम इस कुर्सी के लिए संभावित बताया जा रहा है, उनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े और सुनील बंसल शामिल हैं। कई चेहरे मंत्रिमंडल में जाने की वजह से खुद ही इस दौड़ से बाहर हो गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए शुरुआत से ही धर्मेन्द्र प्रधान, मनोहरलाल खट्टर और देवेन्द्र फडणवीस का नाम भी बताया जा रहा था, लेकिन इस समय जिन नामों को लेकर सबसे अधिक चर्चा है, उनमें महाराष्ट्र के नेता विनोद तावड़े और सुनील बंसल का नाम शामिल है। तावड़े भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और मुंबई इकाई के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे अखिल भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के भी सदस्य हैं। वे लोकसभा चुनाव के लिए 12वीं और 13वीं समन्वय समिति के भी प्रमुख सदस्य रहे हैं। उन्होंने वर्ष 1980 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी और 2004 के चुनाव में तावड़े की अहम भूमिका रही है। उन्होंने बिहार में भाजपा गठबंधन को पटरी पर लाने और दूसरे पार्टी के नेताओं को भाजपा में लाने की भूमिका अदा की है।

वहीं दूसरी ओर सुनील बंसल भी पार्टी के सबसे सक्रिय नेताओं की सूची में शुमार हैं। उनके पास पार्टी के महासचिव की जिम्मेदारी है और पार्टी नेताओं के बीच उनका नाम अध्यक्ष पद के लिए सबसे चर्चित है। पार्टी ने इस बार दक्षिण के गढ़ में जगह बनाने में कामयाबी हासिल की है और इसमें बंसल का अहम योगदान है। उनके पास पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना का प्रभार रहा है और इस चुनाव में दक्षिण के राज्यों में भाजपा का मतदान भी बढ़ा है। बंसल उत्तर प्रदेश में भी बतौर महासचिव (संगठन) की भूमिका में रह चुके हैं।

सुनील बंसल

विनोद तावड़े

प्रक्रिया का प्रस्तावित कार्यक्रम

नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए 15 सितम्बर तक सदस्यता अभियान, इसके बाद 16 से 30 सितम्बर तक सक्रिय सदस्यता अभियान, एक अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता का सत्यापन किया जाएगा। एक नवम्बर से 15 नवम्बर तक मंडल अध्यक्षों का चुनाव और इसके बाद 16 से 30 नवम्बर तक जिला अध्यक्षों का चुनाव होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल के लिए होता है और किसी भी अध्यक्ष को केवल दो ही कार्यकाल दिए जा सकते हैं। नड्डा का कार्यकाल पहले ही खत्म हो गया था। उनका कार्यकाल जून 2024 तक के लिए चुनावों की वजह से बढ़ाया गया था। जेपी नड्डा वर्ष 2012 में राज्यसभा के सांसद बने थे। वर्ष 2014 में जब अमित शाह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाला था, तो

नड्डा को पार्टी के संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया था। वर्ष 2019 में जब अमित शाह गृहमंत्री बने तो नड्डा को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद 2020 में उन्हें पूर्णकालिक अध्यक्ष बना दिया गया था। इससे पूर्व अमित शाह ने बतौर अध्यक्ष अपने दो कार्यकाल पूर्ण किए थे। इसी प्रकार दो कार्यकाल पूर्ण करने वाले नेताओं में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और राजनाथ सिंह का नाम भी शामिल है।

नए अध्यक्ष के लिए संभवत: दिसम्बर तक इंतजार करना होगा। नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरु करने के लिए जरूरी सदस्यता अभियान अगस्त से शुरु हो चुका है। ऐसे में करीब दो महीने बाद होने वाले तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी सरकार में अहम जिम्मेदारी संभाल रहे जेपी नड्डा के पास ही संगठन की भी कमान रहेगी।

दरअसल नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए भाजपा के संविधान में कई अहम प्रावधान हैं। इन प्रावधानों को अमल में लाए बिना नए अध्यक्ष का चुनाव संभव नहीं है। नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए सबसे पहले सदस्यता अभियान, इसके बाद सक्रिय सदस्यता अभियान, उसका सत्यापन और प्रत्येक नौ साल में सदस्यता का नवीकरण अनिवार्य है।

Happy Independence Day

Deepak Bordia
Chartered Engineer, M.I.E., F.I.V.
Approved Valuer

BORDIA & ASSOCIATES

ARCHITECTURAL DESIGNER,
PLANNER & BUILDER EXECUTE
ALL KIND OF CIVIL ENGINEERING WORKS

211, Shubham Complex 11-A New Fatehpura, Near Sukhadia Circle,
Udaipur - 313 001 (Raj.) e-mail: deepakbordia@yahoo.com
Mob.: 94141-65465, Ph.: 2419465 (O), 2524202 (R)

श्राद्ध : श्रद्धा से पूर्वजों का स्मरण

वैदिक दर्शन मरणोपरांत के जीवन और पूर्व जन्म की अवधारणा के साथ विकसित हुआ है और वह किसी योनि को भी प्राप्त कर सकता है। अतः पितृपक्ष के 16 दिन में न केवल पूर्वज अपितु निराश्रितों, मित्रों तथा ब्रह्म से लेकर समस्त जीवों व योनिधारियों को जलदान – अन्नदान का विधान है, जिसे कर्मकांड की तकनीकी भाषा में तर्पण कहा गया है।

स्वामी चक्रपाणि

'श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्' अर्थात श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए, उसे श्राद्ध कहते हैं। भारतीय परम्परा में अपने पूर्वजों को नमन करना, उनके प्रति कृतज्ञ भाव रखना, साथ ही अगली पीढ़ी को अपने पूर्वजों से परिचित कराने को श्राद्ध कहा गया है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष के पंद्रह दिन पितृपक्ष के हैं। इन पंद्रह दिनों में परिवार का वातावरण अत्यंत सादा और सात्विक होता है। कोई नया कार्य आरम्भ नहीं किया जाता। अपने स्वर्गीय पूर्वजों का स्मरण कर सभी प्राणियों को दान दिया जाता है। साथ ही किसी प्रकार का मांगलिक उत्सव नहीं मनाया जाता। भाद्र शुक्ल पूर्णिमा से आश्विन मास का कृष्ण पक्ष पूर्णतः श्रद्धेय पितरों को समर्पित होता है। इसका उद्देश्य भावी पीढ़ी को परिवार की श्रृंखला से भावनात्मक आधार पर जोड़ना भी है। साथ ही पितरों के आदर्शों और उनके नैतिक बल से प्रेरणा ग्रहण कर जीवन संघर्ष में उपलब्धियां प्राप्त करना है। पितृपक्ष के पंद्रह दिनों में अपने पूर्वजों का श्राद्ध उनकी मृत्यु तिथि पर किया जाता है। जिनका देहांत पूर्णिमा को होता है, उनका श्राद्ध भाद्रपद की पूर्णिमा के दिन ही करने का प्रावधान है। इसी दिन से महालय का प्रारम्भ माना जाता है। प्राचीन भारतीय परम्परा के अनुसार प्रत्येक माह की अमावस्या को पितरों का स्मरण कर श्राद्ध करना चाहिए। कुछ स्मृतियों में इस बात का भी उल्लेख है कि श्राद्ध प्रतिदिन हो। अपने पितरों का स्मरण कर गाय, कुत्ता और पक्षियों को भोजन पदार्थ देना अनिवार्य है। इससे परिवार पितृदोष से मुक्त रहता है। संतानें योग्य और आज्ञाकारी बनती हैं। गया तीर्थ और सिद्धपुर नामक स्थानों पर भी श्राद्ध करने की व्यवस्था है। कुछ लोगों का मानना है कि इन तीर्थस्थलों पर श्राद्ध करने के बाद फिर किसी प्रकार के श्राद्ध की आवश्यकता नहीं होती। यह धारणा दोषपूर्ण है। श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य

श्राद्ध की विधि

श्राद्ध करने वालों को पितृपक्ष में अत्यंत सादा और पवित्र जीवन जीना चाहिए। प्रतिदिन स्नानादि से निवृत्त होकर अपने पितरों का स्मरण–तर्पण करना चाहिए। किसी भी भोग–विलास की वस्तु या पदार्थ का प्रयोग नहीं करना चाहिए। यदि श्राद्ध के समय पुत्री का पुत्र भी उपस्थित हो और दोपहर का समय हो तो वह अधिक पवित्र माना जाता है। क्रोध, पलायन और अतिशीघ्रता ये तीन दोष हैं, जो श्राद्ध के समय नहीं करने चाहिए। श्राद्ध के लिए भोजन घर पर बनाया गया हो और दान सामग्री श्राद्ध करने वाले की रुचि की होनी चाहिए। बाहर से आई भोजन सामग्री का दान निष्फल होता है।

अपने पूर्वजों को निरंतर याद रखना और समय-समय पर कृतज्ञता स्वरूप दान करना है। यह श्रृंखला खंडित नहीं होनी चाहिए।

पंच बलि विधि

श्राद्ध पक्ष में पूर्वजों का स्मरण कर प्रत्येक प्राणिमात्र के प्रति श्रद्धा प्रकट की जाती है। इस जग में कोई भी हमसे अलग नहीं है। सब हमारे लिए हितकारी हों और हम सबके लिए कल्याण का हेतु बनें, मन में यह भाव रखते हुए पंच बलि दी जाती है। एक बड़े थाल में पांच पत्ते रखे जाते हैं और उन पत्तों पर श्राद्ध के निमित्त बनी भोजन सामग्री के अंश परोसे जाते हैं। इसके बाद हाथ में जल लेकर अक्षत, पुष्प आदि के साथ संकल्प लिया जाता है, जो इस प्रकार है- 'मैं अमुक पुत्र अमुक अपने अपने माता/पिता की आत्मा के लिए तथा उनके उत्तम गुण ग्रहण करने के लिए शुद्ध मन और तन से पंचबलि अर्पित करता हूं। मेरे पितरों का आत्मिक संरक्षण सदा मेरे साथ रहे।' इस संकल्प के साथ सबसे पहले गोबलि दी जाती है। एक पत्ते में भोजन सामग्री रख कर तीन बार 'गोभ्यो नमः' का जाप किया जाता है, फिर वह भोजन सामग्री गाय को खिला दी जाती है। भोजन सामग्री देकर गाय पर स्नेह से हाथ अवश्य फेरें। इसके बाद कुत्ते के लिए श्वान बलि, कौओं के लिए काक बलि, विभिन्न देवी-देवताओं के लिए देवादि बलि और अंत में पिपीलिकादि बलि दी जाती है, जो चींटियों के लिए होती है। जब पंचबलि पूर्ण हो जाती है तो किसी पवित्र और विद्वान ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है। शाम के समय किसी निर्धन को भोजन देना चाहिए, वस्त्र दान का भी बहुत महत्व है। ब्राह्मण को भोजन कराने के बाद पूरे परिवार के साथ बैठ कर पितरों और ईश्वर का स्मरण कर उनके आशीष की कामना करते हुए भोजन ग्रहण करें। पितृपक्ष में अपनी सन्तानों को अपने पूर्वजों के उत्तम गुणों से अवश्य अवगत कराएं तथा उन्हें प्रेरित करें कि वे सात्विक आदर्शों, परिश्रम, मर्यादाओं और धर्म के अनुकूल आचरण करें। यदि पितृपक्ष में श्राद्ध नियमानुसार और श्रद्धा के साथ किया जाता है तो परिवार की उन्नति होती है और सन्तानें योग्य बनती हैं।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

Happy Independence Day

Aashirwad Minerals & Marbles

Mfg. of Soap Stone Powder (Talc Powder), Calcium Carbonate Powder
China Clay Powder, Silica Powder & Dolomite Powder

Office :
E-93, Pratap Nagar,
Udaipur - 313001 (Raj.) INDIA

Factory :
Jyoti Mineral Industries
Plot No. G-1-80, IID Centre
RIICO Ind. Area, Kaladwas, Udaipur (Raj.)

Telefax : 0294-2490194 | E-mail : ashirwadtalc@yahoo.com | www.ashirwadminerals.com

विष्णु की नींद

देवदत्त पाठक

वर्षा ऋतु के दौरान विश्व के संरक्षक विष्णु निंदा मग्न रहते हैं। चार महीनों की इस अवधि को चातुर्मास कहते हैं। आख्यानों के अनुसार चातुर्मास में पृथ्वी पानी में डूब जाती है। लेकिन यह वार्षिक प्रलय विश्व को फिर से तरोताजा बना देता है। प्रचीन काल में ऋषि हर वर्ष को दो भागों में बांटते थे। जनवरी से लेकर जून के पूर्वार्द्ध में सूर्य ध्रुवतारा की ओर बढ़ता है। यह यात्रा सूर्य के मकर राशि में प्रवेश से शुरू होती है। मकर वात्सल्य और ऊर्जा का प्रतीक है। इसलिए वसंत और ग्रीष्म ऋतु के इस काल में दिन गरम और उज्जवल होते जाते हैं। जुलाई से लेकर दिसंबर के उत्तरार्ध में सूर्य दक्षिण की ओर गमन करता है। इस यात्रा का प्रारंभ सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश से होता है। इस अवधि में उजाला घटते जाता है, जिससे दिन छोटे व ठंडे होते जाते हैं। इस काल में विष्णु सो जाते हैं और आकाश में काले बादल छा जाते हैं। विष्णु जब सोते हैं, तब धरती के नीचे स्थित दैत्यों के गुरु शुक्र जादुई संजीवनी जड़ी-बूटी कूटते हैं। कहते हैं कि इससे धरती का उपजाऊपन लौट आता है। धरती में बोए बीज उग आते हैं जिससे चारों ओर हरियाली फैलती है। कामदेव चंद्र पर हावी हो जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि कामसूत्र इसी समय लिखा गया था। भगवान विष्णु आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की एकादशी से लेकर कार्तिक के शुक्ल पक्ष की एकादशी तक सोते हैं। इस काल में सफ़र करना भी वर्जित होता है। साधारणत: ऋषियों और मुनियों को एक दिन से अधिक किसी जगह रुकना वर्जित होता था। लेकिन सफ़र पर पाबंदी लगी होने के कारण चार महीनों तक वे एक जगह पर रुक जाते। ये चार महीने कई तरह के त्यौहारों और पूजाओं से भरे हाते हैं। यह शायद इसलिए कि घर बैठे लोगों के पास बहुत समय होता था इसलिए भी कि वे इन पूजाओं के जरिए पर्याप्त वर्षा की कामना करते थे। आषाढ़ महीने में गुरु पूर्णिमा पहला त्यौहार है। इसके दो सप्ताह बाद श्रावण शुरू होता है। श्रावण में लोग उपवास रखते हैं और मदिरा, मांसाहार तथा मसालेदार भोजन का सेवन कम से कम करते हैं। श्रावण के शुक्ल पक्ष में नागपंचमी के दिन नागों की पूजा की जाती है और कृष्ण पक्ष में जन्माष्टमी के दिन श्रीकृष्ण का जन्मदिवस मनाया जाता है। इनके बीच की पूर्णिमा के दिन रक्षाबंधन पड़ता है। तब तक बारिश कम हो जाती है और समुद्र भी मछलियों से परिपूर्ण हो जाता है। इसलिए अपना आभार व्यक्त करने के लिए मछुआरे समुद्र में नारियल फेंकते हैं। इस दिन को नारळी पूर्णिमा कहते हैं। इसके बाद भाद्रपद महीने में गणेशजी हमारे जीवन में पधारते हैं। साथ में उनकी मां गौरी भी आती हैं, हरी साड़ी पहनी हुई, चारों ओर की हरियाली का प्रतीक। दस दिन के पूजन के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति का विसर्जन होता है। विसर्जन इस बात का प्रतीक है कि विश्व में सबकुछ नश्वर है और आना-जाना लगा रहता है। गणेश के जाने के बाद पितृ जागते हैं और लोग उन्हें पूजते हैं। पितृ यह आश्वासन चाहते हैं कि उनका पुनर्जन्म होगा। श्राद्ध का रिवाज़ उन्हें यह आश्वासन देता है कि उस हेतु से उनके वंशज बच्चों को जन्म दे रहे हैं। फिर फ़ासलों की कटाई का समय आ जाता है। धरती के नीचे से ऊपर उठे दैत्यों को 'मारने' की इस क्रिया से मनुष्यों को अन्न मिलता है। चतुर्मास का आख़िरी महीना असुरों के वध को त्यौहार के रूप में मनाने से भरा है। लगातार नौ रात लड़ने के बाद दुर्गा महिषासुर का वध करती हैं। उसी समय राम रावण का वध करते हैं। इन वधों के बाद विजयादशमी मनाई जाती है। विजयादशमी के बाद शरद पूर्णिमा या कोजागिरी पूर्णिमा के दिन देवी अपने कोमल रूप में राधा बनकर कृष्ण के साथ नृत्य करती हैं। इसके दो सप्ताह बाद कृष्ण नरका का वध करते हैं और वामन, बलि को धरती के नीचे कुचलते हैं। यह दिवाली के दिनों में होता है। दैत्यों का वध धन-धान्य संपत्ति लाता है। इसलिए देवी के लक्ष्मी रूप को पुजा जाता है। लक्ष्मी के आने के कुछ दिन बाद कार्तिक महीने के 11वें दिन विष्णु जाग जाते हैं। गन्ना या शालिग्राम पत्थर का रूप लेकर वे लक्ष्मी से विवाह करते हैं, जो स्वयं तुलसी का रूप लेती हैं। विष्णु का विवाह उनकी नींद की समाप्ति का प्रतीक है। इस दिन के बाद विवाह के मुहुर्त शुरू हो जाते हैं।

काठमांडू से 4 किलोमीटर दूर 'बूढ़ा नीलकंठ मंदिर' में शयन मुद्रा में भगवान विष्णु की प्रतिमा। नेपाल में विष्णुजी की सबसे बड़ी इस प्रतिमा का अधिकांश हिस्सा पूरे साल जलमग्न रहता है।

लोकमान्यताओं की अनंतता का उत्सव

आर.सी. शर्मा

द्यूत क्रीड़ा में अपना राजपाट और द्रोपदी को हारने के बाद वनवास जाते समय पांडव इतना लज्जित थे कि वनगमन के समय भगवान श्रीकृष्ण से मिल भी न सके। श्रीकृष्ण भी पांडवों के इस कर्म से व्यथित थे, इसलिए वे भी कई दिनों तक पांडवों से खिन्न रहे। लम्बा समय गुजरने पर एक दिन श्रीकृष्ण का मन उनसे मिलने को हुआ। वे पांडवों से मिलने पहुंचे।

भगवान श्रीकृष्ण को देख पांडव बहुत खुश हुए। उन्होंने उनका खूब आदर सम्मान किया। कृष्ण के वापस जाते समय युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण से कहा, मधुसूदन हमें इस पीड़ा से निकलने और दोबारा अपना राज्य पुन: हासिल करने का कोई उपाय सुझाएं। युधिष्ठिर की बात सुनकर श्रीकृष्ण ने कहा, भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की अनंत चतुर्दशी को भगवान अनंत का व्रत रखें और उनकी पूजा करें तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। श्रीकृष्ण के इस सुझाव पर युधिष्ठिर ने कहा, योगेश्वर अनंत भगवान कौन हैं ? तो श्रीकृष्ण ने बताया अनंत भगवान विष्णु के ही एक रूप हैं। चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु शेषनाग की शैय्या पर अनंत शयन में रहते हैं इसलिए उन्हें अनंत भगवान कहते हैं। अनंत भगवान ने ही वामन अवतार में सिर्फ दो पगों में धरती और आकाश को नाप लिया था और तीसरे पग के लिए कोई जगह नहीं बची थी। श्रीकृष्ण के सुझाव के मुताबिक युधिष्ठिर सपरिवार भगवान अनंत की पूजा-अर्चना और व्रत करने लगे। जिससे महाभारत युद्ध विजय के बाद हस्तिनापुर का राजपाट फिर से वापस मिल सका।

17 सितंबर
अनंत चतुर्दशी
विशेष

अनंत चतुर्दशी व्रत को हिंदू सनातन धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस व्रत को अनंत चौदस या अनंत भी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है तथा पूजा के पश्चात सीधे हाथ की भुजा में एक रक्षासूत्र बांधा जाता है, जिसे अनंता या अनंत रक्षासूत्र कहते हैं। यह रक्षासूत्र कच्चे धागों से बना चौदह गांठ वाला कोई मामूली सूत्र नहीं बल्कि यह हर तरह की मुसीबतों से बचाने वाला रक्षाकवच होता है। इस दिन जो इसे बांधता है, उसकी रक्षा स्वयं शेषशायी भगवान विष्णु करते हैं। मगर यह पूरे विधि विधान के साथ, पूजा अर्चना के साथ ही बांधा जाना चाहिए। यह रक्षासूत्र पुरुष और स्त्री में से कोई भी बांध सकता है।

कपास या रेशम के बने चौदह गांठ वाले इस रक्षासूत्र के साथ बंधी कुछ अहम मान्यताएं हैं। उनमें से एक यह है कि भगवान विष्णु ने सृष्टि के आरंभ में 14 लोकों का निर्माण किया, इनमें शामिल हैं- तल, अतल, वितल, सुतल, तलातल, रसातल, पाताल, भू, भुवः, स्वः, जन, तत्व, सत्य और मह। इन लोकों की रचना के बाद उनकी रक्षा करने और इनमें सुचारू जीवन के लिए भगवान विष्णु चौदह रूपों में प्रकट हुए। इतने रूपों में प्रकट होने के कारण उनका प्रभाव विस्तार अनंत हो गया, इसलिए भी उन्हें अनंत भगवान कहते हैं।

अनंत चतुर्दशी का व्रत रखने वालों से भगवान विष्णु बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। इसलिए देश के ज्यादातर हिस्सों में थोड़े बहुत बदलाव के साथ अनंत चतुर्दशी का व्रत पूरे उल्लास के साथ सभी लोग रखते हैं। मान्यता के मुताबिक इस दिन व्रत रखने पर धन, धान्य, सुख संपदा और संतान का लाभ मिलता है। चौदह दिनों तक हाथ में इस रक्षासूत्र को बांध कर रखना चाहिए। जबकि पंद्रहवें दिन इसे कलाई से निकाल देना चाहिए। निकालने के बाद इसे किसी नदी, सरोवर अथवा स्वच्छ और बहते हुए जल में विसर्जित कर देना चाहिए। अगर प्रवाहित जल और कोई पवित्र नदी आसपास न हो तो आम, पीपल, वट, नीम या इमली के पेड़ के नीचे इसे मिट्टी में दबा देना चाहिए।

विजय की इच्छा रखने वाले शूरवीर अपने बल और पराक्रम से वैसी विजय नहीं पाते, जैसी कि सत्य, सज्जनता, धर्म तथा उत्साह से प्राप्त कर लेते हैं।
वेदव्यास (महाभारत)

डॉ. अरविंदर का तीसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी व ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी हुए सम्मानित

अर्थ ग्रुप उदयपुर के सीईओ डॉ. अरविंदर सिंह (53) ने तीसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर आश्चर्य चकित कर दिया है। अनेक डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट हासिल कर उन्होंने अपना नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में तीसरी बार दर्ज करवाया। इसके लिए राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गत दिनों जयपुर में इन्हें सम्मानित किया। डॉ. अरविंदर के पास उनकी उम्र से तीन गुना अधिक डिग्रीज, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट हैं। इन्होंने 168 डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट वर्ष 1989 से 2024 के बीच अथक अध्ययन और अनुभव से अर्जित किए हैं। वे पहले ऐसे डॉक्टर हैं, जिनको मेडिकल साइंस के अलावा मैनेजमेंट, कानून विशेषज्ञ, कॉस्मेटोलॉजी, कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग में भी निपुणता हासिल है। 168 डिग्री, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट 94 एकेडमिक और 74 नॉन एकेडमिक विषयों से संबंधित हैं।

पिछले दिनों ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, लंदन और ब्रिटिश पार्लियामेंट में उन्हें चिकित्सा तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया था। अभी हाल ही में बिजनेस कॉन्क्लेव सिंगापुर में ग्लोबल माइंड तथा भारत में बेस्ट ऑफ 100 इंडियंस की उपाधि भी दी गई। डॉ. अरविंदर चिकित्सा विशेषज्ञता, चिकित्सा कानून और व्यावसायिक कौशल का एक अनूठा मिश्रण हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड, यूके, अमेरिकन एसोसिएशन, स्वीडन, कनाडा, इजराइल आदि देशों से विभिन्न विषयों में महारत हासिल की है।

सीखने की ललक ने बनाए रिकॉर्ड

सीखना एक जीवनपर्यंत प्रक्रिया है और मैं किसी भी विषय पर जब ज्ञान अर्जित करने की सोचता हूं तो उससे संबंधित इंस्टीट्यूट के जरिए ही सीखता हूं, ताकि उस विषय के बारे में सही और सटीक नॉलेज मिल सके। हर चीज जानने-सीखने की ललक और सही प्लेटफॉर्म ने ही मुझे वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने में मदद की है। मेरी डिग्री, डिप्लोमा में विषय संबंधित काफी विविधता है। शिक्षा के क्षेत्र में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने में काफी खुशी मिलती है।

डॉ. अरविंदर सिंह

2022 में बना पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड

डॉ. अरविंदर सिंह ने 2022 में सर्वाधिक 123 डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट हासिल का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था, इसके बाद उन्होंने 2023 में शिक्षा से बिलकुल अलग रोमांचकारी विश्व रिकॉर्ड बनाकर सबको चौंका दिया था। 80 प्रतिशत शारीरिक विकलांगता के बावजूद जुलाई 2023 में विपरीत मौसम के बीच लेह-लद्दाख के खतरनाक खरदूंगला दर्रा को क्वाड बाइक से पार कर दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। अब 2024 में अपने सर्वाधिक डिग्री के पहले वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़कर डॉ. अरविंदर ने 168 डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ तीसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। डॉ. अरविंदर ने 2009 में आईआईएम टॉप करने वाले भारत के प्रथम एवं एकमात्र डॉक्टर होने का गौरव प्राप्त किया था। 2008 में स्कॉटलैंड से 90 लाख रुपए पैकेज का जॉब ऑफर छोड़कर भारत में काम करने का फैसला लिया और नॉलेज के दम पर आगे बढ़ते चले गए। वर्ष 2002 में इनोवेटिव आइडिया कैटेगरी में इन्हें देश के टॉप टेन बिजनेस इंटरप्रेन्योर का खिताब भी मिला था। डॉक्टर सिंह ने शिक्षा क्षेत्र के अलावा पिस्टल निशानेबाजी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया और स्कूबा डाइविंग का रिकॉर्ड भी बनाया है, बिजनेस लीडर अवार्ड जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियां भी हासिल करने वाले डॉ. अरविंदर अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म टेडएक्स पर दो बार बतौर स्पीकर आमंत्रित हो चुके हैं, जो गौरव की बात है।

-राजवीर

प्रेरक प्रसंग

लोकमान्य का हिन्दी प्रेम

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक भारतीय प्रजातंत्र के जनक कहे जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान 'केसरी' समाचार पत्र के माध्यम से जनजागरण में महत्वपूर्ण योगदान किया। वे हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के प्रबल पक्षधर थे। सन् 1971 में आयोजित कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में राष्ट्रभाषा सम्मेलन अलग से आयोजित किया गया। इसमें तिलक, महात्मा गांधी एवं अन्य प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। बाल गंगाधर तिलक ने अध्यक्षीय भाषण में हिन्दी को राष्ट्रभाषा घोषित करने के पक्ष में धारा प्रवाह दो घण्टे तक भाषण दिया। यह भाषण अंग्रेजी में था। जब गाँधीजी बोलने खड़े हुए, तो उन्होंने पूछा कि कितने लोग तिलक के भाषण को समझे, तब बहुत कम हाथ उठे, गाँधीजी ने फिर पूछा कि यदि यही भाषण हिन्दी में होता तो कितने लोग समझते, तब प्राय: सभी ने हाथ उठाया। महात्मा गांधीजी ने लोकमान्य से निवेदन किया कि वे सार्वजनिक भाषण हिन्दी में ही दें तो बेहतर होगा। इस घटना के दो माह बाद ही खंडवा में लोकमान्य तिलक ने हिन्दी में धारा प्रवाह भाषण दिया, तिलक महान मेधा के धनी थे, उन्होंने बहुत कम समय में हिन्दी भाषा में प्रवीणता प्राप्त कर ली। बापू की प्रसन्नता का पारावार नही था। उन्होंने तिलक को बधाई ही नहीं दी, उनके चरण भी स्पर्श किए। संकल्प शक्ति से ही भाषा सीखी जा सकती है, महाराष्ट्र में हिन्दी का जो व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ, उसकी नींव लोकमान्य तिलक ने ही रखी थी। 'केसरी' का हिन्दी के प्रसार में महान् योगदान था।

-दर्शन सिंह रावत

HAPPY INDEPENDENCE DAY

Parmeshwar Agarwal
Director

PREM

MARBLES PVT. LTD.

ELEGANCE ENGRAVED ETERNAL

Marine Black Cherry Gold Marine Beige

NH 8, Amberi, Udaipur - 313004 Rajasthan, India
M : +91 8890473333 / 8003834567
Email : stone@premmarbles.com
Website : www.premmarbles.com

प्रत्यूष

प्रत्यूष

6 पदक जीते, दस पार का नारा पर टोक्यो की बराबरी भी नहीं हो सकी

भारत नहीं बिखेर पाया स्वर्णिम चमक

दुर्गाशंकर मेनारिया

अबकी बार दस पर। इसी नारे के साथ भारत बड़ा दल लेकर पेरिस ओलम्पिक 2024 में पहुंचा था। पर 117 सदस्यीय दल ने सिर्फ छह पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया। दल तीन साल पहले के टोक्यो ओलम्पिक को पीछे छोड़ना तो दूर उसकी बराबरी भी नहीं कर पाया। हालांकि 12 साल पीछे लंदन में जीते पदकों की बराबरी जरूर की। सोने का तमगा न जीतने का खामियाजा तालिका में 20 साल में पहली बार शीर्ष 70 से बाहर होकर भुगतना पड़ा। यहां तक की देश तालिका में पाकिस्तान से भी पीछे रहा और इसके साथ ओलम्पिक 2024 में भारत के सफर का समापन हो गया। उल्लेखनीय है कि पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमने सात पदकों (एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) के साथ इससे बेहतर प्रदर्शन किया था। यदि महिला पहलवान विनेश फोगाट की अयोग्यता का मामला न होता, तो भारत अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफल हो जाता। विनेश फोगाट के मामले ने देश में बड़ा तूफान खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन जिस देश में राजनीति और खेल संघों को अलग-अलग न किया जा सके, वहां ऐसे विवाद स्वाभाविक हैं। विनेश प्रकरण की अनेक परत हैं, जिन पर हमें गौर करना होगा। फिर भी प्रशंसा करनी चाहिए कि हमने ओलंपिक की खेल अदालत में विनेश की शिकायत को पुरजोर ढंग से उठाया। जैसी संभावना थी, वही हुआ। शिकायत को दरकिनार कर दिया गया। सबसे बड़ी खुशी राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर है कि हमने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। इससे निस्संदेह भावी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, हम लगातार अपने खेल को सुधारते और पदक जीतते चले जाएंगे। इस ओलम्पिक को एथलीट नीरज चोपड़ा के रजत पदक और निशानेबाज मनु भाकर के लिए भी याद किए जाएगा। उन्होंने एक कांस्य पदक व्यक्तिगत शूटिंग में और दूसरा सरबजोत के साथ मिश्रित टीम में जीता है। निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सहरावत ने भी कांस्य जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। यह ओलम्पिक हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश की शानदार विदाई के लिए भी याद किया जाएगा। ये खिलाड़ी अब प्रेरणा-स्रोत बनकर भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गए हैं। अब यहां से खेल प्रबंधकों-निर्णायकों के लिए काम शुरू हो जाता है। क्या सोचा गया था और क्या हुआ है? आगे क्या सुधार करना है? पिछले दो दशकों में खेलों की गति-प्रगति निराशाजनक ही रही है। खेल संघों को राजनीतिज्ञों ने बचाकर ही रखना होगा।

कांसे से शुरुआत और अंत

भारत ने पदक की शुरुआत कांसे से की और अंत भी कांसे से ही किया। मनु ने 28 जुलाई को खाता खोला तो अमन ने नौ अगस्त को कांसे के साथ अंत किया। आठ अगस्त भारत के लिए शानदार रहा। इस दिन नीरज ने रजत और हॉकी ने कांसा जीतकर दोहरी खुशी दी।

ये रिकॉर्ड बनाए भारतीयों ने

■ मनु एक ओलम्पिक में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी ■ निशानेबाजी की मिश्रिम टीम स्पर्धा में मनु-सरबजोत पदक जीतने वाली पहली जोड़ी ■ लक्ष्य सेन पुरुषों की बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय ■ नीरज लगातार दो ओलम्पिक में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट ■ मनिका टेबल टेनिस की एकल स्पर्धा के क्वार्टर में पहुंचने वाली पहली भारतीय

विनेश के गले आया पदक गया: विनेश ने तीसरे और अंतिम ओलंपिक के फाइनल में पहुंच पदक पक्का किया था। बस पदक (चांदी या सोना) के रंग का फैसला होना था। पर उससे पहले ही किस्मत ने दगा दे दिया। सिर्फ 100 ग्राम वजन अधिक होने के चलते ओलंपिक पदक का सपना अधूरा रह गया। उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने केस (खेल पंचाट) में अपील की जिस पर 13 अगस्त को फैसला नकारात्मक रहा। वह फाइनल में पहुचने वाली देश की पहली महिला पहलवान रहीं।

पदक तालिका

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	अमेरिका	40	44	42	126
2	चीन	40	27	24	91
3	जापान	20	12	13	45
4	ऑस्ट्रेलिया	18	19	16	53
5	फ्रांस	16	26	22	64
71	भारत	00	01	05	06

2000 ओलंपिक के बाद भारत का प्रदर्शन

खेल	खिलाड़ी	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल	रैंक
2004 (एथेंस)	73	00	01	00	01	65
2008 (बीजिंग)	56	01	00	02	03	50
2012 (लंदन)	83	00	02	04	06	55
2016 (रियो)	117	00	01	01	02	67
2020 (टोक्यो)	124	01	02	04	07	48
2024 (पेरिस)	117	00	01	05	06	71

सगसजी का जन्मोत्सव

उदयपुर। करजाली हाउस स्थित सगसजी बावजी श्री श्री 1008 श्री भेरूसिंह जी का दो दिवसीय जन्मोत्सव गतदिनों हर्षोल्लास एवं परम्परागत अनुष्ठानपूर्वक मनाया गया। स्थानक पर भव्य विद्युत सज्जा की गई। जन्मोत्सव की पूर्वसंध्या पर संतों, महन्तों एवं विशिष्टजन को अन्नदाता ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बावजी का पूजा-अर्चन कर मेवाड़ में अच्छी वर्षा व खुशहाली की कामना की।

शशिकांत अध्यक्ष, राजेश मंत्री

शशिकांत खेतान

राजेश अग्रवाल

केएम जिंदल

सुरेश अग्रवाल

उदयपुर। प्रवासी अग्रवाल समाज समिति उदयपुर के द्विवार्षिक चुनाव लश्करी अग्रवाल समाज भवन में हुए। जिसमें अध्यक्ष शशिकांत खेतान, केएम जिंदल वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल मंत्री और सुरेश अग्रवाल को निर्विरोध कोषाध्यक्ष बनाया गया। चुनाव अधिकारी सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि चुनाव के दौरान कार्यकारिणी में 11 सदस्य भी नियुक्त किए गए। इनमें अनिल अग्रवाल, महेश गुप्ता, अशोक पौद्दार, एनएल खेतान, भजनलाल गोयल, सत्यनारायण गुप्ता, सुरेन्द्र अग्रवाल, ओमप्रकाश गुप्ता, सीपी बंसल और रविंद्र अग्रवाल शामिल हैं।

डॉ. दीपा का दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड, ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मानित

उदयपुर। अर्थ ग्रुप की डायरेक्टर डॉक्टर दीपा सिंह को ''क्लीनिकल कॉस्मेटोलॉजी एंड मेडिकल एस्थेटिक्स'' क्षेत्र में दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही ब्रिटिश पार्लियामेंट में उन्हें ''रिकॉग्राईजेशन ऑफ मास्टरी इन मेडिकल एस्थेटिक्स एंड लेजर'' अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। डॉ. दीपा सिंह उदयपुर की पहली महिला है, जिन्हें ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मानित किया गया है। डॉक्टर दीपा सिंह ने बताया कि उन्होंने अपना दूसरा वर्ल्ड रिकार्ड ''एस्थेटिक्स एंड मेडिकल माइक्रो पिग्मेंटेशन'' को विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ऊपर प्रदर्शित कर बनाया है। वर्ल्ड रिकॉर्ड के दौरान एक निश्चित समय में एस्थेटिक्स एंड मेडिकल माइक्रो पिग्मेंटेशन का प्रोसीजर 2 वर्ष के बच्चे से लेकर 84 वर्षीय बुजुर्ग तक के 12 लोगों पर सफलता पूर्वक किया गया था। इस प्रोसीजर के जरिए होठों और भौहों को सही आकार और रंग देना, डिलीवरी के बाद होने वाले स्ट्रेच मार्क्स आदि को हटाना सहित स्किन केयर संबंधित विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में दर्ज किया गया है।

उदयपुर की विभूति का इंटरनेशनल ब्रांड, जारा में चयन

उदयपुर। विभूति भट्ट ने इंग्लैंड की नॉर्थ अम्बरिया यूनिवर्सिटी, न्यूकेसल से फैशन कम्युनिकेशन और डिजाइन में मास्टर्स की डिग्री हासिल कर उदयपुर का नाम रोशन किया है। ग्रेजुएशन सेरेमनी के बाद उनका चयन भी इंटरनेशनल फैशन ब्रांड, जारा में हो चुका है। वे अपनी सफलता का श्रेय भारतीय जीवन बीमा निगम में उच्च पद से सेवानिवृत्त पिता रमेश चन्द्र भट्ट एवं माता विजयलक्ष्मी को देती हैं। एन ई एफ टी जोधपुर से ग्रेजुएट और भारत के उत्पादों को विश्व स्तर पर लाने के लिए विभूति ने शोध कार्य किया और डिग्री हासिल की। जिसमें ब्राडिंग, यूजर एक्सपीरियंस, डिजायर स्ट्रेटजी, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, बेस्ट कम्युनिकेशन एप्स, टेक्नोलॉजी बेस्ट एक्सपीरियंस, एक्स एक्सरसाइज डिजाइन में कार, वाशिंग मशीन आदि विषयों पर अध्ययन और रिसर्च की। विभूति स्कॉलरशिप द्वारा चयनित होकर आगे के अध्ययन के लिए इंग्लैंड गई। अब उनका डॉक्टरेट करने का इरादा है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण विभूति को विनम्रता, अध्यात्मिकता एवं परिश्रम के संस्कार अपने परिवार से मिले। जिनकी प्रशंसा उनके सहपाठी भी करते हैं।

स्तनपान : बचाएं लाखों शिशु की जान

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह का मनाया गया। इस बार विश्व स्तनपान दिवस की थीम 'अंतराल को कम करना सभी के लिए स्तनपान सहायता' रही। इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राजरानी शर्मा ने कहा कि मां का दूध नवजात शिशु के लिए प्रथम टीका है। मां के दूध का सही इस्तेमाल हो तो हर साल 10 लाख बच्चों की जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उदयपुर महिला समृद्धि बैंक की अध्यक्ष डॉ. किरण जैन थीं।

एसपीएसयू-स्पिक मैके करेंगे हेरिटेज क्लब शुरू

उदयपुर। सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय उदयपुर और स्पिक मैके ने विवि में हेरिटेज क्लब बनाने के लिए एमओयू किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) पृथ्वी यादव ने सहयोग के महत्व के बारे में बताया। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और स्पिक मैके चित्तौड़गढ़ चैप्टर के अध्यक्ष जेपी भटनागर भी उपस्थित थे।

दिलीपसिंह यादव को बिजनेस टाइटंस अवार्ड

उदयपुर। मीडिया समूह की ओर से द सक्सेस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन दिलीपसिंह यादव को बिजनेस टाइटंस अवार्ड दिया गया। दुबई में हुए समारोह में अभिनेता सोनू सूद एवं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह एवं महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने यादव को यह सम्मान दिया। दिलीपसिंह यादव को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया गया।

Happy Independence Day

Khiv Singh Rajpurohit
(Managing Director)
94141-04766

BKMGPL

All Kinds of Marble and Granite Block, Slabs & Tiles

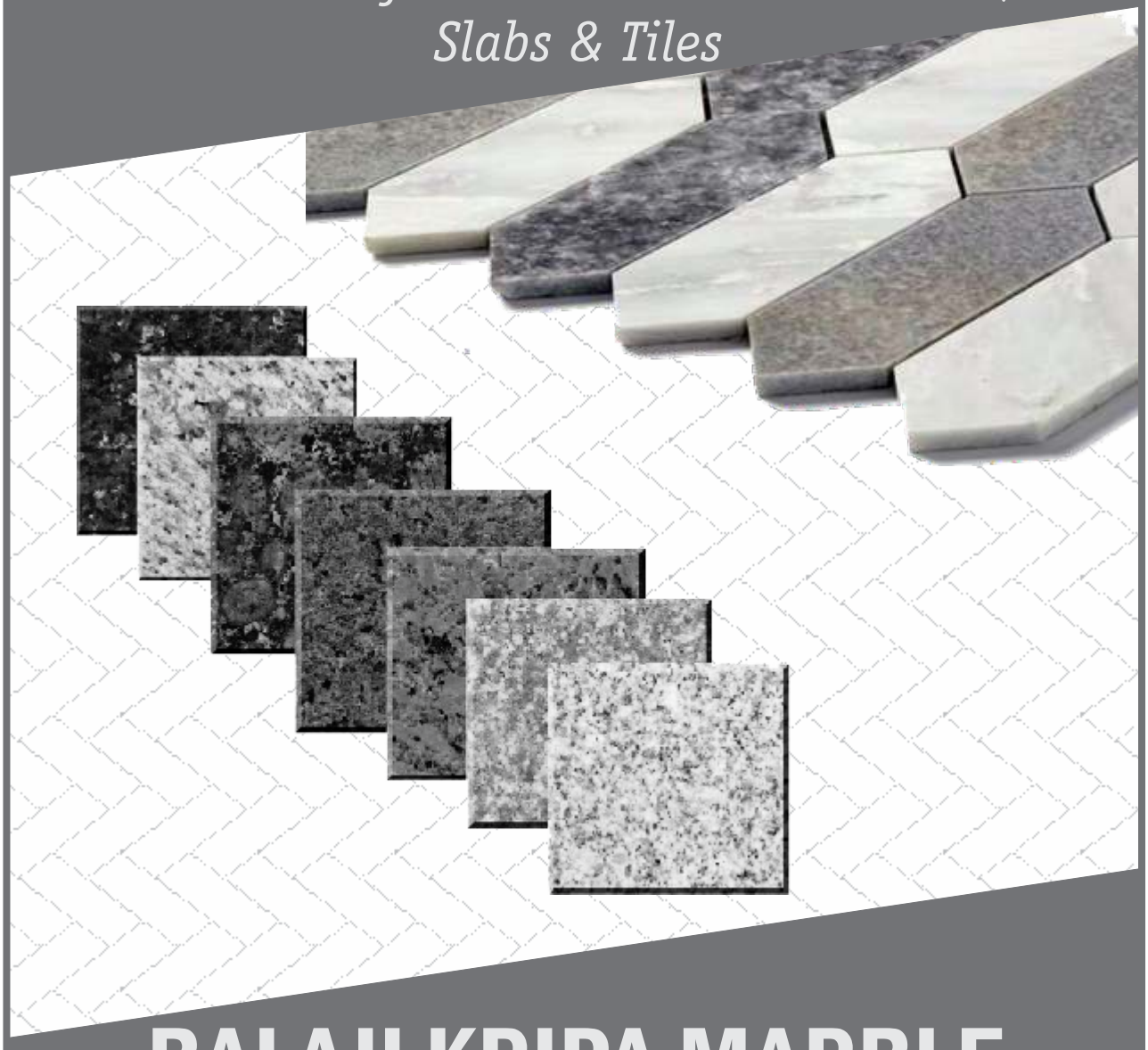

BALAJI KRIPA MARBLE & GRANITE PVT. LTD.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) India
Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773
e-mail: balajikripa.udr@gmail.com

मन की गांठों को खोलने का आध्यात्मिक प्रयोग पर्युषण

आचार्य डॉ. लोकेश मुनि

पर्युषण पर्व जैन समाज का एक ऐसा महान पर्व है, जो प्रति वर्ष सारी दुनिया में मनाया जाता है। चाहे श्वेतांबर हो या दिगंबर, जैन धर्म के सभी पंथों एवं शाखाओं के अनुयायियों द्वारा इस उत्सव को आत्म शुद्धि तथा क्षमा जैसे विशिष्ट कार्यों के लिए मनाया जाना इस पर्व का अनूठापन है। दरअसल यह आत्म शुद्धि और आत्म सिद्धि का पर्व है। यह व्यक्ति की शुद्धि और जीवन शुद्धि का पर्व है। इस पर्व पर हम अपनी गलतियों पर सोचने और उन्हें सुधारने का प्रयास करते हैं, जिससे सालभर हम जहां-जहां भी गिरे वहां संभले और नए संकल्प के साथ सुकृत्य का दीप जलाएं। आत्मा से आत्मा की संधि ही पर्युषण की मौलिकता है, इसलिए पर्युषण के दिन हमारे लिए आइने जैसे हैं। जिनसे हम साल भर के सारे कार्यों को निहार सकते हैं। गलतियों के लिए क्षमा प्रार्थना करते हुए प्रेम और मैत्री को, सदाचार, सौहार्द और सद्विचार को गले लगा सकते हैं। इसीलिए तो पर्युषण महापर्व है।

प्रति वर्ष मनाया जाने वाला यह महापर्व एक आध्यात्मिक प्रयोगशाला है। इस अवसर पर हमें अपने मन की गांठों को -खोलना चाहिए। गांठ चाहे ईख की हो या मन की उनमें रस नहीं आता। इस पर्व में - हम अपने को अधिक से अधिक शुद्ध करने का प्रयास करते हैं। इस पर्व में प्रेम, क्षमा, संयम, अनुशासन और सच्ची मैत्री का व्यवहार करना चाहिए। लेकिन होता यह है कि इन आठ दिनों में भी लोग ज्यादा ऊंच-नीच बोल जाते हैं। करना होता है अमृत पान परंतु परस्पर लड़ते-झगड़ते हुए कर लेते हैं विषपान। इसके लिए हमें ज्ञान ज्योति को जगाना चाहिए और मन की सभी परत खोलनी चाहिए। इसी के साथ हमें अपने खान-पान पर पुनः विचार करना चाहिए कि हम कभी जीभ के वशीभूत, फैशन से अभिभूत या किसी अन्य कारण से अभक्ष वस्तुओं का सेवन तो नहीं कर रहे हैं। शराब या तंबाकू आदि का सेवन तो हम नहीं कर रहे हैं जो हमें धर्म के मार्ग से परे करता है और हमारे हृदय, मन व बुद्धि को दूषित करता है। पर्युषण पर्व का अंतिम चरण, क्षमावाणी या क्षमा याचना है। भगवान महावीर ने कहा था कि मैं सभी से क्षमा याचना करता हूं। मुझे सभी क्षमा करें। मेरे सभी प्राणी मित्रवत हैं और मेरा किसी से वैर नहीं है। वास्तव में केवल पर्युषण पर्व के दौरान ही नहीं बल्कि सालभर हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि इस वाक्य में जीवन को उत्कृष्ट और उदार बनाने वाली कितनी अच्छी भावना है।

पर्युषण महापर्व वर्षभर जीए गए आध्यात्मिक जीवन का गुणनफल है। हमने बीता समय कहां, कैसे, किसके साथ जीया, कितना त्याग, संयम एवं अनुशासन का प्रयोग किया इन सबकी यह व्याख्या करता है। यह वर्षभर में जाने-अनजाने की गई भूलों का प्रायश्चित है। भविष्य में असद् संस्कारों एवं विकारों को सीमा देने की प्रतिज्ञा है और वर्तमान में स्वयं के द्वारा स्वयं को देखने एवं आत्म-निरीक्षण का जीवंत सन्देश है। पर्युषण महापर्व बहिर्मुखी वृत्तियों का नियंत्रण कक्ष है। यह महत्वाकांक्षाओं को थामता है। इन्द्रियों की आसक्ति को विवेक द्वारा समेटता है। मन की सतह पर जमी राग-द्वेष की दूषित परतों को उघाड़ता है। सार्थक जीवन के लिए क्या जरूरी है, इसका ज्ञान देता है। यह संयम एवं त्याग की चेतना को जगाने का दुर्लभ अवसर है, जो शरीर और मन दोनों की शुद्ध चिकित्सा करता है, इससे शरीर और मन दोनों में संतुलन और लयबद्धता उत्पन्न होती है।

आज पर्युषण महापर्व की अधिक प्रासंगिकता है, क्योंकि समूची दुनिया संकटग्रस्त है। हमें उन आदतों, वृत्तियों, महत्वाकांक्षाओं,

वासनाओं, इच्छाओं को अलविदा कहना होगा जिनका हाथ पकड़कर हम उस ढलान पर उतर गए, जहां रफ्तार तेज है और विवेक का नियंत्रण खोते चले जा रहे है। जिसका परिणाम है, मानव का विनाश, जीवन मूल्यों का हास एवं असंवेदना का साम्राज्य। आज की मुख्य समस्या यह है कि आदमी किसी दूसरे को आदमी की दृष्टि से नहीं देख रहा है। वह उसे देख रहा है धन के पैमाने से, पद और प्रतिष्ठा के पैमाने से, शक्ति एवं साधनों से।

पर्युषण महापर्व अहिंसक जीवन की प्रयोगशाला है। प्रश्न है कि हिंसा का उदय कहां से होता है ? हिंसा कहीं आकाश से तो टपकती नहीं है, न जमीन से पैदा होती है। हिंसा पैदा होती है आदमी के मनोभावों से। हिंसा का मनोभाव न रहे तो हथियार बनाने वाले उद्योग अपने आप ठप्प हो जाएंगे। विकृत मानसिकता, हिंसा एवं महत्वाकांक्षाओं की ही निष्पत्ति है कोरोना महामारी एवं तालीबानी स्थितिगां। इंसान का भीतरी परिवेश विकृत हो गया है, उसी की निर्ष्या तयां हैं युद्ध, महामारी, प्रदूषण,, प्रकृति का दोहन, हिंसा एवं भ्रष्ट वार। जबकि भीतर का सौंदर्य है अहिंसा, करुणा, मैत्री, प्रेम, सद्भाव और आपसी सौहार्द पर्युषण महापर्व एक अनूठा अवसर है, जो सबको समान रूप से देखने का मनोभाव देता है। जब यह भीतर का सौंदर्य नहीं होता तो आदमी बहुत समृद्ध होकर भी बहुत दरिद्र-सा लगता है। सुंदर शरीर में कुष्ठ रोग की तरह शरीर के सौंदर्य को खराब कर रही यह महामारी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

काम की बात

'बरसात' में जरूरी सावधानियां

■ बरसात में जब भी धूप निकले, बिस्तरों को धूप में रखना चाहिए अन्यथा उनमें से गंध आने लगती है।

■ भीग जाने पर घर आते ही तुरंत गीले कपड़े बदल लें, हाथ-पैर और मुंह धोकर पोंछ लेना चाहिए अन्यथा सर्दी, खांसी, जुकाम आदि होने की आशंका रहती है।

■ जूते, चप्पल, सैंडिल बरसात में भीग जाने पर घर आते ही खोल कर दीवार के सहारे खड़े कर देने चाहिए ताकि पानी निकल जाए।

■ बरसात में कपड़े मुश्किल से सूखते हैं। मौसम को देखते हुए ही कपड़े धोने चाहिएं। बरामदे या हवादार स्थान पर कपड़े सुखाने का स्टैंड रखें तो बेहतर है।

■ हल्के तथा जल्दी सूखने वाले कपड़ों का चयन करें।

■ बाहर से आएं तो छाते को इस प्रकार रखें कि उसका सारा पानी निकल जाए।

■ माचिस की डिबिया को किसी डिब्बे में रखें। बरसात के कारण नमक नमी सोख लेता है।

■ घर के आसपास देख लें कि पानी कहीं रुका हुआ तो नहीं है। काई जमी हो तो साफ करें।

■ खिड़कियों और दरवाजे के पर्दे खोल कर तथा कमरे से कालीन उठाकर रख देना चाहिए। कमरे के बाहर पैर पोंछने के लिए पायदान रखें।

■ मोटरसाइकिल व स्कूटर की डिक्की में रेनकोट रखना न भूलें। दोपहिया वाहन धीमी गति से ही चलाए।

■ छात्रों को अपने स्कूल बैग में पालिथीन की थैली रखनी चाहिए, ताकि पुस्तकें खराब न हों।

■ रसोई में काम आने वाली दैनिक प्रयोग की वस्तुएं, जैसे लोहे के बर्तन, कड़ाही , चाकू, छुरी, जंग लगने के कारण खराब हो सकते हैं। इन्हें काम में लेने के बाद पोंछकर रखें।

■ नमी से बचाने के लिए आचार, मुरब्बे आदि के मर्तबानों का मुंह ढंक कर बांध देना चाहिए।

-पुष्पा शर्मा

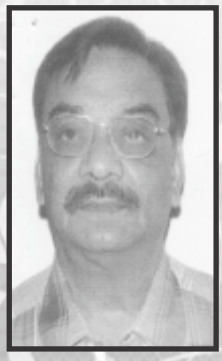

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

Nalwaya Mineral Industries Pvt. Ltd.

:: Head Office ::

Plot No. C-164, Road No 3, Madri Industrial Area,
Near G.N. Dal Mill, Udaipur (Raj.)

:: Residence ::

33, Pologround, Udaipur-313 001 (Raj.) Ph. : 91-294-2560628, 2521387

प्रत्यूष

'लाल अयोध्या' सिर्फ फिल्म नहीं लम्बे संघर्ष की वास्तविकता

ओमपाल सिलन

सिनेमा समाज का आइना होता है, लेकिन इस आइने के ज़रिए समाज का स्याह सच दिखाने का साहस किसी—किसी में ही होता है। हम बात कर रहे हैं एक ऐसे दिग्गज निर्देशक की जो अपनी फिल्मों के विविध विषयों को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। जो कभी वेश्यावृति करने वाले वर्ग विशेष का छिपा हुआ दर्द परदे पर बयां करते हैं तो कभी भू—माफियाओं की दुनिया के काले किस्से मंजरे आम पर ले आते हैं। हम बात कर रहे हैं जिंदगी शतरंज है, त्राहिमाम् और द हंड्रेड बक्स जैसी विविधरंगी फिल्में बनाने वाले सुप्रसिद्ध निर्देशक दुष्यंत प्रताप सिंह की, जो इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'लाल अयोध्या' को लेकर चर्चा में हैं। प्रस्तुत है - इनकी आने वाली फिल्म को लेकर उनसे हुई बातचीत के कुछ अंश...

सवाल: क्या है 'लाल अयोध्या' फिल्म की कहानी ?

दुष्यंत: पूरी फिल्म अयोध्या राम मंदिर की थीम पर है। फिल्म में एक खास कालखंड की कहानी है। दरअसल ये फिल्म नहीं एक लम्बे संघर्ष की कहानी है। हमें उम्मीद है यह फिल्म अपने दौर की सबसे अच्छी फिल्म होगी, जो सबके दिलों को छुएगी।

सवाल: फिल्म की शूटिंग के आपने क्या सोचा है? अयोध्या की रीयल लोकेशन में होगी या किसी और जगह ?

दुष्यंत: सिनेमा को किसी एक स्थान विशेष में नहीं बांधा जा सकता। यदि निर्देशक की अपने सब्जेक्ट पर पकड़ है तो वह किसी भी लोकेशन पर शूट करके दर्शकों को रीयल फील दे सकता है। बाकि ये अभी स्क्रिप्ट सीक्रेसी का हिस्सा है, जो रिवील नहीं किया जा सकता है। लेकिन हां इतना विश्वास दिलाता हूं कि फिल्म हर हिस्सा दर्शकों को अयोध्या के अस्तित्व का अहसास कराएगा।

सवाल: फिल्म का नाम 'लाल अयोध्या' कैसे पड़ा ?

दुष्यंत: दरअसल फिल्म के प्रोड्यूसर अमरजीत मिश्रा अपने दौर में कार सेवक रहे हैं, उन्होंने ही ये नाम दिया है। वो खुद प्रथम कार सेवक थे, इसलिए उन्होंने अयोध्या और अयोध्या के बदलते रूप को बेहद करीब से देखा है। वो इस फिल्म के साथ आत्मा से जुड़े हैं।

सवाल: पोस्टर लॉन्चिंग के दौरान पहलाज निहलानी आए थे, फिल्म को लेकर उनकी क्या प्रतिक्रिया थी ?

दुष्यंत: पहलाज निहलानी सेंसर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। हम सबके लिए वे एक अभिभावक की तरह हैं। ये सब्जेक्ट उनके दिल के भी बहुत करीब है और वे खुद भी इस काम रहे हैं, इसके बावजूद भी उन्होंने हमें अपना आशीर्वाद दिया। ये हमारे लिए गर्व की बात है।

सवाल: दर्शकों को ये फिल्म कब तक देखने को मिलेगी ?

दुष्यंत: फिल्म के प्रीप्रोडक्शन का काम खत्म होने के बाद शूटिंग जल्द शुरू होगी और नवंबर तक फिल्म रिलीज हो जाएगी।

नाटक का मतलब है... ना-अटक : हरलीन

'**गुज़रते** वक्त की व्यस्तताओं के बीच हो सकता है आप थिएटर को छोड़ दें, लेकिन थिएटर आपको ताउम्र नहीं छोड़ता।' ये कहना है तेरह वर्षों से थिएटर में पूर्ण रूप से सक्रिय अभिनेत्री हरलीन रेखी का। दिल्ली से थिएटर की शुरूआत करने वाली हरलीन की जड़ें मंडी हाउस से जुड़ी हैं। श्रीराम सेंटर से अभिनय की बारिक़ियाँ सीखकर मुम्बई आईं हरलीन रंगमंच एवं टेलिविज़न में निरंतर कार्य कर रही हैं। उनका मानना है कि थिएटर एक एक्टर के जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन लाता है। वर्ष 80 के दशक में दूरदर्शन पर प्रसारित मशहूर धारावाहिक 'महाभारत' को भारत के हर घर में बड़ी श्रद्धा से देखा जाता था। उसके बरसों बाद युवा अभिनेता एवं निर्माता राहुल भूचर के प्रयासों से उसी 'महाभारत' का नाट्य रूपातंरण किया गया, जिसमें द्रौपदी की मुख्य भूमिका निभाकर हरलीन ने उसे यादगार बना दिया। इतना ही नहीं 'रामायण' पर आधारित नाटक 'हमारे राम' में भी ये सीता का केन्द्रीय पात्र निभाकर आधुनिक थिएटर जगत की सुर्खियों में छाई हैं। हरलीन का मानना है कि नाटक का मतलब है-ना-अटक। यानि रंगमंच से जुड़ा व्यक्ति, चाहे जीवन हो या मंच, वो कहीं नहीं अटकता। रंगमंच की इसी साधना के चलते अभिनेत्री होने के साथ-साथ आज ये एक कुशल कथक नृत्यांगना और वॉयस ओवर आर्टिस्ट भी हैं। एक तरफ़ वो जहां श्रीमद् रामायण, अबे यार लग गई, द रेपिस्ट, एसपीरेन्ट्स और कामदेव जैसे प्रोजैक्ट्स के साथ ओटीटी और टेलिविज़न की दुनिया में व्यस्त हैं तो वहीं दूसरी ओर वे थिएटर के मंझे हुए अदाकार आशुतोष राणा, पुनीत इस्सर और राकेश बेदी के साथ जब वी सेपरेटिड, हमारे राम और महाभारत जैसे

नाटकों में काम करके अपनी अभिनय क्षमता को और अधिक तीक्ष्ण कर रही हैं। दर्जनों टीवी ऐड और अपने नाटकों के सैंकड़ों शोज़ के साथ देशभर में सीता, द्रौपदी एवं सोनी टीवी पर प्रसारित धारावाहिक श्रीमद् रामायण की मंदोदरी के रूप में पहचानी जाने वाली ये सशक्त अभिनेत्री मानती है कि रंगमंच इनका स्कूल है और टीवी इनका ऑफ़िस है।

पाठक पीठ

'बारबाडोस' में भारतीय क्रिकेट टीम ने 10 वर्ष बाद विश्व कप जीत कर इतिहास रच दिया। इस जीत का महत्व इसलिए भी है कि एक तो इस टूर्नामेंट में रोहित सेना ने कोई मैच नहीं हारा और दूसरा यह कि इससे पूर्ववर्ती वर्षों में (2014 से 2023) हुई विभिन्न स्पर्द्धाओं में भारत फाइनल तक पहुंचा लेकिन जीत नहीं सका। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी का योगदान उल्लेखनीय रहा। इस संबंध में बटुरंगी पृष्ठों पर जानकारी अच्छी लगी।

डॉ. अजय सिंह चुण्डावत,
डायरेक्टर, संजीवनी हॉस्पीटल

देश में 'पेपर लीक' की घटनाएं अत्यन्त गंभीर हैं और निश्चय ही इसके पीछे परीक्षा माफिया का सबल तंत्र हैं, जो भारत के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है। इस रोकने के लिए केन्द्र सरकार ने जो कानून बनाया है, वह स्वागत योग्य है, किन्तु वह पेपरलीक की घटनाएं रोकने में कितना कारगर होगा, यह तो समय ही बताएगा। जब तक इसमें सम्बद्ध अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होगी यह धोखाधड़ी नहीं रूकेगी। इस संबंध में 'प्रत्यूष' के अगस्त अंक में गौरव शर्मा का आलेख सटीक है।

हितैष व्यास, *बिल्डर एंड डवलपर्स*

मेजर मुस्तफा को मरणोपरान्त शौर्य चक्र मिलना उदयपुर के लिए निश्चित ही गौरव का विषय है। राष्ट्रपति ने 36 जाबांजों को वीरता पुरस्कार प्रदान किए। इनमें उदयपुर का यह शहीद सपूत भी था। इनके माता–पिता धन्य हैं, जिन्होंने अपने पुत्र को राष्ट्र सेवा के संस्कार दिए। प्रत्यूष के अगस्त अंक में इस संबंध में समाचार देखकर मेजर मुस्तफा की शहादत के सम्मान में स्वत: सिर नम गया।

महेन्द्रपाल सिंह छाबड़ा
डायरेक्टर, एस सुजान सिंह छाबड़ा एंड क.

प्रत्यूष का अगस्त–24 के अंक में 'आस्था के सत्संग में अस्थियों की आहुति' राजवीर का लेख उत्तर प्रदेश में एक बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में सवा सौ श्रद्धालुओं की अकाल मृत्यु का मार्मिक चित्रण करने वाला है। इस तरह के आयोजनों से पूर्व पूरी जानकारी प्रशासन के पास होनी चाहिए और उसके अनुरूप ही व्यवस्थाओं को अंजाम दिया जाना चाहिए।

बंशीलाल अहीर,
गर्वमेन्ट कान्ट्रेक्टर्स

VIJAY JAIN
95713-76650
Happy Independence Day
GARVIT JAIN
93525-08700
KAMDHENU STEEL
GALLANT
RATHI POWERTECH TMT REBARS
move to the extraordinary
SHREE जंग रोधक CEMENT
घर की ढाल, सालों साल
RISHABHDEV STONE
TRADING CO.
NIMBAHEDA, KASIYA, MADRAS
&
KOTA STONE.
Wholesale Supplier
Market Organiser
Authorised Dealer
Office
City Station Road
P.O. Udaipur - 313001
Godown
Paneriyo Ki Madri,
Tekri Link Raod
Factory
G1-73, Udhyog Vihar,
Sukher
rstcvijay@gmail.com ☎ 8854941111

प्रत्यूष

हिंदी रोजगार की संभावनाएं

हिंदी की पढ़ाई रोजगार के बेहतरीन अवसर दिलाती है। जिनमें दिनों-दिन वृद्धि भी हो रही है। हिंदी दिवस (14 सितम्बर) पर नमिता सिंह का विशेष आलेख।

किसी भी देश की राष्ट्रभाषा वही मानी जाती है, जिसका अपने देश की संस्कृति, सभ्यता व साहित्य से गहरा संबंध हो। राष्ट्रभाषा बनने के लिए यह भी आवश्यक है कि उसे देश की बहुसंख्यक जनता बोलती व समझती हो। अपने देश के संदर्भ में हिंदी पर ये सभी बातें सही ठहरती हैं। हिंदी को न सिर्फ भारत की राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त है, बल्कि यह सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। आज भारी संख्या में विदेशी छात्र हिंदी सीखने के लिए भारत आ रहे हैं।

भारत में सर्वाधिक देखा जाने वाला चैनल और सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला समाचार पत्र हिंदी में ही है। हिंदी सिनेमा भी लोगों के लिए एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। माइक्रोसॉफ्ट ने भी हिदी पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए हिंदी में ऑपरेटिंग सिस्टम शुरू किया। बीबीसी सहित कई वेबसाइट्स अपनी हिंदी पार्टल चला रही हैं। आईटी ने भी ऑनलाइन हिंदी सीखने के लिए नया ट्रेंड शुरू किया है।

रोजगार की भरपूर संभावना

रोजगार के क्षेत्र में भी हिंदी का कोई सानी नहीं है। केन्द्र व राज्य सरकार की हिंदी भाषी क्षेत्रों की कई यूनिटों ने अपना कामकाज हिंदी में करने का निर्णय लिया है। इससे रोजगार के अवसरों की संख्या में वृद्धि हुई हैं।

सरकारी सेवा क्षेत्र: केन्द्र व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में हिंदी ऑफिसर, हिंदी ट्रांसलेटर, हिंदी असिस्टेंट, लिपिक, स्टेनोग्राफर, ऑफिस मैनेजर के रूप में नियुक्तियां होती हैं।

ट्रांसलेटर व द्विभाषिया: प्रिंट मीडिया सहित कई सरकारी विभागों में अनुवादक, द्विभाषिए व हिंदी लेखक के रूप में अवसर सामने आए हैं। कई फर्म तो अनुवादकों को कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर एसाइमेंट अथवा रोजगार देते हैं।

स्क्रिप्टराइटिंग: आजकल फिल्मों में स्क्रिप्टराइटरों की भारी मांग हैं। फिल्म

कब रखें कदम

हिंदी भाषा से संबंधित दो तरह के कोर्स मौजूद हैं– परम्परागत और प्रोफेशनल परंपरागत बैचलर कोर्स में बारहवीं के बाद प्रवेश मिलता है, जबकि मास्टर डिग्री में स्नातक के बाद कदम रख सकते हैं। इसके बाद एमफिल व पीएचडी की राह आसान हो जाती है, जबकि प्रोफेशनल्स कोर्स में स्नातक के बाद ही मौका मिलता है।

कुछ प्रमुख कोर्स

- हिंदी में बीए, एमए, बीएड, एमएड, एमफिल व पीएचडी
- एमए इन फंक्शनल हिंदी
- सर्टिफिकेट कोर्स इन क्रिएटिव राइटिंग
- पीजी डिप्लोमा इन हिंदी जर्नलिज्म
- पीजी डिप्लोमा क्रिएटिव राइटिंग इन हिंदी
- पीजी डिप्लोमा सर्टिफिकेट इन हिंदी जर्नलिज्म

कोर्स की उपयोगिता

भारत की सभ्यता, संस्कृति एवं धर्म को देखते हुए अन्य भाषाओं की भांति हिंदी में भी कई कोर्स शुरू किए गए हैं। भूमंडलीकरण के बाद से इसमें तेजी से बदलाव देखने को मिला। खुद अमेरिका में हिंदी का 45 वर्ष पुराना इतिहास है। आज स्थिति यह है कि वहां पर 100 से भी ज्यादा संस्थानों में हिंदी की पढ़ाई होती है। भारत में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री, मास्टर डिग्री व पीएचडी लेवल पर कई कोर्स हैं, जो हिन्दी की उपयोगिता में चार चांद लगा रहे हैं। इन कोर्स की अवधि तीन माह से लेकर 3–4 साल तक है।

निर्माता एक कॉन्ट्रेक्ट के तहत उन्हें काम देते हैं। फिल्मों के साथ-साथ रेडियो व टीवी में भी स्क्रिप्टराइटिंग का काम उपलब्ध है। प्रिंट मीडिया में क्रिएटिव व टेक्निकल राइटिँग की मांग है।

टीचिंग: देश के प्रमुख स्कूल-कॉलेजों में नर्सरी से लेकर पीजी लेवल तक टीचिंग का स्कोप है, जबकि विदेशी संस्थानों में भी हिंदी अध्यापकों की नियुक्ति होती है।

इंटरनेट: एक समय इंटरनेट को हिंदी में देख पाना या खोल पाना मुश्किल था, लेकिन आज इंटरनेट पर हिंदी के शब्द उभर रहे हैं। कई हिंदी वेबसाइट इंटरनेट पर मौजूद है। विभिन्न हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के पोर्टल एवं ब्लॉग हिंदी में इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। गूगल ट्रांसलेटर एवं यूनिकोड के आ जाने से अब इंटरनेट पर हिंदी में आसानी से लिखा जा सकता है।

कॉल सेंटर/टेली कम्युनिकेशन: अंग्रेजी की ही भांति घरेलू कॉल सेंटरों में भी हिंदी के आधार पर नौकरी मिलना आसान हो गया है। हिंदी को आधार बनाकर चल रहे ज्यादातर कॉल सेंटर दिन की ही शिफ्ट में संचालित होते हैं। इससे लड़कियों को अधिक फायदा पहुंच रहा है, जबकि टेलिकम्प्युनिकेशन में भी हिंदी ने अपनी भूमिका तय कर रखी है। इसमें हिंदी का एक बड़ा उपभोक्ता वर्ग है।

मेडिकल व इंजीनियरिंग: हिंदी भाषियों की सफलता का औसत वहीं है, जो अंग्रेजी भाषा के छात्रों का है। मेडिकल के क्षेत्र में तो हिंदी को लकर कोई उदासीनता नहीं है, पर इंजीनियरिंग में अभी भी तकनीकी पक्षों को लेकर भ्रम की स्थिति है, जिसे हिंदी के अनुकूल बनाने के प्रयास तेज होने चाहिए।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर: पहले सभी सॉफ्टवेयर बनाने वाली कम्पनियां अपने सॉफ्टवेयर अंग्रेजी में ही बनाती थीं, परंतु भारतीय बाजार एवं मांग को देखते हुए उन्होंने हिंदी सॉफ्टवेयर को बाजार में उतारना शुरू कर दिया है। इन हिंदी सॉफ्टवेयरों के आ जाने से हिंदी भाषी छात्रों को इस क्षेत्र में हाल आजमाने का पूरा मौका मिल रहा है।

> **हिंदी** को लेकर जो पुरानी मानसिकता है, वह टूट जानी चाहिए। हिंदी में भरपूर ताकत है, जो लोगों को रोजगार तक ले जा सकती है। हिदी की लोकप्रियता बढ़ती देख अंग्रेजी वाले भी हिंदी मीडिया की ओर आकर्षित हो रहे हैं। निश्चित तौर पर यह हिंदी के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। इस चुनौती से निपटने के लिए हिंदी वालों को भी द्विभाषी बनना होगा। हिंदी में पकड़ बनाने के लिए भाषा दक्षता की जरूरत होती है। विदेशी कंपनियां भारत में कारोबार करने की इच्छुक हैं तो उन्हें भी हिंदी प्रोफेशनल्स चाहिए। आजकल हिंदी में ब्लॉग, वेबसाइट और मोबाइल एप्स की भरमार है। इसके लिए हिंदी के जानकारों की मांग है। विदेशों में भी इनकी भारी मांग है।
>
> *प्रो. हरिमोहन शर्मा, भाषाविद्*

प्रत्यूष

प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

75979 11992, 94140 77697

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रणवीरसिंह चुण्डावत
डायरेक्टर, Mob.: 7742791508

स्व. किशन सिंह जी चुण्डावत

चुण्डावत रेस्टोरेंट एण्ड चुण्डावत लस्सी कॉर्नर

पुराना रेल्वे स्टेशन रोड, ठौकर चौराहा, उदयपुर

पूर्ण प्रकृति हैं कृष्णप्रिया राधा

डॉ. मयंक मुरारी

11 सितम्बर राधाष्टमी पर विशेष

कृष्ण पूर्ण हैं और राधा भी पूर्ण हैं। कृष्ण, राधा की रसधारा हैं तो राधा, कृष्ण की अंतर्धारा हैं। और ये एक ही हैं। इसलिए अलग होने के बाद भी दोनों आत्मिक स्तर पर एक रहे। हरेक पुरुष में स्त्री और हरेक स्त्री में पुरुष तत्व का वास होता है। अंतर केवल अनुपात का होता है। पुरुष में पुरुष तत्व तो नारी में स्त्री तत्व की प्रधानता होती है। भगवान श्रीकृष्ण पूर्ण पुरुष थे। यानी उनमें स्त्री तत्व बिल्कुल भी नहीं था। उसी प्रकार माता राधा पूर्ण प्रकृति थीं। यानी पूर्ण स्त्री। अध्यात्म कहता है कि पूर्ण में कुछ मिलाओ, तो उसका रूप और रस नहीं बदलता। मिलाप तो अपूर्ण के बीच होता है। परंतु यहां श्रीकृष्ण और राधा रानी दोनों पूर्ण हैं। वह अंतर्धारा हैं, जो सदा प्रवाहित हैं। उनके प्रकृति रूप के साथ सदैव कृष्ण हैं। जब भी कृष्ण को याद कीजिए, वहां राधा उपस्थित मिलेंगी। जगजननी राधा को स्मरण कीजिए, वहां कृष्ण अपनी लीला संग चले आएंगे। यह शाश्वत प्रेम की सनातन धारा है।

जब उद्धव ने ब्रज की यात्रा शुरू की, तो थोड़ा व्याकुल थे। तब श्रीकृष्ण ने उनसे कहा कि मैं ब्रज त्यागकर, वृंदावन छोड़ कहीं नहीं जाता। मैं तो वृंदावन में ही हूं। तुम मुझसे बिछुड़ने नहीं जा रहे, बल्कि मुझे (राधारूप में)प्राप्त करने जा रहे हो।

कृष्ण की स्मृति में राधा सदैव विराजमान थीं। कृष्ण को पता था कि राधा पूर्ण हैं। ब्रज छोड़ते समय भी राधा उनके पास नहीं आई थीं। सारे गोकुलवासी कान्हा को विदा करने के लिए एकत्रित थे। सब भाव विह्वल थे। लेकिन वहां राधा नहीं थीं। कृष्ण को खुद राधा के पास जाना पड़ा था। राधा ने तब भी कृष्ण को विदा नहीं किया था। उन्होंने कहा था- कान्हा, विदा तो भिन्न को किया जाता है। हम दोनों अभिन्न हैं, तो विदाई कैसी?

राधा ने गोकुल से कृष्ण को विदा नहीं किया था। उन्होंने कहा था- 'कान्हा ! विदा तो भिन्न को किया जाता है। हम दोनों अभिन्न हैं, तो विदाई कैसी? अपनी अंतिम वेला में भी कृष्ण को राधा की चिंता थी। उनको पता था कि राजधानी उनकी अपलक प्रतीक्षा कर रही हैं। उन्होंने अपना दुख अर्जुन को बताया और कहा कि यह बात राधा को बता देना कि अब कृष्ण से मुलाकात नहीं हो सकेगी। कृष्ण के बिना अर्जुन खुद निस्तेज थे। उन्होंने यह भार उद्धव को सौंप दिया। उद्धव अतीत में चले गये, जब वे राधा से मिले थे। उनको एहसास हुआ कि राधा के प्रेम के शिखर पर ही कृष्ण ने इतना सबकुछ किया। राधारहित कृष्ण क्या ये सब कर पाते? अर्जुन के संवाद ने उद्धव के चित्त में हाहाकार मचा दिया। पर कृष्ण के महाप्रयाण की खबर को भी राधा सहज सुन गई। राधा ने उद्धव को कहा कि जिस घड़ी कृष्ण मथुरा से गए, उस घड़ी से कृष्ण उनके समग्र अस्तित्व में हैं। रोम-रोम में व्याप्त हैं। गोकुल के कृष्ण दर्शनीय थे, पर अदृश्य कृष्ण हर क्षण, हर स्थान पर विद्यमान हैं। राधा ने उद्धव को बताया कि कृष्ण ने त्याग उन्हीं का किया, जिन्होंने कृष्ण को विदा दी। उद्धव को भी समझ में आ गया कि कृष्ण ने अंत समय में राधा को क्यों स्मरण किया।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष *(बहुरंगी हिन्दी मासिक)*

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

अनुभव का बड़ा खजाना हैं, नए मुख्य सूचना आयुक्त

राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त मोहनलाल लाठर राजस्थान कैडर के 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। हरियाणा के किसान-जाट परिवार में 10 मई 1961 को जन्मे लाठर के पूर्ववर्ती सरकार में डीजीपी पद से से रिटायर होने के बाद इन्हें सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया। विज्ञान में स्नातकोतर की डिग्री हासिल करने वाले लाठर पुलिस महकमें में उच्च पदों पर रहते हुए कभी विवाद की विषय नहीं रहे और जनसामान्य के साथ इनका सहज सम्पर्क भी बना रहा। इनकी गिनती सरकार के अतिविश्वसनीय अधिकारियों में होती रही। लाठर की पहली नियुक्ति अक्टूबर 1989 में एएसपी के रूप में भरतपुर-बयाना में हुई। तीन वर्ष बाद फरवरी 1992 में पदोन्नत कर इन्हे सिरोही में एसपी बनाया गया। इसके बाद 1994 से 2000 के बीच ये जयपुर, धौलपुर, उदयपुर कोटा व दौसा में भी एसपी रहे। सन् 2002 में पदोन्नत होकर 2005 तक बाड़मेर, बीकानेर व जयपुर में डीआईजी रहे। इसके बाद 2007 तक राजस्थान पुलिस अकादमी में बतौर निदेशक सेवाएं दी। इसके बाद इन्हे जयपुर में आईजी नियुक्त किया गया। इस पद पर 2012 तक रहे। इसके पश्चात 2019 तक एडीजी और बाद में इन्हें डीजीपी (प्रशासन व कानून व्यवस्था) बनाया गया। जहां ये 2020 तक रहे। 14 अक्टूबर 2020 को इन्हे डीजीपी राजस्थान बनाया गया। वर्ष 2022 के अन्त में सेवा निवृत होने के बाद कांग्रेस की तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार ने इन्हे 13 जनवरी 2023 को सूचना आयुक्त नियुक्त किया। नवम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव के बाद बहुमत में आई भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार ने भी इनके कार्य कौशल और व्यापक अनुभव को देखते हुए 5 जुलाई 2024 को मुख्य सूचना आयुक्त पद पर पदोन्नत कर दिया। इनके साथ सूचना आयुक्त के रूप में पूर्व आईएएस सुरेश चन्द्र गुप्ता व महेन्द्र कुमार पारख तथा विधि रचना सेवा के पूर्व अधिकारी टीकाराम शर्मा को नियुक्त किया गया।

-राजकमल जैन

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें, झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें।
-धम्मपद

वास्तु-विज्ञान

क्यों नहीं रखते पूर्व और दक्षिण दिशा में पैर?

आप सोते समय अपने पैर दक्षिण या पूर्व दिशा की ओर रखते हैं। हिंदू शास्त्रों और वास्तुविदों के अनुसार यह अनुचित है। इससे आपकी ऊर्जा का क्षरण होगा साथ ही आपकी मानसिक स्थिति भी बिगड़ जाएगी। इससे हृदय पर भी गलत प्रभाव पड़ता है। जानिये कि क्यों नहीं रखते पूर्व और दक्षिण दिशा की ओर पैर।

दक्षिण दिशा : विज्ञान के दृष्टिकोण से देखा जाए तो पृथ्वी के दोनों ध्रुवों उत्तरी और पश्चिमी ध्रुव में चुम्बकीय प्रवाह विद्यमान है। दक्षिण में पैर रखकर सोने से व्यक्ति की शारीरिक ऊर्जा का क्षय हो जाता है और वह जब सुबह उठता है तो थकान महसूस करता है।

उत्तर दिशा की ओर धनात्मक प्रवाह रहता है और दक्षिण दिशा की ओर ऋणात्मक प्रवाह रहता है। हमारे सिर का स्थान धनात्मक प्रवाह वाला और पैर का स्थान ऋणात्मक प्रवाह वाला है। यह दिशा बताने वाले चुम्बक के समान है कि धनात्मक प्रवाह वाले आपस में मिल नहीं सकते। हमारे सिर में धनात्मक ऊर्जा का प्रवाह है जबकि पैरों से ऋणात्मक ऊर्जा का निकास होता रहता है। यदि हम अपने सिर को उत्तर दिशा की ओर रखेंगे को उत्तर की धनात्मक तरंग एक दूसरे से विपरीत भागेगी जिससे मस्तिष्क में बेचैनी बढ़ जाएगी और फिर नींद अच्छे से नहीं आएगी। लेकिन जैसे तैसे जब हम बहुत देर जागने के बाद सो जाते हैं तो सुबह उठने के बाद भी लगता है कि अभी थोड़ा और सो लें। जबकि यदि हम दक्षिण दिशा की ओर सिर रखकर सोते हैं तो हमारे मस्तिष्क में कोई हलचल नहीं होती है और इससे नींद अच्छी आती है।

पूर्व दिशा : पश्चिम दिशा में सिर रखकर नहीं सोते हैं क्योंकि तब हमारे पैर पूर्व दिशा की ओर होंगे जो कि शास्त्रों के अनुसार अनुचित और अशुभ माने जाते हैं। पूर्व में सूर्य की ऊर्जा का प्रवाह भी होता है और पूर्व में देवी-देवताओं का निवास स्थान भी माना गया है। सोने के तीन से चार घंटे पूर्व जल और अन्न का त्याग कर देना चाहिए।

-सुशील अग्रवाल

प्रत्यूष

डायबिटीज से बचें जीवनशैली बदलें

जीवनशैली से जुड़ी आज की सबसे अधिक गंभीर बीमारी डायबिटीज अपने आप में मुश्किल पैदा करने वाली तो है ही, यह शरीर में अन्य बीमारियों को भी गंभीर बना देती है। अगर आप डायबिटीज के रोगी हैं तो स्वस्थ जीवन के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

शमीम खान

विडायबिटीज जीवनशैली से जुड़ी एक लाइलाज बीमारी है। खानपान को नियंत्रित कर, नियमित रूप से व्यायाम और उचित दवाओं के सेवन से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। डायबिटीज बीमारी नहीं, बल्कि मेटाबोलिक सिंड्रोम है, जो कई बीमारियों का घर है। अगर समय रहते इसका पता नहीं चल पाए और इसे नियंत्रित न किया जाए तो किडनी फेल होने, ब्रेन स्ट्रोक, रेटिनोपैथी, हार्ट अटैक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

क्या है डायबिटीज

डायबिटीज तब होती है, जब अग्नाशय पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता या जब शरीर प्रभावकारी तरीके से अपने द्वारा स्त्रावित उस इंसुलिन का उपयोग नहीं कर पाता। इंसुलिन एक हार्मोन है, जो रक्त की शर्करा को नियंत्रित रखता है। अनियंत्रित डायबिटीज के कारण रक्त में शर्करा का स्तर काफी बढ़ जाता है, जिसे हाइपरग्लाइसेमिया कहते हैं। डायबिटीज मुख्यतः तीन प्रकार की होती है। टाइप 1 डायबिटीज, टाइप 2 डायबिटीज और गेस्टैशनल डायबिटीज। वैसे इसके एक और प्रकार टाइप 1.5 के मामले भी सामने आ रहे हैं।

बीमारियों का घर है डायबिटीज

डायबिटीज जितनी पुरानी होती है, ब्लड शुगर उतनी अनियंत्रित होती जाती है। इससे कई जटिलताएं विकसित हो जाती हैं। समय के साथ शरीर के कई अंग बेकार हो सकते हैं या जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है।

5 डायबिटीज पीड़ितों में एक भारतीय

34	करोड़ 10 लाख लोग हैं डायबिटीज से पीड़ित पूरी दुनिया में
08	में से एक भारतीय को या तो डायबिटीज है या डायबिटीज होने का खतरा है
20	प्रतिशत डायबिटीज पीड़ित भारतीय हैं, विश्वभर के डायबिटीज पीड़ितों में
90	प्रतिशत होते हैं डायबिटीज 2 के मामले
50	प्रतिशत ऐसे लोग कार्डियोवस्क्युलर डिजीज (प्रमुख रूप से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक) से मर जाते हैं।
10	प्रतिशत होते हैं डायबिटीज 1 के मामले
23	प्रतिशत मामले दिख रहे हैं किशोरों में डायबिटीज / डायबिटीज के लक्षण।
20	प्रतिशत तक लोगों की मौत का कारण किडनी फेल होना होता है।
10	ऐसे व्यक्तियों में से 1 फुट अल्सर होता है।
04	गुना तक बढ़ जाती है ह्रदय रोग या स्ट्रोक की आशंका अगर आप डायबिटीज के रोगी हैं।

कार्डियोवस्क्यूलर रोग

डायबिटीज विभिन्न कार्डियोवस्क्यूलर बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है, जिसमें कोरोनरी आर्टरी डिसीज, छाती में दर्द (एंजाइना), हार्ट अटैक, स्ट्रोक और धमनियों का संकरा हो जाना प्रमुख हैं।

तंत्रिकाओं का क्षतिग्रस्त होना (न्यूरोपैथी)

रक्त में शुगर की अधिक मात्रा छोटी रक्त नलिकाओं, जिन्हें कैपिलरीज कहते हैं, को क्षति पहुंचा सकती है। यह तंत्रिकाओं को पोषण देती हैं, विशेषकर पैरों में। इससे पैरों में झुनझुनी

आना, पैर सुन्न हो जाना, जलन होना या दर्द होना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। उपचार नहीं कराया जाये तो प्रभावित भाग की संवेदनाएं समाप्त हो जाती हैं।

किडनी का क्षतिग्रस्त होना (नेफ्रोपैथी)

किडनी में लाखों रक्त नलिकाएं होती हैं, जो रक्त से व्यर्थ पदार्थों को छानती हैं। डायबिटीज इस नाजुक फिल्टरिंग सिस्टम को क्षतिग्रस्त कर सकती है। इसके क्षतिग्रस्त होने से किडनी फेलियर या गंभीर किडनी रोग हो सकता है, जिसमें किडनी ट्रांसप्लांट या डायलिसिस की आवश्यकता पड़ सकती है।

पैरों की समस्याएं

पैरों की तंत्रिकाएं क्षतिग्रस्त होने या पैरों में रक्त का प्रवाह कम होने के कारण खतरा बढ़ जाता है। अगर इसका समय रहते उपचार नहीं कराया जाए तो मामूली रूप से कटने या फफोले होने से भी गंभीर संक्रमण हो सकता है। इससे होने वाले फुट अल्सर के कारण पैर कटने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

दांतों से संबंधित समस्याएं

डायबिटीज से दांतों और मसूड़ों से संबंधित समस्याएं हो जाती हैं, जिसे जिंजिवाइटिस और पीरियोडोन्टिस कहते हैं। डायबिटीज से पीड़ित लोगों में शुगर का स्तर बढ़ने से प्लॉक अधिक और लार कम बनने लगती है। डायबिटीज के कारण कई लोगों में मसूड़ों में रक्त संचरण प्रभावित होता है। इससे मसूड़ों के उतकों में पाये जाने वाले कोलेजन प्रोटीन में भी कमी आ जाती है, जिससे मसूड़े कमजोर हो जाते हैं।

ब्लड शुगर टैस्ट

ब्लड शुगर टैस्ट में यूरीन की जांच कर रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

जांच कब शुरू करें

45 की उम्र में, लेकिन अगर आपका भार और ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक है या इस बीमारी का पारिवारिक इतिहास है तो युवा अवस्था में ही शुरू कर दें।

कितने अंतराल के बाद

तीन साल में एक बार, पारिवारिक इतिहास होने पर प्रतिवर्ष कराएं।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करने वाली चीजें

- **मेथी :** मेथी के बीज न सिर्फ ब्लड ग्लूकोज को कम करते हैं, बल्कि इंसुलिन, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करते हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाते हैं।
- **एलोवेरा :** एलोवेरा की पत्तियों में मौजूद जैली या एलोवेरा के जूस का सेवन प्रभावी
- **ग्रीन टी :** बिना चीनी ग्रीन टी का सेवन इंसुलिन लेवल में सुधार कर खून में ग्लूकोज कम करने में मदद करता है। इसमें ईजीसीजी एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।
- **नीबू :** नीबू में विटामिन सी होता है, जो खाने में ग्लिसिमिक इंडेक्स को कम रखता है। खाने पर नीबू निचोड़ लें या खाने के बाद पानी में नीबू का रस मिला कर पिएं।
- **लहसुन :** ग्लूकोज का स्तर कम करता है और फ्री इंसुलिन को बढ़ाता है।
- **करेला :** अधिक ग्लूकोज को ग्रहण करता है और खून में ग्लूकोज के निर्माण को कम करता है।
- **पालक :** पालक में मैग्नीशियम प्रचुर मात्रा में होता है। विभिन्न शोधों के अनुसार टाइप – 2 डायबिटीज को रोकने में मैग्नीशियम बेहद मददगार होता है।

इनसे रहें दूर

चीनी, तली–भुनी चीजें, डेयरी उत्पाद, चाय और कॉफी, तंबाकू और शराब, आलू, गाजर, चावल, केला और ब्रेड जैसे अधिक कार्बोहाइड्रेट वाले पदार्थ।

SOMCO TYRES

S.M. Sethia, Director
+91-9829041299

Amit Sethia, Director
+91-9414157880

Authorised Distributors & Dealers of Tyre, Tube & Flap

Authorised Dealers

apollo TYRES · JK TYRE · BIRLA TYRES · GOODYEAR · TVS TYRES · BKT

Authorised Distributors

Apollo International Ltd: OTR & Farm Tyres for Rajasthan
ATG (A Group Co. of Yohohama Tyres, Japan)
OTR & Farm Tyres for South & East Rajasthan

5A, Near Town Hall, Udaipur Ph.: 0294-2525880, 2416145
somcotyres@gmail.com

बहुआयामी यात्रा का विराम

गायत्री परिवार के वरिष्ठ साधक, धर्मानुरागी शिक्षाविद श्री रामस्वरूप पंचोली अब हमारे बीच नहीं रहे। उनका 14 अगस्त 2024 को 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इनका जन्म 21 अक्टूबर 1925 को यज्ञपुर (जहाजपुर) में धन्नालाल जी ब्रजदेवी जी पंचोली के घर हुआ। पिता सरकारी नौकरी (राजस्व अधिकारी) में रहने के साथ ही आयुर्वेद के अच्छे ज्ञाता थे। अजमेर के डीएवी कॉलेज से बीए की शिक्षा के बाद पंचोली जी ने उदयपुर के विद्याभवन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज से

शिक्षा स्नातक की डिग्री हासिल की और बाद में राजस्थान विश्वविद्यालय से स्नोतकोत्तार डिग्री प्राप्त की। बाल्यावस्था में ही आपका विवाह पानदेवी जी सुपुत्री जेठमल जी पंडिता के साथ हुआ। 1948 में पत्नी के निधन के बाद दूसरा विवाह उदयपुर के प्रतिष्ठित देवकीनन्दजी भुवालिया परिवार में कमलादेवी जी के साथ हुआ। पंचोली जी ने 1942 से शिक्षक के रूप में अपना कॅरियर प्रारंभ किया और 1980 में सेवानिवृत्त हुए। इस दौरान आपने प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी, शिक्षा प्रसार अधिकारी स्काउट में सर्कल आर्गेनाइजेशन सेक्रेट्री के रूप में भी उल्लेखनीय कार्य कर पुरस्कार व सम्मान अर्जित किए। शिक्षा के क्षेत्र में आपके कई नवाचार आज भी याद किए जाते हैं। सेवा निवृत्ति के बाद आप समाज सेवा व गायत्री परिवार से सम्बद्ध रहे। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य के रूप में आपकी प्रजामंडल में भी सक्रियता रही। वरिष्ठ नेता श्री माणिक्य लाल जी वर्मा, मोहनलाल जी सुखाड़िया, इंदुबाला सुखाड़िया, निरंजननाथ जी आचार्य, हनुमान प्रभाकर, वृद्धिशंकर जी शर्मा हितैषी, गिरिधारी लाल जी शर्मा, गुलाब सिंह जी शक्तावत, हीरालाल जी देवपुरा, रोशनलाल जी शर्मा डॉ. गिरिजा व्यास आदि के नेतृत्व में आपने अनेक सामाजिक आंदोलनों में भाग लिया। व अनेक शैक्षिक व सामाजिक संगठनों से भी जुड़े रहे। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती कमला जी के साथ पुत्र सुदर्शन पंचोली पुत्रियां मंजूतिवारी, मालती देवी, सीमा देवी, रेखा देवी व उनका सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। पुत्री सीमा पंचोली कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री होने के साथ ही इस समय प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव भी हैं।

-रेणु शर्मा

देवराज को सजल नेत्रों से विदाई

उदयपुर। राजकीय उमावि, भटियानी चौहट्टा में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत एक समुदाय विशेष के छात्र ने अपने ही सहपाठी देवराज मोची को 16 अगस्त को स्कूल के बाहर ही चाकू मार कर गंभीर रूप से जखमी कर दिया। जिसने चार दिन तक जीवन और मौत से संघर्ष करते हुए अन्तत: 19 अगस्त की शाम एम.बी. हॉस्पीटल में दम तोड़ दिया। घटना वाले दिन पूरा उदयपुर अशान्त रहा और तोड़ फोड़ व आगजनी की कुछ घटनाओं को देखते हुए प्रशासन को कड़े इन्तजाम करने पड़े। मृत बालक का 20 अगस्त को प्रात: कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच अन्तिम संस्कार कर दिया गया। शवयात्रा में सर्व समाज के सैंकड़ों लोगों ने भाग लेकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रशासन ने माता-पिता नीमा-पप्पू मोची व बहिन सुहानी को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। घटना की पूरे प्रदेश में निंदा कर आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग की गई हैं।

JKcement

JK SUPER CEMENT BUILD SAFE | JK SUPER STRONG CONCRETE SPECIAL BUILD SAFE | JK SUPER PROTECT Weather Shield BUILD SAFE

Salute The Nation!

15 AUGUST

Happy INDEPENDENCE DAY

Build Your **DREAM HOME**

Without our **Solid Assurance of Safety & Durability**

Choose from our range of world class cements.

Corporate Office :
Prism Tower, 5th Floor,
Ninaniya Estate, Gwal Pahari,
Gurugram - 122102, Haryana

consumer.care@jkcement.com

Helpline No.
1800 266 4606

प्रत्यूष

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर प्रथम पूज्य विनायक को प्रसन्न करें। उनके मनपसंद और बनने में भी आसान व्यंजनों से....

गजानन को लगाएं खास भोग

कमला गौड़

बेसन के लड्डू

सामग्री

- बेसन – 500 ग्राम
- घी – 400 ग्राम
- चीनी – 500 ग्राम
- इलाइची – 8–10
- काजू – 50 ग्राम

विधि: कढ़ाई में घी डाल कर गरम करें और घी में बेसन डाल कर कलछी चलाकर बेसन भूने। जब बेसन का रंग ब्राउन होने लगे और बेसन से सुगन्ध आने लगे तो उसमें एक टेबल स्पून पानी के छीटें लगा दें, जिससे बेसन में झाग आएंगे और दाने बन जाएंगे, जो लड्डू का स्वाद बहुत अच्छा कर देंगे। झाग खत्म होने तक बेसन भून लें। आंच बद कर भूने हुए बेसन को ठंडा होने दें। एक काजू के 6–7 टुकड़ों करते हुए सारे काजू काट लें। इलाइची को पीस लें। चीनी को पिघला कर उसे भी दानेदार तगार बना दें और उस तगार को बेसन में मिलाएं तो लड्डू अधिक स्वादिष्ट बनेंगे। जब बेसन हल्का गर्म हो तब उसमें तगार, इलाइची और काजू के टुकड़े डाल कर अच्छी तरह मिला कर गोल–गोल लड्डू बना लें।

केसरी मोदक

सामग्री : ■ दूध – पांच कप ■ चीनी – डेढ़ कप ■ ताजा नारियल – एक ■ केसर – दो छोटे चम्मच ■ पिसी इलायची – एक छोटा चम्मच ■ खोया – पौन कप ■ पिस्ता कतरन – सजाने के लिए

यूं बनाएं

सबसे पहले दो बड़े चम्मच गर्म दूध में केसर घोलें। ताजा नारियल के भूरे वाले छिलके को हटा कर मिक्सी में पीस लें। अब मोटे पैंदे वाले पतीले में दूध व पिसा नारियल डाल कर इसे गैस पर रखें। बीच–बीच में इसे हिलाते हुए पकाएं। मिश्रण जब गाढ़ा होने लगे तो इसमें दूध में घुली केसर, खोया, चीनी, पिसी इलायची डालकर लगातार हिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण कड़ाही छोड़कर एक जगह इकट्ठा होने लगे तो इसे आंच से उतार कर सांचे की सहायता से मध्यम आकार के मोदक बनाएं और केसर–पिस्ते से सजाएं।

गुड़ की धानी

सामग्री

- गेंहू की धाणी – एक कप
- गुड़ – एक कप
- सौंठ पाउडर – आधा छोटा चम्मच
- बड़ी काली इलायची – दो नग
- काली मिर्च दरदरी – आधा छोटा चम्मच
- घी या तेल – दो बड़े चम्मच

यूं बनाएं

गेहूं की धाणी को बिना घी–तेल के हल्का सेक लें। अब इस धाणी पर गुड़ चढ़ाने के लिए कड़ाही में घी या तेल गर्म करें व गुड़ को तोड़कर इसमें डालें व लगातार हिलाते हुए पकाएं। जब गुड़ पूरी तरह पिघल जाए तो इसमें तैयार की हुई धाणी, सौंठ पाउडर, बड़ी काली इलायची के दाने व दरदरी काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं। जब गुड़ धाणी पर अच्छी तरह चढ़ जाए तो गैस बंद कर दें। तैयार है गुड़ धानी गजानन्द को भोग लगाने के लिए।

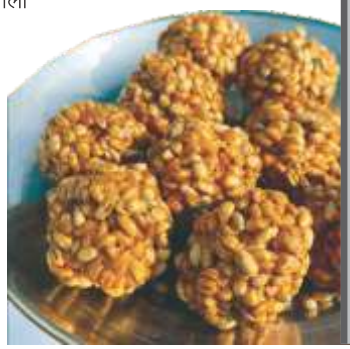

मोदक

सामग्री

- चावल का आटा – एक कप
- ताजा नारियल – डेढ़ कप (कद्दूकस)
- खसखस – आधा छोटा चम्मच
- गुड़ – एक कप
- इलायची पाउडर
- बादाम –पिस्ता – दो–दो बड़े चम्मच
- नमक – एक चौथाई छोटा चम्मच
- केसर – आधा छोटा चम्मच

यूं बनाएं

सबसे पहले पैन में दो कप पानी में नमक डालकर गैस पर रखें। दो–चार उबाल आने पर इसमें चावल का आटा डालकर लगातार हिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक जगह इकट्ठा होने लगे तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। मोदक का भरावन बनाने के लिए पैन में कद्दूकस किया नारियल, गुड़, इलायची, केसर और बादाम–पिस्ते डालकर तीन–चार मिनट पकाएं। गैस बंद कर इन्हें ठंडा होने दें। तैयार चावल के आटे से छोटी–छोटी लोई बनाएं। इनके बीच में नारियल वाला मिश्रण भरकर मोदक बनाएं व इन्हें 10–12 मिनट के लिए भाप पर पकाएं। तैयार मोदक को पिस्ता कतरन से सजाकर गणेश जी को भोग लगाएं।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह आपकी कार्य क्षमता की परीक्षा का हैं, महिने की शुरूआत में किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से बचे, मित्र मंडली के साथ भरपूर आन्नद लें लेकिन वित्तीय लेन–देन से बचें, स्वास्थ्य अच्छा व भाग्य का पूर्ण रूप से साथ रहेगा, विरोधी पक्ष परास्त होगा, आय मध्यम रहेगी।

वृषभ

नौकरी और कारोबार के क्षेत्र में प्रगति बाधित होगी, अच्छी आमदनी की संभावना संपत्ति संबंधी निर्णय को फिलहाल स्थगित ही रखें। यात्रा में परेशानी संभव, राजकीय एवं न्यायिक मामले पक्ष में रहेंगे, माह का उत्तरार्द्ध सकून भरा एवं स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मिथुन

इस माह कुछ बाधाएं आपको परेशान कर सकती हैं। हिम्मत से सामना करें और धैर्यपूर्वक अपना काम करते रहें। आध्यात्मिक गतिविधियों में भाग लेने से राहत देने वाली स्थितियां बनेंगी। माह के उत्तरार्ध में मन में अशांति एवं आत्मबल में कमी महसूस करेंगे। स्थान परिवर्तन संभव, आय पक्ष मजबूत रहेगा।

कर्क

कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों को निभाते हुए आपको अधिक सर्तक रहना होगा, माह की शुरूआत थोड़ी प्रतिकुलता के साथ होगी, माह का अंत फलदायी रहेगा। आपकी बातों व व्यवहार का सम्मान होगा, आय पक्ष प्रभावित रहेगा, संतान पक्ष से क्षुब्ध होंगे। स्वास्थ्य पक्ष सामान्य रहेगा।

सिंह

ग्रहों की स्थिति संकेत करती है कि आप वाणी पर नियन्त्रण रखें, संपत्ति से जुड़े लेनदेन में कानूनी मामलों में सर्तक रहें, अपने पुराने बकाया की वसूली कर पायेंगे, अति आत्म विश्वास से दुखदायी भी हो सकता है। व्यापार एवं कार्य क्षैत्र में लाभ की स्थिति रहेगी।

कन्या

सतत प्रयास, दृढ़ता और ईमानदारी कार्य क्षेत्र में सफलता सुनिश्चित करेगी। घरेलु जिम्मेदारियों में वृद्धि होगी, आपके काम पूरे होने में देरी होगी, बुजुर्गों का मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा, माह का उत्तरार्द्ध प्रसन्नता देगा, एवं कुछ नया कर पायेंगे, कार्य क्षैत्र व सामाजिक क्षेत्र में सम्मान मिलेगा।

तुला

इस माह तनाव कम और पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा। महीने के अंत में काम से बाहर जाना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, और यात्रा का आनंद ले। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे, संतान पक्ष से प्रसन्नता लेकिन विरोधियों से सर्तक रहें।

इस माह के पर्व/त्योहार

5 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल द्वितीया	डॉ राधाकृष्णन् जयंती/ शिक्षक दिवस
7 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी	श्री गणेश चतुर्थी /जैन संवत्सरी पर्व
8 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल पंचमी	ऋषि पंचमी
11 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल अष्टमी	राधाष्टमी
13 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल दशमी	बाबा रामदेव मेला /तेजा दशमी
14 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल एकादशी	जल झूलनी एकादशी
16 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी	ईद-ए-मिलाद
17 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल चर्तुदशी	पूर्णिमा / श्राद्धप्रारंभ, अनन्त चर्तुदशी

वृश्चिक

महिने की शुरूआत पर्याप्त आय से होगी। पहले किए गये प्रयासों के कारण उत्साह बढ़ेगा, अपने कार्य क्षैत्र में मिलने वाले अधिकारो का सोच समझकर उपयोग करें, पैतृक मामले सुलझेंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु

यह माह मिश्रित फलदायी रहेगा। जिम्मेदारियों को समझें और उनके अनुरूप व्यवहार करें। माह के अंत में नए अवसर आयेंगे, जिनका लाभ उठाएं। कार्य क्षैत्र में पद्दोन्नति की संभावनाएं हैं, स्थान परिवर्तन संभव, भाई–बहिनों से सम्बन्ध प्रगढ़ होंगे।

मकर

अपनी वित्तीय योजनाओं का अध्ययन कर ही कोई निर्णय लेना होगा, छोटे–बड़े विवादों को बेकार में महत्व न दे अपनी सेहत का ध्यान रखे। भाई–बहिनों से विवाद संभव, संतान पक्ष से पूर्ण सन्तुष्टि, पैतृक सम्पत्ति का स्थाई समाधान संभव।

कुम्भ

अपना काम निकालने के लिए मदुव्यवहार से काम लें, भरोसे के लोगों को विश्वास में लेकर ही वित्तिय लेन–देन करें, सरकारी कार्यों में संभलकर ही रहें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, दाम्पत्य जीवन उत्तम, आय पक्ष मध्यम है।

मीन

सौहार्दपूर्ण व्यवहार से कार्यक्षेत्र में पर आगे बढ़ेंगे। इससे आपके सम्मान में भी वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, पारिवारिक मतभेद की संभावना, माह का उत्तरार्द्ध नई ऊर्जा देगा। वरिष्ठ जनों का मार्ग दर्शन लाभ देगा।

प्रत्यूष समाचार

'फॉदर ऑफ डेमोक्रेसी' थे पं. नेहरू – खेड़ा

उदयपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य पवन खेड़ा ने कहा कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र के संस्थापक पं. जवाहर लाल नेहरू सही अर्थों में भारत में 'फादर ऑफ डेमोक्रेसी' थे। राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद और गुटनिरपेक्षता आदि वे बुनियादी सिद्धांत थे, जिनके मजबूत स्तम्भों पर भारत में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र उनके नेतृत्व में खड़ा एवं मजबूती से विकसित हुआ। खेड़ा गत दिनों मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में राजीव गांधी स्टडी सर्कल के तत्वावधान में आयोजित 'आधुनिक भारत निर्माण और पं. जवाहरलाल नेहरू' विषय पर तृतीय 'प्रो.पी.सी. व्यास स्मृति व्याख्यान' में बोल रहे थे। खेड़ा ने कहा कि नेहरू ने जिस तरह लोकतंत्र के संस्थानों का विकास किया, वह विकास की सबसे बड़ी आधारशिला बना। अध्यक्षीय सम्बोधन में राजीव गांधी स्टडी सर्कल के राष्ट्रीय समन्वयक

प्रो. सतीश कुमार राय ने कहा कि नेहरू आधुनिक भारत के शिल्पी व राष्ट्रीय महानायक थे। कार्यक्रम संयोजक प्रो. दरियाव सिंह चूंडावत ने राजीव गांधी स्टडी सर्कल के संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. पीसी व्यास के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रो. कनिका व्यास, लोक-प्रशासन विभाग के डॉ. गिरिराज सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम में वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, प्रो. आरसी तिवारी, जोधपुर से प्रो. डीएस खींची, प्रो. जेनाराम नागौरा, प्रो. निमाली सिंह, प्रो. बीआर नागौरा व प्रो. अरूण चतुर्वेदी भी मौजूद थे।

मार्बल एसोसिएशन सम्मान समारोह

उदयपुर। उदयपुर मार्बल एसोसिएशन का स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह घनश्याम सिंह कृष्णावत सभागार में हुआ। अहमदाबाद के कार्डियोलॉजिस्ट तथा न्यूरो सर्जन डॉक्टर्स के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। एसोसिएशन अध्यक्ष पंकज गंगावत ने बताया कि उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा एवं वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी ने भाग लिया। रीको के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अजय पंड्या, सुखेर थानाधिकारी हिमांशु राजावत आदि ने मार्बल एसोसिएशन के सदस्यों ने स्वागत किया। वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. लाल डागा तथा वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. सोमेश देसाई ने वर्तमान भागदौड़ भरी जिंदगी व कोरोना महामारी के बाद अचानक आने वाले कार्डिक अरेस्ट तथा न्यूरो बीमारी से सम्बंधित सावधानी के विषय में सुझाव व मार्गदर्शन देते हुए बताया कि हम इन बीमारियों से खुद को कैसे बचा सकते हैं।

नेशनल मेडिकोज अधिवेशन उदयपुर में होगा

उदयपुर। देशभर के मेडिकल एवं दंत चिकित्सकों व विद्यार्थियों के संगठन नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन का राष्ट्रीय अधिवेशन एनएमओकोन-2025 1 व 2 मार्च 2025 को उदयपुर में आरएनटी मेडिकल कॉलेज में होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने नई दिल्ली स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय में इसके पोस्टर का विमोचन किया। यह जानकारी एनएमओ के उदयपुर चैप्टर अध्यक्ष और सेटेलाइट अस्पताल अधीक्षक डॉ राहुल जैन ने दी।

ईडाणा में बनेंगे भक्त निवास

उदयपुर। मेवल क्षेत्र की प्रमुख शक्तिपीठ ईडाणा माता मंदिर में दर्शन दीर्घा विस्तार के साथ भक्त निवास का शिलान्यास गत दिनों हुआ। यहां 61 लाख की लागत से भक्त निवास और 31 लाख रुपए से दर्शन दीर्घा विस्तार किया जा रहा हैं। यह जानकारी ईडाणा माता ट्रस्ट के अंबालाल शर्मा ने दी। ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि मुख्य शिला का शिलान्यास राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया ने किया। वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, जिला प्रमुख ममता कुंवर, भीमसिंह चूंडावत, राष्ट्रीय किंग सेना के अध्यक्ष गगन सिंह राव, भंवर सिंह घोड़च, वल्लभनगर के पूर्व प्रधान हुक्मीचंद सांगावत आदि ने 21 शिलाओं का पूजन किया।

जेके सीमेंट वर्क्स में वन महोत्सव

निम्बाहेड़ा। जेके सीमेंट वर्क्स के गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण होने पर गतदिनों वन महोत्सव के तहत महा वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसका शुभारंभ राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, चित्तौड़गढ़ के यज्ञेश गुप्ता, यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल ने पौधरोपण के साथ किया। सर्वश्री अजयगर्ग, प्रभाकर मिश्रा, राजेश सोनी, यतेन्द्र शर्मा, सी.पी.दक मुरली मनोहर लड्ढा, दीपक तंवर व कर्मचारियों ने भी विविध प्रजातियों के पौधे लगाए।

नंद चतुर्वेदी जन्म शतवार्षिकी परिसंवाद

उदयपुर। नन्द बाबू आधूनिक कविता के पुरोधा थे। कविता उनके लिए मानवानुभूति वाली आत्मानुभूति का विषय था। उक्त विचार साहित्य अकादमी नई दिल्ली तथा नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में नंद चतुर्वेदी जन्मशतवार्षिकी परिसंवाद में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए साहित्यकार नंद किशोर आचार्य ने व्यक्त किए। आचार्य ने कहा कि नंदजी की कविता भी काल बाधित नहीं है। उनकी कविता स्थूल सन्दर्भ से परे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो अरुण चतुर्वेदी ने की। स्वागत उद्बोधन अजय शर्मा सहायक संपादक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने दिया। जबकि नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन के सचिव डॉ अनुराग

चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. पल्लव नंदवाना द्वारा संपादित और राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित नन्द चतुर्वेदी की रचनाओं का चार खंडों का संकलन नन्द चतुर्वेदी रचनावली का भी लोकार्पण किया गया।

गोलछा की स्मृति में रक्तदान

उदयपुर। आर.के गोलछा की 34वीं पुण्यतिथि पर गत दिनों आर.के गोलछा चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थानीय इकाई गोलछा पॉलिक्लिनिक एवं मेसर्स एसोसिएटेड सोपस्टोन डिस्ट्रीब्यूटिंग कम्पनी के संयुक्त तत्वाधान में 18वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 66 यूनिट रक्त लोकमित्र ब्लड बैंक द्वारा संग्रहित किया गया। शिविर प्रभारी यशवंत पालीवाल ने बताया कि पूर्व क्रिकेट अम्पायर बलवंत शर्मा, प्रदीप श्रीमाली, जाकिर हुसैन, वीशूराय, निविदिता जोशी ने स्व. गोलछा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण कर शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रक्त वीर रविन्द्रपाल सिंह कप्पू, डॉ. महेन्द्र श्रीमाली भी उपस्थित थे। शिविर की अध्यक्षता गोलछा एसोसिएटेड के एवीपी ओम प्रकाश सैनी ने की।

डॉ. लुहाड़िया ने थोरेकोस्कॉपी जांच के बारे में बताया

उदयपुर। जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय थोरेसिक एंडोस्कोपी सोसाइटी सम्मेलन टेस्कॉन

में डॉ. अतुल लुहाड़िया ने बतौर फैकल्टी भाग लिया। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल लुहाड़िया ने दूरबीन थोरेकोस्कॉपी जांच के बारे में बताया एवं अपने अनुभव साझा किए। डॉ. लुहाड़िया ने चिकित्सकों से अपील की है कि सीने में पानी भरने के निदान के लिए बार-बार सुई से पानी निकालने की बजाए थोरेकोस्कॉपी कर बायोप्सी करवानी चाहिए ताकि समय पर निदान व इलाज आरंभ किया जा सके।

गीता तिवारी को पीएच. डी उपाधि

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि ने शिक्षा संकाय में गीता तिवारी को 'जनजातीय क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के शैक्षिक प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक सहभागिता का अध्ययन' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की है। शोध कार्य डॉ. अनिता कोठारी के निर्देशन में पूर्ण किया।

नीरजा मोदी स्कूल छात्र कार्यकारिणी

उदयपुर। नीरजा मोदी स्कूल में गतदिनों इंवेस्टेचर सेरेमनी हुई। इस अवसर पर स्कूल हेड बॉय, स्कूल हेड गर्ल, डेप्यूटी हेड बॉय, डेप्यूटी हेड गर्ल, हाऊस कैप्टन, कल्चरल कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन, क्लास प्रिफेक्ट आदि चुने गए। इसके बाद सभी को शपथ दिलाकर पदभार ग्रहण कराया। चेयरमैन डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने हेड बॉय दैविक वीरवाल, हेड गर्ल तेजश्री शर्मा आदि कार्यकारिणी को शोल्डर बैज पहनाकर अपने-अपने पदभार को ग्रहण करने की बधाई दी।

रियल गोल्ड रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप

उदयपुर। सेंट्रल एकेडमी सरदारपुरा में गत दिनों 19वीं आमंत्रित रियल गोल्ड रोलर

स्केटिंग चैम्पियनशिप सम्पन्न हुई। जिसमें विभिन्न राज्यों के 168 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि एडवोकेट कंचन सिंह हिरण, विशिष्ट अतिथि सेंट्रल एकेडमी के संस्थापक संगम मिश्रा, सौरभ पालीवाल, अंजलि श्रीवास्तव, पराक्रम सिंह चूंडावत, दीपिका कंवर, डॉ. देवेन्द्र सिंह, उमेश भारद्वाज व राकेश पोरवाल थे।

महेश पावर कार्ड से जुड़ने का आह्वान

उदयपुर। नगर माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संगठन के 73 सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष मयंक मूंदड़ा ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्यों ने लाभगढ़ रिसोर्ट के समीपवर्ती पहाड़ी पर पौधे रोपे और धरा को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। अध्यक्ष ने लॉन्च किए जा रहे महेश पावर कार्ड का प्रस्तुतीकरण भी दिया। अब तक सवा सौ से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान महेश पावर कार्ड योजना से जुड़कर सदस्यों को छूट देने पर सहमति का करार कर चुके हैं।

युग चेलानी का शानदार प्रदर्शन

उदयपुर। सेंट एंथोनी स्कूल के छात्र युग चेलानी ने हाल ही में कोटा में आयोजित 73वें सीनियर राज्य एक्वाटिक चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। प्रिंसिपल विलियम डिसूजा ने बताया कि 26 से 28 जुलाई तक कोटा में आयोजित प्रतियोगिता में युग ने पांच व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते और 400 मीटर 200 मीटर मी आईएम 400, 200 मीटर फ्री स्टाइल 200 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा युग चेलानी का सम्मान किया गया।

डॉ. सोजतिया चेयरमैन, लोढ़ा सचिव

उदयपुर। उदयपुर राउण्ड टेबल 253 की वर्ष 2024-25 की वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से डॉ. ध्रुव सोजतिया को चेयरमैन एवं अर्पित लोढ़ा को सचिव बनाया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष कुणाल बागरेचा, कोषाध्यक्ष संभव बाठिया, निवर्तमान चेयरमैन अनीष चौधरी को शामिल किया गया।

'सनाढ्य सरिता' का विमोचन

उदयपुर। सनाढ्य समाज की पत्रिका के रजत जयंती विशेषांक का जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विमोचन किया। समारोह में कोटा (दक्षिण) के विधायक संदीप शर्मा, उदयपुर संभागीय अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा, कोटा सनाढ्य ब्राह्मण महासभा समिति के संरक्षक राजेन्द्र शर्मा एवं अध्यक्ष ओम प्रकाश टंकारिया आदि मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजोत्थान में सामाजिक साहित्य की उत्प्रेरक भूमिका से समाज तेजी से विकास कर पाता है।

डॉ. महेश नए खेल अधिकारी

उदयपुर। डॉ. महेश पालीवाल ने गत दिनों जिला खेल अधिकारी एवं सदस्य सचिव महाराणा प्रताप खेलगांव सोसायटी का कार्यभार संभाला। उन्होंने बताया कि मेवाड़ में प्रतिभाओं की कमी नहीं है लेकिन उन्हें सही समय पर सही ट्रेनिंग नहीं मिलने से वे आगे नहीं बढ पाती। अब कोशिश की जाएगी कि उन्हें आगे बढ़ाया जाए। इस मौके पर सुधीर बक्षी जिला ओलम्पिक संघ अध्यक्ष, हेमराज सचिव जिला ओलम्पिक संघ, पूर्व जिला खेल अधिकारी ललित सिंह झाला, विक्रम सिंह चंदेला, के.जी मूंदड़ा, देवेन्द्र जावलिया, मुरलीधर सोनी, डॉ भीमराज पटेल, डॉ हेमराज चौधरी, मुकेश बारबार, हितेष शर्मा, डॉ दीपेन्द्र चौहान सहित कई खेल हस्तियां मौजूद थीं।

जैनम - 13 फेयर सम्पन्न

उदयपुर। जैन जागृति सेंटर महिला शाखा उदयपुर की ओर से ऑर्बिट रिसोर्ट में तीन दिवसीय जैनम - 13 फेयर सम्पन्न हुआ। शुभारंभ जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल व उनकी पत्नी ने किया। संरक्षिका पिंकी मांडावत ने बताया कि फेयर जैनम का इंतजार शहरवासियों को पूरे साल रहता है। इस मौके पर संयोजिका सुमन लूणदिया, सह-संयोजिका सुशीला मेहता, सांस्कृतिक मंत्री रेखा हड़पावत, कुसुम भंसाली, सुशीला मांडावत, अपला जैन, कुसुम जैन, शशि चव्हाण समेत सेंटर की महिलाएं मौजूद रही।

राठी बने महेश संस्थान के अध्यक्ष

उदयपुर। भुवाणा स्थित महेश सेवा संस्थान के हाल ही सम्पन्न 12 निदेशकों के चुनाव के बाद सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी सुरेश न्याती ने बताया कि अध्यक्ष राजेश राठी को चुना गया। सचिव ललित, उपाध्यक्ष जितेंद्र ईनाणी एवं लक्ष्मीकांत मूंदडा, कोषाध्यक्ष हितेष भदादा, सह कोषाध्यक्ष भगवती लाल धुप्पड़ एवं सह सचिव संजय मालीवाल चुने गए। राधेश्याम तोषनीवाल, नारायण लाल असावा, गोविंद लाल लावटी, रामबाबू खटोड़, राकेश काबरा कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

जीबीएच के डॉ. बड़जात्या को द्रोणाचार्य पुरस्कार

उदयपुर। वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट एवं अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में नेफ्रोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. मुकेश बड़जात्या को अवतार इंडिया (एसोसिएशन ऑफ वेस्कुलर इंटरवेंशनल रीनल फिजिशियन ऑफ इंडिया) की ओर से गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. बड़जात्या राजस्थान से इस वर्ष एकमात्र नेफ्रोलॉजिस्ट हैं, जिन्हें यह पुरस्कार दिया गया है। उदयपुर पहुंचने पर जीबीएच के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा, डायरेक्टर डॉ. सुरभि पोरवाल, डीन डॉ. विनय जोशी ने स्वागत किया।

डॉ. पोसवाल शिशु रोग विभागाध्यक्ष नियुक्त

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. लाखन पोसवाल को शिशु रोग विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल दो साल तक रहेगा। गौरतलब है कि डॉ. पोसवाल आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य भी रह चुके हैं। वर्ष 2022 में उन्हें राज्य स्तर पर बेस्ट प्रिंसीपल का अवार्ड मिल चुका है।

विद्यापीठ के कुलपति प्रो. सारंगदेवोत का अभिनंदन

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोत के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में व्याख्यान देकर लौटने पर संस्कृत भारती उदयपुर की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संस्कृत भारती के विभाग सह संयोजक नरेन्द शर्मा ने कहा कि विश्व की द्वितीय रैंक प्राप्त कैंब्रिज विश्वविद्यालय में 8 से 11 अगस्त तक हुई ग्लोबल रिसर्च कांफ्रेंस में कुलपति प्रो. सारंगदेवोत ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने सतत विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते वक्तव्य दिया। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने कहा कि प्रो. सारंगदेवोत ने शिक्षाविद् के रूप में भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को विश्व के उच्च प्रतिष्ठान में प्रसारित कर मेवाड़ के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर मंगल कुमार जैन, दुष्यंत नागदा, डॉ. चन्द्रेश छतलानी, डॉ. यज्ञ आमेटा, विकास डांगी, हेमंत साहू, हिमांशु भट्ट आदि उपस्थित रहे।

सचिव कट्टा ने कार्यभार संभाला

उदयपुर। खनन परियोजनाओं के पुनर्मूल्यांकन को लेकर गठित राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण के सहयोग के लिए उदयपुर जोन की राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन समिति के सदस्य, सचिव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जयपुर के अपर मुख्य पर्यावरण अभियंता विनय कट्टा ने गतदिनों कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने समिति सदस्यों की बैठक ली और विविध कार्यों पर चर्चा की। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के तहत सेवानिवृत सीसीएफ एवं एनटीसीए मेम्बर राहुल भटनागर की अध्यक्षता में उदयपुर जोन के लिए गठित एसईएसी-4 में कट्टा को सदस्य सचिव मनोनीत किया गया है। वहीं, उदयपुर के ओमप्रकाश शर्मा, नवीन कुमार व्यास, सतीश कुमार श्रीमाली व डॉ. अनुपम भटनागर को सदस्य बनाया है। कमेटी का कार्यक्षेत्र उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा रहेगा।

मनोज साहू कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर। साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश तेली और राष्ट्रीय संरक्षक सत्यनारायण मंगरोरा की अनुशंसा पर मनोज साहू को अखिल भारतीय तेली महासभा का राजस्थान युवा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नमकीन संगठन के पदाधिकारी आए, व्यापार पर चर्चा

उदयपुर। नेशनल फैडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मेन्यूफैक्चरर इंडिया (एन एफ एन एम आई) के राष्ट्रीय पदाधिकारी गत दिनों उदयपुर आए। इनका राजस्थान के संयोजक सुखलाल साहू के नेतृत्व में मिष्ठान-नमकीन व्यापारियों ने स्वागत किया और व्यवसाय को बढ़ावा देने पर चर्चा की। जिसमें हल्दीराम भुजिया वाला के निदेशक मधुसुदन अग्रवाल, बीकाजी के दीपक अग्रवाल, बीकानेर वाला (बीकानों भुजिया) के राकेश अग्रवाल, फैडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मेन्यूफेक्चरर इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव विक्रम अग्रवाल मौजूद रहे।

मूंदड़ा अध्यक्ष, प्रभात सचिव

उदयपुर। नगर माहेश्वरी युवा संगठन की बैठक में गठित नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष गजेंद्र मूंदड़ा, सचिव प्रभात अजमेरा, कोषाध्यक्ष सुनील झंवर को नियुक्त किया गया। यह निर्णय संगठन के संरक्षक कमलेश धुपड़ की उपस्थिति में हुआ।

आलिया को तैराकी में कांस्य पदक

उदयपुर। हाल ही में संपन्न 7वीं नेशनल फिन स्वीमिंग चैंपियनशिप में डीपीएस स्कूल के छात्रों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। आलिया सक्सेना ने 100 मीटर फ्री स्टाइल तथा 4 गुणा 100 मीटर मिक्स रिले में कांस्य पदक जीता। साथ ही तनुश सक्सेना, राधा झांझड तथा मीराया राकेचा ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल में भाग लिया। प्राचार्य संजय नरवरिया ने तैराकी के कोच दीपक पंवार और छोत्रों को बधाई दी।

रॉयल ने विजय जुलूस निकाला

उदयपुर। कालका माता स्थित रॉयल इंस्टीट्यूट उदयपुर का सीयूईटीऔर जेईटी परीक्षा में शानदार परिणाम रहने पर गत दिनों विजय जूलूस आयोजित किया गया। इस वर्ष भी संस्थान ने परीक्षा में बेहतर परिणाम देकर उदयपुर में अपनी पहचान कायम रखी है। संस्थान के निदेशक जी.एल.कुमावत ने बताया कि छात्रों ने इस वर्ष कड़ी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई की, जिसका परिणाम है यह विजय जुलूस। जूलूस का समापन मेन कैंपस प्रांगण में हुआ, जहां सभी छात्रों को सम्मानित किया गया और उन्हें संस्थापक कुमावत ने प्रेरणादायी उद्बोधन कर आगे की पढ़ाई के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री सुरेश सिंह जी मेहता का 19 जुलाई को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती आशा देवी, पुत्र भास्कर व मयंक, भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

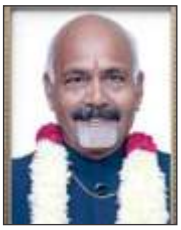

उदयपुर। श्री कृष्ण गोपाल जी दुर्गावत का 21 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती इन्द्रा देवी, दीप्ति-कपिल व ज्योति-सुमित (पुत्री-दामाद), भाई-भतीजों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री मोहन लाल जी लोलावत (जैन) का 26 जुलाई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती भंवरी देवी, पुत्र लोकेश, पौत्र-पौत्री व भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। सेवानिवृत्त प्राचार्य श्रीमती ओमलता गर्ग का 27 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोककुल पुत्र प्रमोद कुमार, सुनील व गोपाल गर्ग, पुत्री बीना अग्रवाल, पौत्र-पौत्री व दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री हेम शंकर जी दीक्षित का 27 जुलाई को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पुत्र पुनीत, पुत्रियां श्रीमती रेखा भार्गव, अलका औदिच्य, अनुपमा शर्मा, भावना पंड्या व निकिता औदिच्य सहित पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. एच.एन.एस भटनागर की धर्मपत्नी श्रीमती सविता देवी का 3 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र विवेक व डॉ. विशाल, पुत्री डॉ विधि, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं देवर-देवरानियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। स्व. श्री श्यामलाल जी भल्ला की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन देवी जी का 22 जुलाई को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त पुत्र कपिश भल्ला, पौत्र-पौत्री तुषार-पूजा, दर्श, दर्शिता देवर-देवरानियों एवं पड़ पौत्र-पड़ पौत्री का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती भगवती देवी जी सिंघवी (धर्मपत्नी श्री खूब चंद जी सिंघवी) का 22 जुलाई को 90 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र प्रकाश, पुत्रियां श्रीमती शांता, कैलाश देवी, तिलक व संगीता देवी, पौत्र अर्पित, पौत्री श्वेता सहित देवर-देवरानी एवं दोहित्र-दोहित्रियों व ननद बाई का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती मनसुख देवी जी सिंघवी गंगापुर वाला का 26 जुलाई को संथारापूर्वक देवलोक गमन हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल पुत्र दीपक, पुत्रियां श्रीमती संगीता सेठिया, सुनीता बीकानेरिया व सरिता पगारिया सहित जेठ-जिठानी, देवर-देवरानी पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती बसंती कुमारी (धर्मपत्नी स्व. शांतिलालजी करण पुरिया) का 5 अगस्त को संथारापूर्वक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र प्रकाश पोरवाल, जेठ-जिठानियों, देवर-देवरानियों एवं भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री अम्बालाल जी धाकड़ का 5 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पत्नी श्रीमती सुन्दरदेवी, पुत्र प्रकाश चंद्र, पुत्रियां श्रीमती दीपिका धुप्या, कुसुम सिंघवी, साधना लोढ़ा तथा पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती देवकी बेन पटेल (धर्मपत्नी स्व. श्री रामजी भाई) का 29 जुलाई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पुत्र कांति भाई व विनोद भाई, पौत्र-पौत्रियों व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। वरिष्ठ अधिवक्ता श्री गोपीलालजी एरन का 4 अगस्त को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रकला देवी, पुत्र हिम कुमार व दीपक, पुत्रियां श्रीमती मंजू व सीमा देवी पौत्र, दोहित्र-दोहित्री, भाई-भतीजों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। सलूम्बर से भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा (65) का 7 अगस्त देर रात उदयपुर में हृदयघात से निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें, महाराणा भूपाल चिकित्सालय ले जाया गया था, जहां मृत घोषित कर दिया गया। 8 अगस्त को अंतिम संस्कार से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके पैतृक आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार को ढांढस बंधाया। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संवेदना व्यक्त की। विधायक मीणा 7 अगस्त शाम को ही जयपुर से उदयपुर लौटे थे। वे तितरड़ी में अपने एक रिश्तेदार के आवास पर थे, जहां अचानक तबीयत बिगड़ गई।

प्रत्यूष परिवार की हार्दिक श्रद्धांजलि

JAI DRISHTI Eye Hospital

केशलेस सुविधा उपलब्ध

RGHS

मोतियाबिंद ऑपरेशन

मोतियाबिंद ही नहीं, चश्मा भी हटाएं।

PanOptix® • Vivity® • Tecnis®

जय दृष्टि आई हॉस्पिटल

स्पष्ट दृष्टि, साफ़ बात

99829-96666

सरस

उदयपुर डेयरी

सरस शॉप एजेंसी पाने हेतु आवेदन

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सरस दूध/दुग्ध उत्पाद विक्रय के लिए शॉप एजेंसी हेतु संपर्क करें

0294-2640188, 0294-2941773

उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., उदयपुर

गोवर्धन विलास, अहमदाबाद रोड, उदयपुर (राज.) 313 001

Constructing Values
SEMANTICS
INFRA PROJECTS
A COMPLETE CONSTRUCTION SOLUTION
Engineering
Procurement
Construction
Project Management Consultancy
CLIENTELE
Sidhartha Marbles & Granites
MARUTI SUZUKI
Technoy Motors Pvt. Ltd.
MARUTI SUZUKI
Audi Motors Pvt Ltd
GRIL
GR Infraprojects Ltd.
Mahindra
Daksh Auto India Pvt Ltd
PANDAY GROUP OF INDUSTRIES
pure excellence since 1952
RAJASTHAN BARYTES
MAAD
CHOUDHARY OFFSET PVT. LTD.
Quality printing is our tradition...
ESPRIT STONES
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY
Spectrum Tech 'N' Fab
A COMPLETE ENGINEERING SOLUTION
Metal Fabrications
Engineering Job
Plant & Machinery
Erection & Certification
Innovative Manufacturing Solution
Engineering Consultancy
CLIENTELE
ADITYA BIRLA
UltraTech
PREM MARBLES
WIS
WITTY INTERNATIONAL SCHOOL
MAAD
CHOUDHARY OFFSET PVT. LTD.
Quality printing is our tradition...
RAJASTHAN BARYTES
Sidhartha Marbles & Granites
TECHNOY MOTORS
MARUTI SUZUKI
Mine Infotech
GRIL
HRH Group of Hotels
UDAI KOTHI
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY
।। सिंघवी श्री ।।
Near Thokar Chouraha, Ayad Road
Udaipur, Rajasthan– 313001, INDIA
info@spectrumtechnfab.com spectrumtechnfab@gmail.com www.spectrumtechnfab.com www.singhviindustries.com
SINGHVI GROUP OF INDUSTRIES
SINGHVI CHEMICALS, || SINGHVI AUTOMOBILES, || SUDHA CHEMICALS
SPECTRUM TECH N FAB, || SEMANTIC INFRA PROJECTS

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

हिन्दुस्तान ज़िंक के 'इकोजेन' एशिया के पहले कम कार्बन वाले 'ग्रीन' ज़िंक के साथ मिल कर रखें भारत के मजबूत विकास की नींव

आप सभी को 78 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

• रिन्यूएबल एनर्जी के उपयोग से बने, इकोजेन में उत्पादित ज़िंक के प्रति टन कार्बन समतुल्य 1 टन से भी कम कार्बन फुटप्रिंट है • वैश्विक औसत की तुलना में 75 प्रतिशत कम ग्लोबल वार्मिंग की खासियत • इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में लगभग 400 किलोग्राम का कुल कार्बन उत्सर्जन की बचत • स्टील, ऑटोमोटिव, इंफ्रास्ट्रक्चर और सनराइज सेक्टर जैसे रिन्यूएबल एनर्जी, हाई टेक मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में उपयोग किये जाने वाले उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला।

EcoZen
Low carbon zinc

SAFE SMART SUSTAINABLE

यहां स्कैन कीजिये और जानिये किस तरह गैल्वेनाइज्ड जिंक, इंफ्रास्ट्रक्चर, भवन और स्मारक समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. Contact No: +91 294-6604000-02 www.hzlindia.com CIN L27204RJ1966PLC001208

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://twitter.com/Hindustan_Zinc https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

BANSWARA

BANSWARA SYNTEX LIMITED

" Fashioning a successful line of clothing starts with "

SPECIALIZED IN STRETCH FABRICS & GARMENTS MANUFACTURING

A Global Player in the business of fashion offering integrated Textile Solution to Leading Brands World - wide & An Ideal Garment Solution provider to Domestic & Global Readymade Brands.

YARN

- Synthetic Blended Yarn
- Worsted Yarn
- Fiber Dyed Yarn
- Natural Fiber Yarn
- High Twist Yarn
- Compact Yarn

FABRIC

- Synthetic Fabric
- Worsted Fabric
- Stretch Fabric
- Technical Fabric
- Fire Retardant Fabric
- Knitted Fabric

GARMENT

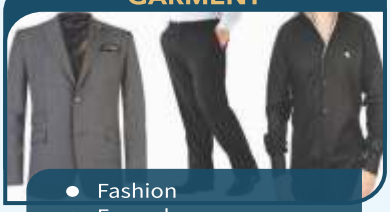

- Fashion
- Formal
- Casual
- Smart Comfort Casual

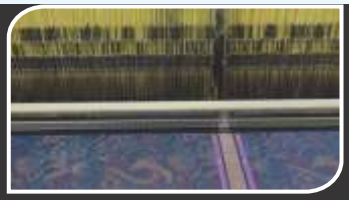

Reg office & Mills :
Industrial Area , Dahod Road , Banswara - 327001, Rajasthan
Tel: + 91-2962-257680,257694 , E-mail: info@banswarasyntex.com

Mumbai Office :
Gopal Bhavan (5th Floor), 199, Princess Street, Mumbai - 400 002
Phone : + 91-22-66336571-76, E- mail: info@banswarasyntex.com

Garment Unit :
Banswara Garments , 98/3, Village Kadaiya, Nani Daman, (U.T.)
Tel: + 91-260-2221345,2221505, E-mail: info@banswarasyntex.com

Surat Unit :
Plot No.5-6, G.I.D.C., Apparel Park SEZ, Sachin SURAT- 394230 (Gujarat),
Tel: + 91-261-2390363, E-mail:info@banswarasyntex.com

CIN: L24302RJ1976PLC001684

An IS / ISO 9001 : 2008 Company

www.banswarasyntex.com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 5, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

BANSWARA

BANSWARA SYNTEX LIMITED

" Fashioning a successful line of clothing starts with "

SPECIALIZED IN STRETCH FABRICS & GARMENTS MANUFACTURING

A Global Player in the business of fashion offering integrated Textile Solution to Leading Brands World - wide & An Ideal Garment Solution provider to Domestic & Global Readymade Brands.

YARN

- Synthetic Blended Yarn
- Worsted Yarn
- Fiber Dyed Yarn
- Natural Fiber Yarn
- High Twist Yarn
- Compact Yarn

FABRIC

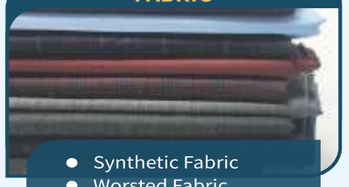

- Synthetic Fabric
- Worsted Fabric
- Stretch Fabric
- Technical Fabric
- Fire Retardant Fabric
- Knitted Fabric

GARMENT

- Fashion
- Formal
- Casual
- Smart Comfort Casual

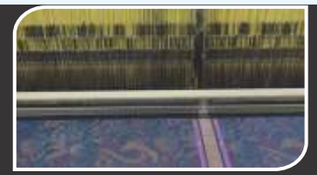

Reg office & Mills :
Industrial Area , Dahod Road , Banswara - 327001, Rajasthan
Tel: + 91-2962-257680,257694 , E-mail: info@banswarasyntex.com

Mumbai Office :
Gopal Bhavan (5th Floor), 199, Princess Street, Mumbai - 400 002
Phone : + 91-22-66336571-76, E- mail: info@banswarasyntex.com

Garment Unit :
Banswara Garments , 98/3, Village Kadaiya, Nani Daman, (U.T.)
Tel: + 91-260-2221345,2221505, E-mail: info@banswarasyntex.com

Surat Unit :
Plot No.5-6, G.I.D.C., Apparel Park SEZ, Sachin SURAT- 394230 (Gujarat),
Tel: + 91-261-2390363, E-mail:info@banswarasyntex.com

CIN: L24302RJ1976PLC001684

An IS / ISO 9001 : 2008 Company

www.banswarasyntex.com

ISSN 2349-6614

सितम्बर 2024

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

करजाली हाउसः सगसजी की जन्मोत्सव पर श्रृंगारित छवि

पेरिस ओलम्पिकः नीरज ने जीता रजत और मनु के हाथ आई दोहरी खुशी

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 22 अंक 5, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

SANGAM UNIVERSITY
where Aspiration meets Opportunity
ACCREDITED WITH NAAC
SANGAM UNIVERSITY
BHILWARA
Promoted by
Sangam Group Bhilwara
ADMISSION OPEN
100% Placement Assistance*
4500+ Proud Alumni
18LPA Highest Package*
250+ Expert Faculty
5500+ Students Enrolled
WiFi Campus
Computer Labs
Hostel
Laboratories
Modern Classrooms
Gymnasium
Choose from
100+ INDUSTRY
ORIENTED PROGRAM!
Farms
Sports
Library
Cafeteria
Seminar Hall
Box Cricket
ENGINEERING
B.Tech | M.Tech | Polytechnic Diploma | BCA | MCA | PGDCA
MANAGEMENT
B.Com (Hons.) | BBA
MBA | MBA Executive
NURSING
B.Sc. Nursing
GNM Nursing
LEGAL STUDIES
BA-LL.B. | LL.B. | LL.M.
AGRICULTURE
B.Sc. (Agri.) Hons.
B.Sc. (Agri.) ABM
PHYSIOTHERAPHY
BPT- Bachelor of Physiotheraphy
LIBRARY
D.Lib | B.Lib | M.Lib
ARTS & HUMANITIES
BA | MA | MSW
PHARMACY
B.Pharm
D.Pharm
FIRE & SAFETY
Diploma | PG Diploma | Bachelor Degree
APPLIED SCIENCE
B.Sc. (Hons.) | M.Sc.
VOCATIONAL
B.Voc.-Graphics | Interior | Digital Marketing
FACILITIES @SANGAM
ट्रेनिंग व प्लेसमेन्ट मे सहयोग
प्रेक्टिकल आधारित शिक्षा
आधुनिक प्रयोगशालाएँ
होस्टल व मैस सुविधा
भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ से आने जाने के लिए बस सुविधा
कैंपस सलेक्शन
वेल क्वालिफाइड फेकल्टी
छात्रवृत्ति योजना
Campus - Nh-79, Bhilwara Chittor By-Pass, Bhilwara, (Rajasthan) 311001
Campus Office 7891050000
Chittor Office 7976363857
Gangapur Office 8619909014
Pratapgarh Office 9784833744
Asind Office 9001097343

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
हिन्दुस्तान ज़िंक के 'इकोजेन' एशिया के पहले कम कार्बन वाले 'ग्रीन' ज़िंक के साथ मिल कर रखें भारत के मजबूत विकास की नींव
आप सभी को 78 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
EcoZen
SHG 99.995
• रिन्यूएबल एनर्जी के उपयोग से बने, इकोजेन में उत्पादित ज़िंक के प्रति टन कार्बन समतुल्य 1 टन से भी कम कार्बन फुटप्रिंट है • वैश्विक औसत की तुलना में 75 प्रतिशत कम ग्लोबल वार्मिंग की खासियत • इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में लगभग 400 किलोग्राम का कुल कार्बन उत्सर्जन की बचत • स्टील, ऑटोमोटिव, इंफ्रास्ट्रक्चर और सनराइज सेक्टर जैसे रिन्यूएबल एनर्जी, हाई टेक मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में उपयोग किये जाने वाले उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला।
EcoZen
Low carbon zinc
SAFE
SMART
SUSTAINABLE
यहां स्कैन कीजिये और जानिये किस तरह गैल्वेनाइज्ड जिंक, इंफ्रास्ट्रक्चर, भवन और स्मारक समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं।
Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. Contact No: +91 294-6604000-02 www.hzlindia.com CIN L27204RJ1966PLC001208
https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/
https://www.facebook.com/HindustanZinc/
https://twitter.com/Hindustan_Zinc
https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

Constructing Values
SEMANTICS
INFRA PROJECTS

A COMPLETE CONSTRUCTION SOLUTION

Engineering | Procurement | Construction | Project Management Consultancy

CLIENTELE

Sidhartha Marbles & Granites
MARUTI SUZUKI Technoy Motors Pvt. Ltd.
MARUTI SUZUKI Audi Motors Pvt Ltd
GRIL GR Infraprojects Ltd.
Mahindra Daksh Auto India Pvt Ltd
PANDAV GROUP OF INDUSTRIES pure excellence since 1952
RAJASTHAN BARYTES
MAAD
CHOUDHARY Offset Pvt. Ltd. Quality printing is our tradition...
ESPRIT STONES

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

Spectrum Tech 'N' Fab

A COMPLETE ENGINEERING SOLUTION

Metal Fabrications | Engineering Job | Plant & Machinery
Erection & Certification | Innovative Manufacturing Solution | Engineering Consultancy

CLIENTELE

ADITYA BIRLA Ultratech
PREM MARBLES
WS WITTY INTERNATIONAL SCHOOL
MAAD
CHOUDHARY Offset Pvt. Ltd. Quality printing is our tradition...
RAJASTHAN BARYTES
Sidhartha Marbles & Granites
TECHNOY MOTORS MARUTI SUZUKI
Mine Infotech
GRIL
HRH Group of Hotels
UDAI KOTHI

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

।। सिंघवी श्री ।।
Near Thokar Chouraha, Ayad Road
Udaipur, Rajasthan– 313001, INDIA
info@spectrumtechnfab.com spectrumtechnfab@gmail.com www.spectrumtechnfab.com www.singhviindustries.com

SINGHVI GROUP OF INDUSTRIES
SINGHVI CHEMICALS, || SINGHVI AUTOMOBILES, || SUDHA CHEMICALS
SPECTRUM TECH N FAB, || SEMANTIC INFRA PROJECTS

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

प्रत्यूष

मूल्य 50 रु
वार्षिक 600 रु

अंदर के पृष्ठों पर...

प्रसंगवश

जम्मू क्यों हैं आतंक का नया कश्मीर?
पेज 08

विवाद

हिन्दू-मुस्लिम के बाद जैन समाज का भी दावा
पेज 10

सेहत

हृदय रोग और नई तकनीक
पेज 14

संगठन

भाजपा में अध्यक्ष के नए चेहरे की तलाश
पेज 18

बागवानी

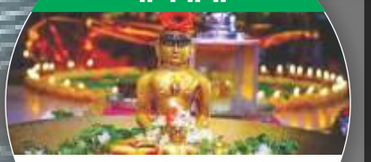

मन की गांठों को खोलने का आध्यात्मिक प्रयोग पर्युषण
पेज 30

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनियर प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

पू. कैलाश जी 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन, नारायण सेवा संस्थान

NARAYAN SEVA SANSTHAN
SINCE 1988
Nar Seva Narayan Seva

'सेवक' प्रशान्त भैया
अध्यक्ष, नारायण सेवा संस्थान

अब तक हुए सेवा कार्य

- ऑपरेशन 4,40,971
- फिजियोथेरेपी 5,00,230
- कैलीपर 3,82,404
- कौशल प्रशिक्षण 6500
- व्हील चेयर 283,839
- ट्राई साईकिल 2,70,313
- बैसाखी 3,12,408
- कृत्रिम अंग 43,877
- आवासीय विद्यालय 495
- अन्न वितरण (कि.ग्रा.) 30043
- प्रतिदिन रोगी भोजन 5,000
- स्वेटर व यूनिफॉर्म वितरण 4,05,591
- सामूहिक विवाह (जोड़े) 2,357
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी 1704 बच्चे
- मूक बधिर प्रज्ञा चक्षु, अनाथ आश्रय 3190
- नारायण गुरुकुल विद्यालय 150

कृपया आपश्री अपने ईष्ट मित्रों व परिजनों को जोड़कर सेवा के सफर को आगे बढ़ाएं

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe paytm
narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 183, 'मेवाराम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002 +91 294 662 2222 | +91 7023509999

JAI DRISHTI Eye Hospital
केशलेस सुविधा उपलब्ध
RGHS

मोतियाबिंद ऑपरेशन
मोतियाबिंद ही नहीं, चश्मा भी हटाएं।
PanOptix® • Vivity® • Tecnis®

जय दृष्टि आई हॉस्पिटल
स्पष्ट दृष्टि, साफ़ बात
99829-96666

सरस
उदयपुर डेयरी

सरस शॉप एजेंसी पाने हेतु आवेदन
शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में सरस दूध/दुग्ध उत्पाद विक्रय के लिए शॉप एजेंसी हेतु संपर्क करें
0294-2640188, 0294-2941773

1st in Dairy Cooperative Sector in India License for packed pouch milk
उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., उदयपुर
गोवर्धन विलास, अहमदाबाद रोड, उदयपुर (राज.) 313 001

6 पदक जीते, दस पार का नारा पर टोक्यो की बराबरी भी नहीं हो सकी

भारत नहीं बिखेर पाया स्वर्णिम चमक

दुर्गाशंकर मेनारिया

अबकी बार दस पर। इसी नारे के साथ भारत बड़ा दल लेकर पेरिस ओलम्पिक 2024 में पहुंचा था। पर 117 सदस्यीय दल ने सिर्फ छह पदक के साथ अपना अभियान खत्म किया। दल तीन साल पहले के टोक्यो ओलम्पिक को पीछे छोड़ना तो दूर उसकी बराबरी भी नहीं कर पाया। हालांकि 12 साल पीछे लंदन में जीते पदकों की बराबरी जरूर की। सोने का तमगा न जीतने का खामियाजा तालिका में 20 साल में पहली बार शीर्ष 70 से बाहर होकर भुगतना पड़ा। यहां तक की देश तालिका में पाकिस्तान से भी पीछे रहा और इसके साथ ओलम्पिक 2024 में भारत के सफर का समापन हो गया। उल्लेखनीय है कि पिछले टोक्यो ओलंपिक में हमने सात पदकों (एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) के साथ इससे बेहतर प्रदर्शन किया था। यदि महिला पहलवान विनेश फोगाट की अयोग्यता का मामला न होता, तो भारत अपने प्रदर्शन को दोहराने में सफल हो जाता। विनेश फोगाट के मामले ने देश में बड़ा तूफान खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन जिस देश में राजनीति और खेल संघों को अलग-अलग न किया जा सके, वहां ऐसे विवाद स्वाभाविक हैं। विनेश प्रकरण की अनेक परत हैं, जिन पर हमें गौर करना होगा। फिर भी प्रशंसा करनी चाहिए कि हमने ओलंपिक की खेल अदालत में विनेश की शिकायत को पुरजोर ढंग से उठाया। जैसी संभावना थी, वही हुआ। शिकायत को दरकिनार कर दिया गया। सबसे बड़ी खुशी राष्ट्रीय खेल हॉकी को लेकर है कि हमने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। इससे निस्संदेह भावी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, हम लगातार अपने खेल को सुधारते और पदक जीतते चले जाएंगे। इस ओलम्पिक को एथलीट नीरज चोपड़ा के रजत पदक और निशानेबाज मनु भाकर के लिए भी याद किए जाएगा। उन्होंने एक कांस्य पदक व्यक्तिगत शूटिंग में और दूसरा सरबजोत के साथ मिश्रित टीम में जीता है। निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और पहलवान अमन सहरावत ने भी कांस्य जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। यह ओलम्पिक हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश की शानदार विदाई के लिए भी याद किया जाएगा। ये खिलाड़ी अब प्रेरणा-स्रोत बनकर भारतीय खेल इतिहास में दर्ज हो गए हैं। अब यहां से खेल प्रबंधकों-निर्णायकों के लिए काम शुरू हो जाता है। क्या सोचा गया था और क्या हुआ है? आगे क्या सुधार करना है? पिछले दो दशकों में खेलों की गति-प्रगति निराशाजनक ही रही है। खेल संघों को राजनीतिज्ञों ने बचाकर ही रखना होगा।

कांसे से शुरुआत और अंत

भारत ने पदक की शुरुआत कांसे से की और अंत भी कांसे से ही किया। मनु ने 28 जुलाई को खाता खोला तो अमन ने नौ अगस्त को कांसे के साथ अंत किया। आठ अगस्त भारत के लिए शानदार रहा। इस दिन नीरज ने रजत और हॉकी ने कांसा जीतकर दोहरी खुशी दी।

ये रिकॉर्ड बनाए भारतीयों ने

- मनु एक ओलम्पिक में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी
- निशानेबाजी की मिश्रिम टीम स्पर्धा में मनु–सरबजोत पदक जीतने वाली पहली जोड़ी
- लक्ष्य सेन पुरुषों की बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय
- नीरज लगातार दो ओलम्पिक में क्रमश: स्वर्ण और रजत जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट
- मनिका टेबल टेनिस की एकल स्पर्धा के क्वार्टर में पहुंचने वाली पहली भारतीय

विनेश के गले आया पदक गया: विनेश ने तीसरे और अंतिम ओलंपिक के फाइनल में पहुंच पदक पक्का किया था। बस पदक (चांदी या सोना) के रंग का फैसला होना था। पर उससे पहले ही किस्मत ने दगा दे दिया। सिर्फ 100 ग्राम वजन अधिक होने के चलते ओलंपिक पदक का सपना अधूरा रह गया। उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने केस (खेल पंचाट) में अपील की जिस पर 13 अगस्त को फैसला नकारात्मक रहा। वह फाइनल में पहुचने वाली देश की पहली महिला पहलवान रहीं।

पदक तालिका

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	अमेरिका	40	44	42	126
2	चीन	40	27	24	91
3	जापान	20	12	13	45
4	ऑस्ट्रेलिया	18	19	16	53
5	फ्रांस	16	26	22	64
71	भारत	00	01	05	06

2000 ओलंपिक के बाद भारत का प्रदर्शन

खेल	खिलाड़ी	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल	रैंक
2004 (एथेंस)	73	00	01	00	01	65
2008 (बीजिंग)	56	01	00	02	03	50
2012 (लंदन)	83	00	02	04	06	55
2016 (रियो)	117	00	01	01	02	67
2020 (टोक्यो)	124	01	02	04	07	48
2024 (पेरिस)	117	00	01	05	06	71

सगसजी का जन्मोत्सव

उदयपुर। करजाली हाउस स्थित सगसजी बावजी श्री श्री 1008 श्री भेरूसिंह जी का दो दिवसीय जन्मोत्सव गतदिनों हर्षोल्लास एवं परम्परागत अनुष्ठानपूर्वक मनाया गया। स्थानक पर भव्य विद्युत सज्जा की गई। जन्मोत्सव की पूर्वसंध्या पर संतों, महन्तों एवं विशिष्टजन को अन्नदाता ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने बावजी का पूजा-अर्चन कर मेवाड़ में अच्छी वर्षा व खुशहाली की कामना की।

शशिकांत अध्यक्ष, राजेश मंत्री

शशिकांत खेतान

राजेश अग्रवाल

केएम जिंदल

सुरेश अग्रवाल

उदयपुर। प्रवासी अग्रवाल समाज समिति उदयपुर के द्विवार्षिक चुनाव लश्करी अग्रवाल समाज भवन में हुए। जिसमें अध्यक्ष शशिकांत खेतान, केएम जिंदल वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल मंत्री और सुरेश अग्रवाल को निर्विरोध कोषाध्यक्ष बनाया गया। चुनाव अधिकारी सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि चुनाव के दौरान कार्यकारिणी में 11 सदस्य भी नियुक्त किए गए। इनमें अनिल अग्रवाल, महेश गुप्ता, अशोक पौद्दार, एनएल खेतान, भजनलाल गोयल, सत्यनारायण गुप्ता, सुरेन्द्र अग्रवाल, ओमप्रकाश गुप्ता, सीपी बंसल और रविंद्र अग्रवाल शामिल हैं।

डॉ. दीपा का दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड, ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मानित

उदयपुर। अर्थ ग्रुप की डायरेक्टर डॉक्टर दीपा सिंह को ''क्लीनिकल कॉस्मेटोलॉजी एंड मेडिकल एस्थेटिक्स'' क्षेत्र में दूसरा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही ब्रिटिश पार्लियामेंट में उन्हें ''रिकॉग्राईजेशन ऑफ मास्टरी इन मेडिकल एस्थेटिक्स एंड लेजर'' अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। डॉ. दीपा सिंह उदयपुर की पहली महिला है, जिन्हें ब्रिटिश पार्लियामेंट में सम्मानित किया गया है। डॉक्टर दीपा सिंह ने बताया कि उन्होंने अपना दूसरा वर्ल्ड रिकार्ड ''एस्थेटिक्स एंड मेडिकल माइक्रो पिग्मेंटेशन'' को विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ऊपर प्रदर्शित कर बनाया है। वर्ल्ड रिकॉर्ड के दौरान एक निश्चित समय में एस्थेटिक्स एंड मेडिकल माइक्रो पिग्मेंटेशन का प्रोसीजर 2 वर्ष के बच्चे से लेकर 84 वर्षीय बुजुर्ग तक के 12 लोगों पर सफलता पूर्वक किया गया था। इस प्रोसीजर के जरिए होठों और भौहों को सही आकार और रंग देना, डिलीवरी के बाद होने वाले स्ट्रेच मार्क्स आदि को हटाना सहित स्किन केयर संबंधित विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जाता है। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में दर्ज किया गया है।

उदयपुर की विभूति का इंटरनेशनल ब्रांड, जारा में चयन

उदयपुर। विभूति भट्ट ने इंग्लैंड की नॉर्थ अम्बरिया यूनिवर्सिटी, न्यूकेसल से फैशन कम्युनिकेशन और डिजाइन में मास्टर्स की डिग्री हासिल कर उदयपुर का नाम रोशन किया है। ग्रेजुएशन सेरेमनी के बाद उनका चयन भी इंटरनेशनल फैशन ब्रांड, जारा में हो चुका है। वे अपनी सफलता का श्रेय भारतीय जीवन बीमा निगम में उच्च पद से सेवानिवृत्त पिता रमेश चन्द्र भट्ट एवं माता विजयलक्ष्मी को देती हैं। एन ई एफ टी जोधपुर से ग्रेजुएट और भारत के उत्पादों को विश्व स्तर पर लाने के लिए विभूति ने शोध कार्य किया और डिग्री हासिल की। जिसमें ब्राडिंग, यूजर एक्सपीरियंस, डिजायर स्ट्रेटजी, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, बेस्ट कम्युनिकेशन एप्स, टेक्नोलॉजी बेस्ट एक्सपीरियंस, एक्स एक्सरसाइज डिजाइन में कार, वाशिंग मशीन आदि विषयों पर अध्ययन और रिसर्च की। विभूति स्कॉलरशिप द्वारा चयनित होकर आगे के अध्ययन के लिए इंग्लैंड गई। अब उनका डॉक्टरेट करने का इरादा है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण विभूति को विनम्रता, अध्यात्मिकता एवं परिश्रम के संस्कार अपने परिवार से मिले। जिनकी प्रशंसा उनके सहपाठी भी करते हैं।

स्तनपान : बचाएं लाखों शिशु की जान

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की ओर से 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह का मनाया गया। इस बार विश्व स्तनपान दिवस की थीम 'अंतराल को कम करना सभी के लिए स्तनपान सहायता' रही। इस अवसर पर स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राजरानी शर्मा ने कहा कि मां का दूध नवजात शिशु के लिए प्रथम टीका है। मां के दूध का सही इस्तेमाल हो तो हर साल 10 लाख बच्चों की जान बचाई जा सकती है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उदयपुर महिला समृद्धि बैंक की अध्यक्ष डॉ. किरण जैन थीं।

एसपीएसयू-स्पिक मैके करेंगे हेरिटेज क्लब शुरू

उदयपुर। सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय उदयपुर और स्पिक मैके ने विवि में हेरिटेज क्लब बनाने के लिए एमओयू किया। कुलपति प्रो. (डॉ.) पृथ्वी यादव ने सहयोग के महत्व के बारे में बताया। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य और स्पिक मैके चित्तौड़गढ़ चैप्टर के अध्यक्ष जेपी भटनागर भी उपस्थित थे।

दिलीपसिंह यादव को बिजनेस टाइटंस अवार्ड

उदयपुर। मीडिया समूह की ओर से द सक्सेस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन दिलीपसिंह यादव को बिजनेस टाइटंस अवार्ड दिया गया। दुबई में हुए समारोह में अभिनेता सोनू सूद एवं अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह एवं महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने यादव को यह सम्मान दिया। दिलीपसिंह यादव को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिया गया।

HAPPY INDEPENDENCE DAY

Parmeshwar Agarwal
Director

PREM
MARBLES PVT. LTD.

ELEGANCE ENGRAVED ETERNAL

Marine Black Cherry Gold Marine Beige

NH 8, Amberi, Udaipur - 313004 Rajasthan, India
M : +91 8890473333 / 8003834567
Email : stone@premmarbles.com
Website : www.premmarbles.com